किसी भी तरह के
विज्ञापन एवं समाचार
के लिए संपर्क करें मो0:
9891706853

दैनिक
समाज जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200
नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित
वर्ष: 4 अंक: 40 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 19 नवम्बर 2025 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

भारत की आर्थिक वृद्धि दूसरी तिमाही में रहेगी मजबूत
जीडीपी 7.5% के करीब रहने का अनुमान: एसबीआई रिसर्च

समाज जागरण

फेस्टिव सीजन के चलते भारत के आर्थिक विकास की रफ्तार वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 7.5 प्रतिशत के करीब रह सकती है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एसबीआई रिसर्च की ओर से संकलित किए गए डेटा में बताया गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती निवेश गतिविधियां बढ़ने, ग्रामीण स्तर पर खपत बढ़ने और सर्विसेज और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मजबूत वृद्धि से मिल रही है।

इस ट्रेंड को संरचनात्मक सुधारों जैसे जीएसटी 2.0 से सपोर्ट मिल रहा है, जिसने फेस्टिव डिमांड को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

एसबीआई रिसर्च ने बताया कि अधिकतर आर्थिक संकेतक अब तेजी दिखा रहे हैं। कृषि, उद्योग, सेवाओं और उपभोग से जुड़े 50 प्रमुख संकेतकों में से 83 प्रतिशत ने दूसरी तिमाही में सुधार दिखाया, जबकि पहली तिमाही में यह आंकड़ा 70 प्रतिशत पर था। रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.5-8 प्रतिशत के बीच रह सकती है और जीवीए ग्रोथ करीब 8 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि आने वाली तिमाही में व्यापक स्तर पर ग्रोथ मजबूत रहने का अनुमान है। सितंबर से अक्टूबर तक चलने वाले फेस्टिव सीजन मांग को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, जीएसटी की दरों में कटौती और मजबूत ई-कॉमर्स गतिविधियों ने ग्राहक खर्च को बढ़ाने में मदद की है।

क्रेडिट और डेबिट कार्ड लेनदेन के आंकड़ों ने ऑटो, किराना, इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू सामान और यात्रा जैसी श्रेणियों में मजबूत वृद्धि दिखाई।

मध्यम श्रेणी के शहरों में खर्च में सबसे ज्यादा वृद्धि देखी गई, जबकि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डेबिट कार्ड के इस्तेमाल में महानगरों ने बढ़त दर्ज की। रिपोर्ट के अनुसार, "डेबिट कार्ड से की गई खरीदारी में किराना और सुपरमार्केट की वस्तुओं का बड़ा योगदान रहा।"

रिपोर्ट में पाया गया कि जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से अधिकांश प्रमुख उपभोग श्रेणियां अत्यधिक लचीली हो गई हैं, जिसका अर्थ है कि उपभोक्ताओं ने कम कर दरों पर मजबूत प्रतिक्रिया दी।

पीएम मोदी 19 नवंबर को आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु दौरे पर
प्राकृतिक खेती सम्मेलन का करेंगे शु भारंभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान सुबह करीब 10 बजे वे आंध्र प्रदेश के पुट्टापर्थी स्थित भगवान श्री सत्य साईं बाबा के धाम और महासमाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

पीएम मोदी स्मारक सिक्का व डाक टिकट जारी करेंगे

इसके पश्चात लगभग 10:30 बजे वह सत्य साईं बाबा के शताब्दी उत्सव में शामिल होंगे, जहां प्रधानमंत्री उनके जीवन और शिक्षाओं पर आधारित स्मारक सिक्का और डाक टिकटों का सेट जारी करेंगे।

9 करोड़ किसानों के लिए 18,000 करोड़ की 21वीं पीएम-किसान किस्त जारी करेंगे

इस कार्यक्रम में वे सभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, आंध्र प्रदेश के बाद प्रधानमंत्री कल दोपहर तमिलनाडु के कोयंबटूर पहुंचेंगे, जहां करीब 1:30 बजे 'दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री देश के 9 करोड़ किसानों को समर्थन देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे, जिसकी राशि 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक है।

19 से 21 नवंबर तक चलेगा दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन

19 से 21 नवंबर तक चलने वाला दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन तमिलनाडु नेचुरल फार्मिंग स्टेकहोल्डर्स फोरम द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य सतत, पर्यावरण अनुकूल और रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में जैविक इनपुट, स्थानीय तकनीक, इको-फ्रेंडली पैकेजिंग, एग्रो-प्रोसेसिंग और किसान उत्पादक संगठनों के लिए बाजार संपर्क पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से 50 हजार से अधिक किसान, वैज्ञानिक लेंगे भाग

सम्मेलन में तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश सहित दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से 50 हजार से अधिक किसान, वैज्ञानिक, प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ और अन्य हितधारक भाग लेंगे।

'पूर्व-नियोजित युद्ध' शुरू: पूर्व मेजर जनरल जी.डी. बख्शी की गंभीर चेतावनी, पाकिस्तान-बांग्लादेश-तुर्की गठजोड़ पर बड़ा आरोप

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारतीय सेना के पूर्व मेजर जनरल जी.डी. बख्शी ने भारत के विरुद्ध एक "पूर्व-नियोजित युद्ध" की आशंका व्यक्त करते हुए अब तक का सबसे बड़ा सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। उन्होंने दावा किया है कि पाकिस्तान ने बांग्लादेश और तुर्की के साथ मिलकर भारत पर बहु-स्तरीय असममित हमले की साजिश रची है, जिसमें कई शहरों में समन्वित आतंकी हमले, बम धमाके और संभावित रासायनिक एवं जैविक हथियारों का इस्तेमाल शामिल हो सकता है।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बख्शी ने अपने बयान में कहा कि यह अब "आतंकवाद" नहीं बल्कि "युद्ध" है — और भारत को उसी तरह प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने सरकार से "पूरी ताकत और स्पष्ट रणनीति" के साथ जवाब देने की अपील की।

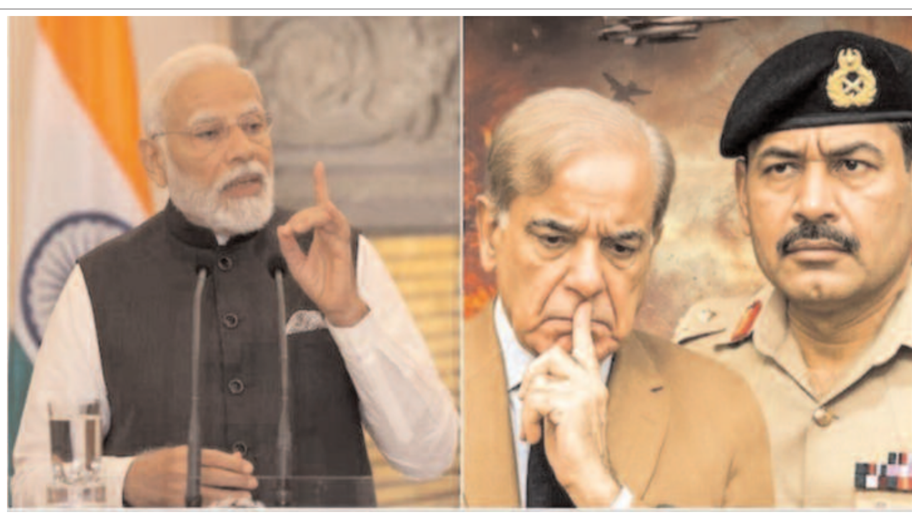

काउंटर-अलायंस की वकालत: रूस, इजराइल, फ्रांस का नाम लिया

जनरल बख्शी ने सुझाव दिया कि भारत को एक प्रतिरोधी गठबंधन बनाना चाहिए और रूस, इजराइल, फ्रांस जैसे देशों के साथ खुला रणनीतिक सहयोग स्थापित करना चाहिए।

उन्होंने कहा: "अब दुनिया से साफ पूछा जाना चाहिए—आप भारत के साथ हैं या आतंक के साथ?"

पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन का भी आह्वान

जनरल बख्शी ने पाकिस्तान की मौजूदा राजनीतिक और सैन्य व्यवस्था पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि "पाकिस्तान का पागल मुल्ला मुनीर और उसकी व्यवस्था क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है।"

उन्होंने पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन मिशन की भी बात कही।

1971 की याद — "अब दोहराने का समय"

अपनी बात को ऐतिहासिक संदर्भ से जोड़ते हुए उन्होंने 1971 के युद्ध का ज़िक्र किया और कहा:

"जैसे 1971 में निर्णायक विजय प्राप्त की गई थी, वैसा ही जवाब आज भी आवश्यक है।"

> **कौन हैं मेजर जनरल जी.डी. बख्शी?**
> - भारतीय सेना के वरिष्ठ कमांडर रहे
> - कारगिल व अन्य अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका
> - रणनीतिक मामलों पर प्रखर वक्ता
> - सैन्य विश्लेषक व लेखन, टीवी डिबेट में सक्रिय

उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान आज "दो मोर्चों के युद्ध के दबाव" में है और सेना के कई उच्च पदस्थ अधिकारियों के परिवार देश छोड़ रहे हैं।

बख्शी का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति तेजी से बदल रही है। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने इसे गंभीरता से लिया है। पूर्व सेनाधिकारियों की इस चेतावनी ने सुरक्षा विमर्श को नया आयाम दे दिया है। आने वाले दिनों में केंद्र सरकार और सेना की रणनीति पर सबकी नजर रहेगी।

> **"भारत के खिलाफ पूर्ण असममित हमला" - बख्शी**
>
> उन्होंने कहा कि यह आतंकी अभियान केवल सुरक्षा को चुनौती नहीं देता बल्कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने और सरकार को अस्थिर करने के उद्देश्य से भी चलाया जा रहा है।
>
> "यह पूर्व निर्धारित युद्ध है। पाकिस्तान भारत की लाल रेखाओं को ध्वस्त करने और बड़े पैमाने पर जनहानि पहुंचाने की तैयारी कर चुका है। इसका उद्देश्य भारत की छवि धूमिल करना और सरकार को अवैध ठहराना है।"
>
> **— मेजर जनरल (से.नि.) जी.डी. बख्शी**

शिक्षित युवाओं का आतंकवाद में शामिल होना चिंताजनक प्रवृत्ति: अल्ताफ बुखारी

श्रीनगर, 18 नवंबर: जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने मंगलवार को अधिकारियों से आग्रह किया कि वे इस बात की जाँच करें कि सुशिक्षित युवा कट्टरपंथी क्यों बन रहे हैं और आतंकवादी गतिविधियों में क्यों शामिल हो रहे हैं।

समाचार एजेंसी कश्मीर इंडेप्थ न्यूज सर्विस (केआईएनएस) के अनुसार, बुखारी ने कहा, "यह चिंताजनक है कि सुशिक्षित युवा कट्टरपंथी बन रहे हैं और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि यह एक गंभीर चुनौती है और सभी हितधारकों द्वारा तत्काल और ईमानदारी से आत्मनिरीक्षण किए जाने की आवश्यकता है।

हाल ही में दिल्ली में हुए विस्फोट की निंदा करते हुए, अपनी पार्टी के प्रमुख ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी सभी प्रकार की हिंसा के खिलाफ है और इसमें शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग करती है। उन्होंने घटना से प्रभावित सभी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, "इसमें शामिल लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। लेकिन निर्दोषों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।"

बुखारी ने श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट में हुई जानमाल की हानि पर भी गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवारों को सरकार द्वारा उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए और विस्फोट में जिनके घरों और संपत्तियों को नुकसान पहुँचा है, उन्हें पर्याप्त सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

बुखारी ने कहा, "हम नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुँचा है, उन्हें भी उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।"

अपराध व अपराधियों की शरणस्थली है लोनी क्षेत्र

सुशील शर्मा/समाज जागरण

लोनी, 18 नवंबर: आतंकी गतिविधियों के कारण आज देश के हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं, इसके मध्यनजर तमाम सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आतंकवाद पर कड़ी नजर रखी जा रही है, देश की राजधानी दिल्ली में उच्च सतर्कता बरती जा रही है। कुछ दिन पूर्व लालकिले पर धमाके के बाद मंगलवार को दिल्ली की अदालतों तथा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली हैं। ऐसी स्थिति में दिल्ली की सीमा से एकदम सटे लोनी क्षेत्र को नजर अंदर नहीं किया जा सकता। लगभग 17 लाख से भी अधिक की आबादी वाला जनपद गाजियाबाद का लोनी वह क्षेत्र है जो अपराधिक दृष्टिकोण से अति संवेदनशील है।

विभिन्न प्रदेशो की पुलिस को मिल चुकी उपलब्धि

अपराधियों की शरणस्थली माने जाने वाले इस क्षेत्र से कई बार दिल्ली, हरियाणा व अन्य राज्यों की पुलिस बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हासिल कर चुकी है। जबकि यहां के पुलिस महक में को इसकी भनक भी नहीं पड़ती। जो उनकी कार्य शैली पर प्रश्न चिन्ह लगता हैं।

इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि लोनी क्षेत्र अपराधियों के छुपकर रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान है। यहा दर्जनों ऐसी सघन कालोनिया बसी है जिनके बीच कोई भी अपराधी बे-खौफ रह सकता है। क्योंकि उसके सदाचार की जानकारी जुटाने की जहमत उठाने वाला भी यहां कोई नहीं है।

दिल्ली को जोड़ते है अनेक सुरक्षित मार्ग

दरअसल लोनी एक ऐसे स्थान पर बसा है जहां से हरियाणा, यूपी, उत्तरांचल या अन्य किसी प्रदेश में प्रवेश करने के लिए सुरक्षित मार्गों की सुविधा है। इसके अतिरिक्त लोनी से भोपुरा, मंडोली, लोनी बॉर्डर, खजूरी पुस्ता व सोनिया विहार पुस्ता आदि की ओर जाने वाले ऐसे अनेक मार्ग है जहां से अपराधी दिल्ली सीमा में घुसकर किसी भी घटना को अंजाम देकर आराम से वापस आ-जा सकते हैं। जबकि इसके अलावा कृष्णा विहार, मधुबन कॉलोनी, अमित विहार, इंदिरा एंक्लेव, जौहरीपुर, शांति नगर व डी एल एफ कॉलोनी ऐसी हैं जिनके रास्ते अपराधी बेखौफ घुसपैठ और पुलिस के साथ आंख मिचोली कर सकते है।

बाहर से अगर बचने वालों का नहीं होता सत्यापन

ऐसा भी नहीं है कि पुलिस प्रशासन को इन सब बातों की जानकारी ना हो. जिनके द्वारा इसी संदिग्धता के मद्देनजर क्षेत्रीय कालोनियों में बाहर से आकर अपना निजी मकान खरीदकर या किराए पर रहने वाले लोगों के पूरे ब्यौरे का खाका एकत्रित करने की योजनाएं बनाई गई। मगर उनका यह अभियान हर बार बीच में ही दम तोड़ता नजर आया। जबकि चोर बदमाशों, हत्यारे, लुटेरों व हिस्ट्रीशीटर या इनामी बदमाशों के मामले में यहे क्षेत्र वर्षों से संदिग्ध नजरिए से देखा जाता रहा है। साथ ही अवैध हथियार, विस्फोटक सामग्री या विभिन्न मादक पदार्थों की तस्करी/ कालाबाजारी के धंधे में भी क्षेत्र पीछे नहीं माना जा सकता है। लेकिन इतना सब कुछ होते हुए भी सरकारी तंत्र द्वारा यहां सुरक्षा की दृष्टि से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

नजर अंदाज करना पड़ सकता है भारी

अति संवेदनशील घटना के दौर से गुजर चुकी सरकारी मशीनरी

बताते चलें कि विगत वर्षों जब यहां मात्र इकलौता थाना था एक धार्मिक स्थल की विवादित भूमि को लेकर लोनी में जो बवाल हुआ था उसमें अवैध हथियारों का खुलेआम प्रयोग किया गया था। जिसका नजारा एक कांस्टेबल से लेकर तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तक ने अपनी आंखों से देखा था। उस दौरान पुलिस की जो किरकिरी हुई थी शायद वह स्वयं भी उसे कभी भुला नहीं पाएगी। सभी जानते हैं कि उक्त घटना की काली रात तमंचे, बंदूकको व अन्य हथियारों से अज्ञात लोगों द्वारा घंटो तक फायरिंग की गई थी। आखिर कहां से आये थे इतने असलहे व कारतूस? इसका जवाब आज तक किसी के पास नहीं है! क्या उन्हें प्रयोग करने वाले सभी शरीफ नागरिक थे ? क्या उनके बीच ऐसे अपराधी नहीं थे जिनकी तलाश विभिन्न थानों की पुलिस को हो ? इन सभी प्रश्नों के उत्तर जानते हुए भी न जाने क्यों! तमाम सरकारी तंत्र के मुंह पर आजतक चुप्पी सधी है।

यहां स्थानीय पुलिस की मुस्तैदी का भी कुछ ऐसा हाल है कि उन्हें क्षेत्र की कुछ ऐसी समस्याओं को निपटाने से फुर्सत नहीं हो पाती है जिसके जरिए उन्हें अपने शीर्ष अधिकारियों को खुश रखना होता हैं। क्योंकि लोनी है ही एक ऐसा क्षेत्र जहां किसी न किसी अधिकारी या असरदार नेता को सलाम करने के बाद ही तैनाती मिल पाती है। हालाकि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में कुछ बदलाव जरूर नजर आया है।

विभिन्न प्रदेशों में पकड़े गए बदमाशों के लोनी से जुड़े मिले हैं तार

अपराधिक घटनाओं के लिए चर्चित यह क्षेत्र अपराधियों की शरणस्थली के मामले में भी कुछ कम संवेदनशील नहीं है। जिनके तार विदेशो तक जुड़े होने की बात को नकारा नहीं जा सकता। यहां क्षेत्र में छिपे ऐसे अपराधियों की संख्या भी कम नहीं है जिनकी तलाश विभिन्न प्रदेशों की पुलिस को न रही हो। उत्तर प्रदेश के साथ-साथ हरियाणा, राजस्थान, या उत्तरांचल आदि ऐसे प्रदेश है जहां की पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाशों ने पूछताछ के दौरान गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र में रहने की बात स्वीकार की है। तथा ऐसे भी अवसर आए हैं जब अन्य दूसरे थाना क्षेत्रों में एनकाउंटर में मारे गए इनामी बदमाशों की शिनाख्त के बाद पुलिस को उनकी शरणस्थली लोनी होने का पता लगा था। जबकि पड़ोस में ही स्थित राजधानी दिल्ली में घटित आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले बदमाश बड़ी संख्या में कहीं ना कहीं लोनी क्षेत्र में ही रह रहे हैं। जो दिल्ली पुलिस प्रमाणित भी कर चुकी है, जबकि क्षेत्रीय पुलिस को उसकी भनक भी नहीं हो पाती।

पुलिस की सक्रियता और आमजन के ताल-मेल की जरूरत

यदि स्थानीय पुलिस व खुफिया एजेंसी सक्रियता से काम ले तो उन्हें भी यहां बड़ी-बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। लेकिन इसके लिए उन्हें अपना रवैया बदलना होगा। साथ ही उन्हें पर्याप्त संसाधन व आधुनिक असलहे मुहैया कराने की भी जरूरत है। हालांकि ऐसी किसी भी कामयाबी के लिए आम नागरिकों का कर्तव्य प्रत्येक सुरक्षा तंत्र के लिए एक अहम भूमिका अदा करता है

झांसी की वीरांगना: रानी लक्ष्मीबाई का राष्ट्रप्रेम और प्रेरणादायक संघर्ष

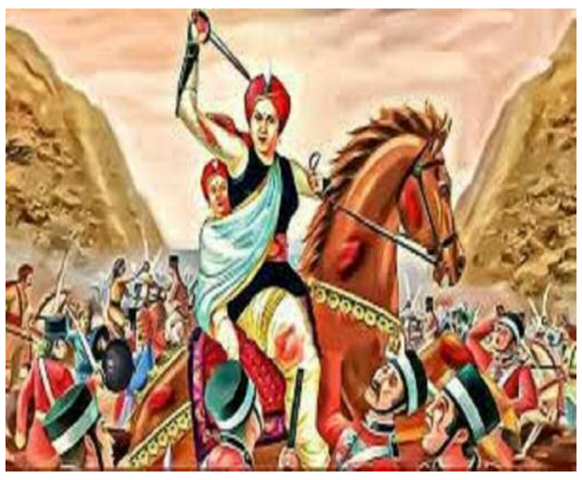

रानी लक्ष्मीबाई का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उस चमकते सितारे की तरह उभरता है, जिसकी रोशनी समय बीतने के बाद भी धुंधली नहीं पड़ती। उनका जीवन केवल अतीत का एक अध्याय नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के भारत के लिए एक जीवित प्रेरणा है। यह प्रेरणा केवल युद्धभूमि की वीरता तक सीमित नहीं, बल्कि स्वाभिमान, अधिकार और न्याय के लिए डटकर खड़े होने की अदम्य इच्छा से जन्म लेती है। जब हम झांसी की रानी को याद करते हैं, तो हम एक ऐसे चरित्र को स्मरण करते हैं जिसने विपरीत परिस्थितियों को न सिर्फ चुनौती दी, बल्कि उन्हें अपनी शक्ति और संकल्प का साधन बना लिया।

19वीं सदी का भारत, विशेषकर 1850 के दशक का दौर, औपनिवेशिक शासन के दमन, राजनीतिक षड्यंत्रों और सामाजिक असमानताओं से भरा हुआ था। ऐसे समय में एक युवा स्त्री का सत्ता, राजनीति और सैन्य नेतृत्व के केंद्र में आना अपने आप में एक क्रांति थी। मणिकर्णिका तांबे, जिन्हें लोग प्यार से मनु कहते थे, बचपन से ही निर्भीक थीं। घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्धकला में उनकी दक्षता उस समय की स्त्रियों के पारंपरिक दायरे से बिल्कुल अलग थी। जब परिस्थितियों ने उन्हें झांसी की रानी बनाया, तब उन्होंने केवल राजसिंहासन नहीं संभाला–उन्होंने अपने लोगों की उम्मीदों, सुरक्षा और सम्मान की बागडोर भी थाम ली।

ब्रिटिश शासन की ह्यहड़प नीतिह्न किसी राज्य की स्वायत्तता को छीनने वाली एक कठोर रणनीति थी। झांसी को इस नीति का निशाना बनाया गया तो रानी के सामने दो रास्ते थे–समर्पण या संघर्ष। उन्होंने संघर्ष को चुना, और यह वही निर्णय था जिसने उन्हें सामान्य राजसत्ता से उठाकर इतिहास में अमर नायिका बना दिया। मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी–यह वाक्य केवल प्रतिरोध की घोषणा नहीं था, बल्कि उस राजनीतिक अन्याय के खिलाफ एक सशक्त प्रतिवाद था जो अंग्रेजी शासन भारतीय रियासतों पर थोप रहा था।

1857 का विद्रोह भारतीय जनमानस की दबी हुई पीड़ा का विस्फोट था। इस आंदोलन में रानी लक्ष्मीबाई ने जिस नेतृत्व का परिचय दिया, उसने साबित किया कि स्वतंत्रता की लड़ाई केवल पुरुषों की नहीं थी। उन्होंने एक ऐसी सेना खड़ी की जिसमें महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी थी। झलकारी बाई जैसी योद्धा सिर्फ सैनिक नहीं थीं, बल्कि इस संग्राम की प्रतिध्वनि थीं, जो दिखाती थीं कि स्वाधीनता एक सामूहिक संकल्प है।

झांसी पर जब ब्रिटिश जनरल ह्यू रोज ने हमला किया, तब जिस प्रकार रानी ने किले की रक्षा की, वह किसी महाकाव्य से कम नहीं था। तीन सप्ताह तक निरंतर युद्ध, सीमित संसाधन और भारी विरोधी सेना–इन सबके बावजूद रानी ने न तो किले को छोड़ा और न ही मनोबल को टूटने दिया। अंततः जब किला टूटने की कगार पर था, तब वह दुश्मन को चकमा देकर अपने पुत्र को पीठ पर बाँधे युद्धभूमि से बाहर निकलीं। इस दृश्य में मातृत्व और शौर्य का ऐसा संगम है जिसकी मिसाल इतिहास में दुर्लभ है।

कालपी और फिर ग्वालियर में उन्होंने जो रणनीतिक युद्ध लड़े, वे यह दशार्ते हैं कि रानी केवल साहसी योद्धा ही नहीं, बल्कि कुशल सैन्य नेतृत्वकर्ता भी थीं। ग्वालियर पर विजय प्राप्त कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि उनके संघर्ष की व्यापकता केवल झांसी तक सीमित नहीं थी; यह संपूर्ण राष्ट्र के स्वाभिमान का युद्ध था। कोटा की सराय में हुए अंतिम युद्ध में रानी लक्ष्मीबाई ने अपने प्राणों की आहुति दी, परन्तु हार नहीं मानी। यही कारण है कि ब्रिटिश जनरल ह्यू रोज ने भी स्वीकार किया कि विद्रोहियों में रानी सबसे खतरनाक और सबसे प्रभावशाली थीं।

आज, लगभग डेढ़ सदी बाद, रानी लक्ष्मीबाई की विरासत केवल इतिहास पुस्तकों में दर्ज कुछ पंक्तियों तक सीमित नहीं है। वह भारतीय स्त्री शक्ति का एक जीवंत प्रतीक हैं–जो बताता है कि अधिकारों, स्वतंत्रता और समानता की लड़ाई किसी भी काल में न्यायोचित है। वह यह भी स्मरण कराती हैं कि सत्ता या अधिकार केवल पुरुषों की बपौती नहीं, बल्कि क्षमता और संकल्प रखने वाले किसी भी व्यक्ति का अधिकार हैं। रानी की कहानी उन लाखों भारतीय महिलाओं के संघर्ष का भी रूपक है जो असमानता, दमन और सामाजिक बेड़ियों के खिलाफ लड़ती रही हैं। उनकी विरासत स्वतंत्र भारत की उस मूल भावना से जुड़ती है, जिसमें नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है।

रानी लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा हमें यह सोचने पर भी मजबूर करती है कि इतिहास अपने नायकों को केवल उनकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उनके साहस, नैतिकता और उस समय के संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता से आंकता है। यदि 1857 के संग्राम में वह सिर्फ झांसी की रक्षा करतीं, तो वह केवल एक रानी बनकर रह जातीं। परंतु उन्होंने राष्ट्र की चेतना को जगाने का कार्य किया–और यही उन्हें चिरस्थायी बनाता है। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह केवल श्रद्धांजलि नहीं बल्कि एक प्रतिबद्धता भी है कि हम स्वतंत्रता, न्याय और समानता के उन मूल्यों को जिंदा रखें, जिनके लिए उन्होंने युद्धभूमि में अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

रानी लक्ष्मीबाई का जीवन हमें यह संदेश देता है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि मन में सत्य और न्याय का दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी शक्ति पराजित नहीं कर सकती। उनकी विरासत हमें न केवल प्रेरित करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि स्वाधीनता किसी एक युग की उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता और संघर्ष का परिणाम है।

महेन्द्र तिवारी

देश को जनसंख्या लाभांश के फायदे या संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी एक त्रासदी।

भारत आज मात्र एक विशाल जनसंख्या वाला देश नहीं बल्कि वह सभ्यता है जिसकी जनसंख्या देश की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय दिशा को तय करने वाली निर्णायक शक्ति बन चुकी है। वर्ष 2023 के बाद से भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है और यह संख्या अब लगभग 1.45 अरब के आसपास पहुँच रही है। परंतु यह तथ्य जितना गौरवपूर्ण प्रतीत होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी है, क्योंकि बढ़ती आबादी देश के विकास की धुरी भी है और विकास का बोझ भी। जनसंख्या की यह जटिल स्थिति भारत के लिए दोधारी तलवार के समान है' एक ओर वह अपार युवा ऊर्जा, श्रमशक्ति और आर्थिक संभावनाएँ प्रदान करती है, तो दूसरी ओर वह संसाधनों, शिक्षा, रोजगार और पर्यावरण पर असंतुलित दबाव उत्पन्न कर देती है। यही कारण है कि भारत की जनसंख्या पर किसी भी प्रकार का विमर्श केवल आंकड़ों की चर्चा भर नहीं होता, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास, सामाजिक स्थिरता और मानव गुणवत्ता का प्रश्न बन जाता है।

भारत की वर्तमान जनसंख्या संरचना में लगभग 67 से 68 प्रतिशत लोग कार्यशील आयु-वर्ग में आते हैं, जो विश्व में सबसे बड़ा युवा समूह है। यह स्थिति भारत को जनसंख्या लाभांश प्रदान करती है जो हर राष्ट्र को अपनी आर्थिक तेजी बढ़ाने का एक ही अवसर देता है। यदि यह युवा समूह शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बन सके तो वह देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने में निर्णायक योगदान दे सकता है। किंतु समस्या यह है कि देश में हर वर्ष लाखों युवा रोजगार की तलाश में निकलते हैं, जबकि गुणवत्तापूर्ण नौकरियों का निर्माण उतनी गति से नहीं हो रहा। बेरोजगारी दर युवा वर्ग में अभी भी चिंताजनक है और असंगठित क्षेत्रों का व्यापक विस्तार युवाओं को स्थिर रोजगार से दूर कर देता है। यदि रोजगार-सृजन की गति, कौशल विकास और शिक्षा सुधार के साथ तालमेल नहीं बैठ पाया तो वही युवा शक्ति जो अवसर थी, भविष्य में सामाजिक तनाव, आर्थिक दबाव और असंतोष का स्रोत बन सकती है।

बढ़ती जनसंख्या का दूसरा बड़ा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है। भारत में जल संकट, भूमि क्षरण, वनों की कटाई, प्रदूषण और ऊर्जा की बढ़ती मांग ये सभी समस्याएँ जनसंख्या के असंतुलित विस्तार से और भी गंभीर हुई हैं। महानगरों में लगातार बढ़ते पलायन ने झुग्गियों का विस्तार, प्रदूषण, ट्रैफिक जाम, जीवन-स्तर में गिरावट और शहरी असमानताओं को बढ़ाया है। देश के जल-स्तर में गिरावट और भू-जल के अत्यधिक दोहन ने कई राज्यों में जल-संकट को स्थायी रूप दे दिया है। ऐसे में बिना सतत संसाधन-प्रबंधन के जनसंख्या वृद्धि विकास की गति को रेंगने पर मजबूर कर देगी।

भारत के विकास की तीसरी प्रमुख चुनौती स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता है। आज भी मातृ मृत्यु दर लगभग 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हजार के आसपास है, जो यह संकेत देते हैं कि स्वास्थ्य ढांचा अभी भी मजबूत और सर्वसुलभ नहीं बन पाया है। यदि इतनी बड़ी जनसंख्या को स्वस्थ, सक्षम और उत्पादक बनाना है तो स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच, गुणवत्ता और पोषण व्यवस्था को बेहतर बनाना अनिवार्य है। विशेषकर ग्रामीण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुलभ स्वास्थ्य-सेवा उपलब्ध कराना ही दीर्घकालीन जनसांख्यिकीय संतुलन की नींव बनेगा।

अब बात करें शिक्षा की जो किसी भी जनसंख्या नियंत्रण और गुणवत्ता-वृद्धि का सबसे सशक्त माध्यम है। विशेषकर महिला शिक्षा जनसांख्यिकीय परिवर्तन में सबसे निर्णायक भूमिका निभाती है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार में स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के लिए बेहतर निर्णय लेती है, बल्कि वह परिवार नियोजन के प्रति भी जागरूक होती है। भारत में जिन राज्यों में महिला साक्षरता अधिक है, वहाँ कुल उर्वरता दर स्वतः नियंत्रित हो गई है। इस प्रकार जनसंख्या केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और शिक्षा के प्रसार से नियंत्रित होती है।

रोजगार और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से देश में शुरू की गई योजनाएँ–कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान–कई युवाओं को नया अवसर प्रदान कर रही हैं, किंतु इन योजनाओं का प्रभाव तभी व्यापक होगा जब वे गाँव-गाँव तक संरचना और प्रशिक्षण के साथ पहुँचें। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो पलायन कम होगा, और शहरों पर भार भी घटेगा। केवल महानगरों और आईटी सेक्टर में रोजगार केंद्रित करने से भारत की विशाल जनशक्ति संतुलित उपयोग नहीं पा पाएगी।

परिवार नियोजन भारत में लोकतांत्रिक एवं स्वैच्छिक मॉडल पर आधारित रहा है। चीन ने जहाँ वन चाइल्ड पॉलिसी अपनाई, वहीं भारत ने सामाजिक सहभागिता, जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जनसंख्या संतुलन का रास्ता चुना। यह मॉडल टिकाऊ और मानवीय है, परंतु इसके परिणाम तभी मजबूत होंगे जब ग्रामीण समुदायों में जागरूकता, शिक्षा और स्वास्थ्य-सेवा की पहुँच पर्याप्त होगी।

जनसंख्या को केवल बोझ मानना गलत है, क्योंकि वही जनसंख्या यदि सही दिशा और अवसर पाए तो आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत बन सकती है। परंतु इसे अनियंत्रित छोड़ देना राष्ट्र की प्रगति को अवरुद्ध कर सकता है। इसलिए भारत को एकीकृत दृष्टि की आवश्यकता है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार सृजन, लैंगिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता को एक साथ जोड़कर देखा जाए।

भारत की जनसंख्या वास्तव में एक विशाल सामर्थ्य है। यदि इसे सही नीति, सही दिशा, सही अवसर और सही सामाजिक वातावरण मिले तो यह भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ा सकती है। लेकिन यदि यह दिशा-विहीन रही तो यही शक्ति देश की सबसे बड़ी बाधा बन सकती है। इसलिए अब समय यही है कि हम संख्या की भीड़ को सक्षम, शिक्षित, स्वस्थ और उत्पादक शक्ति में बदलें तभी यह भूमि अपने जनसमुदाय के बोझ से नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा से आलोकित होगी और भारत अपने जनबल के दम पर विश्व में नई पहचान स्थापित करेगा।

संजीव ठाकुर, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, वरिष्ठ पत्रकार, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रीय एकता दिवस हर साल पूरे भारत में 19 नवंबर को मनाया जाता है। यह भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी के जन्म दिन की सालगिरह के रूप में मनाया जाता है। इस दिन ज़िला प्रशासन के विभिन्न विभागों के कार्यालय के सदस्य एक ही स्थान पर एक साथ समाज में आम सद्भाव को सुनिश्चित करने की लिए प्रतिज्ञा लेने के लिए मिलते हैं। आधिकारिक तौर पर, हर राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिवंगत प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्प श्रद्धांजलि दी जाती है।

राष्ट्रीय एकता दिवस सब भारतीय लोगों के बीच प्रेम और एकता को बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। देश के आजाद होने के बाद भी, भारत के लोग फिर भी आजाद नहीं थे, कहीं ना कहीं वे अभी भी गुलाम थे। देश के कुछ राजनीति से प्रेरित युवक लगातार समाज में लोगों की एकता और सांप्रदायिक सद्भाव में खलल डाल रहे थे। राष्ट्रीय एकता दिवस भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के जन्मदिन का जश्न याद करने के रूप में 'कौमी एकता दिवस' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

राष्ट्रीय एकता परिषद

भारत की राष्ट्रीय एकता परिषद, वरिष्ठ राजनीतिज्ञों की और लोगों की एक विधानसभा है, जिसे भारत में जातिवाद, सांप्रदायिकता और क्षेत्रवाद जैसी समस्याओं पर अभिभाषण करने की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया था। यह पहली बार भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1961 में आयोजित सम्मेलन में, देश की एकता को विभाजित करने के साथ ही प्रगति में बाधा उत्पन्न समस्याओं से लड़ने के उद्देश्य को लेकर स्थापित किया गया था। अप्रैल 2010 में यह प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 147 सदस्यों के साथ पुर्नगठित किया गया था। राष्ट्रीय एकता परिषद के सदस्यों द्वारा समय-समय पर भेदभाव के उन्मूलन, सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के साथ ही साथ देश से सांप्रदायिकता और हिंसा के नियंत्रण के लिये बैठक का आयोजन किया जाता है।

कैसे बनाएँ

राष्ट्रीय एकता दिवस भारत में हर साल बहुत-सी सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन, जैसे- 'इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम' (आई.एस.वाई.ई.पी.), 'राष्ट्रीय एकता शिविर' (एनआईसी), 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव', 'राष्ट्रीय युवा पुरस्कार' आदि और राष्ट्रीय एकता से संबंधित मुद्दों से निपटने के विषयों पर संगोष्ठी, सेमिनार जैसे कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करके मनाया जाता है। शिविरों में अनुसंधान गतिविधियाँ और प्रकाशन आयोजित किये जाते हैं। विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि, क्षेत्रों और धर्मों के युवाओं द्वारा विविध सामुदायिक सेवाओं को किया जाता है। युवाओं को शिविरों में नेतृत्व करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। सार्वजनिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए अन्य विभिन्न कार्यक्रमों और शिविरों का आयोजन किया जाता है।

इंदिरा गाँधी के विषय में

इंदिरा गाँधी भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री थीं। उनका जन्म 19 नवंबर, 1917 में इलाहाबाद में हुआ था। वह भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बेटी थीं। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा विश्व भारती विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड से प्राप्त की। उनका विवाह 1942 में फि रोज गाँधी और उन्हें 1955 में कांग्रेस की कार्यकारी समिति का सदस्य बनने का अवसर प्राप्त हुआ। इंदिरा गांधी एक महान राजनीतिक नेता थीं। वह लाल बहादुर शास्त्री के मंत्रिमंडल की सूचना मंत्री के रूप में सदस्य भी बनीं। 1966 में ताशकंद, रूस में शास्त्री जी की अचानक मौत के बाद वह भारत की प्रधानमंत्री के रूप में चुनी गयीं।

इंदिरा गाँधी ने भारतीय लोकतांत्रिक ढांचे और परंपरा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के युद्ध को संभाला और जीत भी हासिल की। उन्होंने घोषित उद्देश्यों को पाने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा में कड़ी मेहनत की थी। उन्होंने लोकतांत्रिक समाजवाद और कमजोर वर्गों के लिए बहुत काम किया। उनके नेतृत्व में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के साथ शिमला समझौते पर हस्ताक्षर, भारत-सोवियत शांति, सहयोग और मैत्री संधि की गयी थी। उनके नेतृत्व में पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण हुआ। उनके कुशल मार्गदर्शन के नीचे नई दिल्ली में पहले एशियाई खेलों का आयोजन, पहले अंतरिक्ष यात्री स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा का अंतरिक्ष की यात्रा करना और अंतरिक्ष अनुसंधान और शांतिपूर्ण परमाणु विकास हुआ।

2026-27 का सर्वे श्रमिकों की हकीकत और नीतिगत जरूरतें उजागर करेगा

यह सही है कि प्रवासन स्रोत राज्य तथा प्रवासियों के ठिकाना बनाने वाले राज्य, दोनों जगह राजनीतिक मुद्दा रहा है लेकिन इसकी नीतिगत समझ आश्चर्यजनक रूप से पुरानी बुनियादों पर निर्भर है। पिछला समर्पित प्रवासन सर्वेक्षण वर्ष2007-08 में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 64वें दौर में किया गया था। उस समय तक स्मार्ट फोन, गिग वर्क, प्लेटफॉर्म आधारित रोजगार और जलवायु आधारित विस्थापन ने देश के श्रम बाजार को बदला नहीं था। ऐसे में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने व्यापक प्रवासन सर्वेक्षण 2026-27 करने का जो प्रस्ताव रखा है वह समय पर, आवश्यक और बहुप्रतीक्षित कदम है।

प्रवासन दरों के विश्वसनीय अनुमान, लोगों के एक जगह से दूसरे स्थान पर जाने के कारण, धन प्रेषण और प्रवासियों के अनुभवों की मदद से नीति निर्माण में एक अहम कमी को दूर किया जा सकता है। जनगणना और एनएसएस के सावधिक मॉड्यूल से हासिल आंकड़े जनसंख्या के आवागमन को मापते हैं, लेकिन ये साधन केवल उस वास्तविकता के कुछ अंश ही पकड़ पाते हैं जो समय के साथ विकसित हुई है। आज आंतरिक गतिशीलता स्थायी स्थानांतरण से लेकर अत्यंत अल्पकालिक कार्य अवधियों तक फैली हुई है, जैसे निर्माण, कृषि, लॉजिस्टिक्स और आतिथ्य क्षेत्रों में।

वर्ष 2020-21 का एनएसएस बहु संकेतक सर्वेक्षण इस आवागमन के पैमाने के बारे में संकेत देता है। इसके मुताबिक 29.1 फीसदी यानी हर 10 में से करीब 3 भारतीय लोग प्रवासी थे। शहरी इलाकों में इनकी हिस्सेदारी बढ़कर 34.6 फीसदी हो गई। वर्ष2020-21 तक जहां 11.4 फीसदी पुरुष प्रवास कर चुके थे वहीं महिलाओं का 47.7 फीसदी का आंकड़ा काफी हद तक विवाह के कारण था। इसके विपरीत करीब 48.8 फीसदी पुरुष प्रवासी रोजगार संबंधी कारणों से प्रवास पर गए। इस आवागमन में स्थानीय स्तर पर किया गया प्रवास बहुत अधिक है।

करीब 87 फीसदी प्रवासियों ने एक ही राज्य के भीतर अपनी जगह बदली और करीब 58.5 फीसदी ने एक ही जिले के भीतर अपना स्थान बदला। इसके बावजूद यह प्रवासन की प्रेरणा के अहम अंतर को जाहिर नहीं करता। काम की तलाश में प्रवास करने वाले करीब 40 फीसदी लोग दूसरे राज्यों में गए जबकि शादी करने वालों में केवल 5 फीसदी। दूसरे शब्दों में देश में श्रमिकों का आवागमन स्थानीय अधिक है और केवल चुनिंदा मामलों में ही लंबी दूरी का प्रवासन होता है।

बहरहाल, प्रवासियों को जिन हकीकत का सामना करना पड़ता है वे सामने नहीं आ पातीं। असंगठित क्षेत्र के श्रमिक अक्सर अपनी कठिनाइयां नहीं बताते और मजबूत दिखते हैं या अफसरशाही की जांच से बाहर रह जाते हैं। राज्यों के बीच बहुत अधिक असमानता भी है। हिमाचल प्रदेश, केरल, तेलंगाना, पंजाब और महाराष्ट्र उन राज्यों में हैं जिनकी आबादी में प्रवासियों की संख्या बहुत अधिक है। यह मजबूत शहरीकरण और आर्थिक गतिविधियों को भी दशार्ता है।

इसके विपरीत, राज्य से बाहर प्रवासन गरीब राज्यों के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को लगातार परिभाषित करता रहा है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों में लंबे समय से बाहर जाने वाले प्रवास का इतिहास रहा है। हाल ही में हुए बिहार चुनावों ने भी इस मुद्दे को उजागर किया, जहां राजनीतिक दलों को उन श्रमिकों की आकांक्षाओं को स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा जो केवल रोजी-रोटी के लिए बाहर जाते हैं।

प्रस्तावित सर्वेक्षण कुछ नीतिगत कमियों को दूर करना चाहता है और इसके लिए अल्पकालिक प्रवासन की परिभाषा को बदला जाना है। 15 दिन से लेकर छह माह से कम अवधि के प्रवासन को इसमें शामिल किया जाएगा। इसमें परिवारों को इस आधार पर वर्गीकृत किया गया है कि उन्हें धन प्राप्त होता है या नहीं और अगर हां तो कितना। शायद प्रश्नावली के मसौदे में सबसे महत्त्वपूर्ण नवाचार यह मान्यता है कि प्रवास केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके कई परिणाम होते हैं।

प्रवासियों से पूछा जाएगा कि क्या प्रवास से उनकी आय, शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य सेवा या बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में सुधार हुआ है, और क्या उन्हें अपने गंतव्य पर समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इससे ध्यान प्रवासियों की गणना से हटकर उनकी भलाई को समझने पर केंद्रित हो जाता है। यह शहरी बुनियादी ढांचे, श्रम सुरक्षा आदि के मूल्यांकन का आधार भी प्रदान करेगा। प्रवासन के बेहतर आंकड़े, बेहतर नीतिगत निर्णय लेने में मदद करेंगे।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में मिलेगी मददः शासन की शादी अनुदान योजना हेतु आवेदन शुरू

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र परिवारों को 20,000 रुपये की आर्थिक सहायता, 90 दिन पहले व बाद तक कर सकेंगे आवेदन

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 18 नवंबर 2025। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) के परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता प्रदान करने के लिए "शादी अनुदान योजना" संचालित की जा रही है। इसके तहत पात्र अभ्यर्थियों को 20,000 रुपये की अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर लवेश कुमार सिसौदिया ने बताया कि लाभार्थी विवाह की तिथि से 90 दिन पहले से लेकर 90 दिन बाद तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। http://shadianudan.upsdc.gov.in पोर्टल पर किया जाएगा।

पात्रता की प्रमुख शर्तेः

परिवार अन्य पिछड़ा वर्ग का हो (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग शामिल नहीं)
कन्या की आयु विवाह की तिथि पर 18 वर्ष या उससे अधिक
वर की आयु 21 वर्ष या अधिक
वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख रुपये से अधिक नहीं
ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के लोग आवेदन कर सकते हैं
वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग पेंशनधारियों को आय प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं–केवल रजिस्ट्रेशन नंबर देना होगा
बैंक खाता राष्ट्रीयकृत बैंक में होना चाहिए (जिला सहकारी बैंक का खाता मान्य नहीं)

आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज

पहचान पत्र
बैंक पासबुक
शादी का कार्ड
कन्या की आयु प्रमाण पत्र
आधार कार्ड
आवेदक का फोटो

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में कमरा संख्या-111, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा में संपर्क कर सकते हैं।

सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्ध नगर

नशा मुक्त भारत अभियान के 5 वर्ष पूरेः गौतमबुद्धनगर में मद्यनिषेध कार्यक्रम आयोजित

द्रोणाचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, निबंध व भाषण के जरिए दिया नशा छोड़ने का संदेश

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 18 नवंबर 2025। नशा मुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर द्रोणाचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में जिला समाज कल्याण अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर सतीश कुमार की अध्यक्षता में मद्यनिषेध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने नुक्कड़ नाटक, भाषण, पोस्टर और निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों पर संदेश दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने नशा करने से होने वाले शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

नशा मानसिक दुर्बलता, उत्तेजना, स्मृतिलोप और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी का कारण बनता है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्त रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई।

इस दौरान तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. श्वेता खुराना ने विद्यार्थियों को तंबाकू मुक्त भारत 3.0 अभियान के तहत नशे के पीछे होने वाली डोपामाइन प्रतिक्रिया और उसके दुष्चक्र को सरल तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि अत्यधिक शराब सेवन से लीवर में सूजन, पीलिया, अल्सर, नपुंसकता और अन्य गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर संस्थान की निदेशक संगीता मंगेश कार्यकर्ते, रजिस्ट्रार डॉ. शैलेश कुमार सिंह, एवं असिस्टेंट रजिस्ट्रार वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

6 दिनों से लापता युवक का शव तालाब में पड़ा मिला, परिजनों ने लगाया पुलिस पर लापरवाही का आरोप

समाज जागरण

लोनी, 18 नवंबरः थाना अंकुर बिहार क्षेत्र की बुध नगर कॉलोनी में छह दिनों से लापता 36 वर्षीय सद्दाम पुत्र सय्यद का शव मंगलवार को श्मशान घाट के निकट तालाब में क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक सद्दाम के भाई राजा का आरोप है सद्दाम के लापता हो जाने के मामले में स्थानीय थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। मगर पुलिस ने उसे तलाशने में गंभीरता नहीं दिखाई। यदि समय रहते पुलिस सद्दाम को तलाशने में रुचि दिखाती तो शायद उसकी जान बच सकती थी। पीड़ित पक्ष ने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि करीब चार वर्ष पूर्व उनका विवाद सोनू, दीपक सहित कुछ लोगों से हुआ था, जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उनका आरोप है कि इन्हीं लोगों ने सद्दाम की हत्या कर उसका शव तालाब में फेंक दिया है। इसी संदेह के आधार पर पुलिस ने सोनू सहित कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

घटना के मामले में खबर लिखे जाने तक सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आ सकी थी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मतदेय स्थलों के पुनर्गठन पर जिलाधिकारी की समीक्षा बैठक सम्पन्न, 101 नए मतदान केंद्र व 156 नए बूथ बनाए गए

बीएलओ-बीएलए के कार्यों की विस्तृत समीक्षा, राजनीतिक दलों ने दिए सुझाव, पारदर्शिता व शुद्धता सुनिश्चित करने पर जोर

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 18 नवंबर 2025। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण तथा मतदेय स्थलों के पुनर्गठन के संबंध में आज कलक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सुझाव प्रस्तुत किए और प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता पर जोर दिया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) अतुल कुमार ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विशेष पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध रूप से प्रगति पर है। इसके तहत नामावलियों के शुद्धिकरण, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, प्रविष्टियों में संशोधन, मतदेय स्थलों के संभाजन और गणना प्रपत्रों के संकलन जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

मतदान केंद्र व बूथ बढ़े

पूर्व में मतदान केंद्रः 642 → अब 743 (101 की वृद्धि)

पूर्व में मतदेय स्थलः 1868 → अब 2024 (156 नए स्थल)
1200 से अधिक मतदाताओं वाले 213 बूथों का पुनसंयोजन किया गया है
नए बूथों में सभी वर्गों के मतदाताओं को संतुलित रूप से समायोजित किया गया है

बैठक में बीएलओ और बीएलए के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक बीएलओझबीएलए घरझघर पहुंचकर मतदाता सूची अद्यतन करें और प्रपत्रों का निस्तारण प्राथमिकता से करें। प्रगति असंतोषजनक होने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि निर्वाचक नामावली की शुद्धता लोकतंत्र की मूल नींव है। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए यह पुनरीक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने निर्देश दिया किः नए बूथों व फॉर्म-6, 8 की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार किया जाए
नई कॉलोनियों व विकसित क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार बूथ स्थापित किए जाएं
मतदाता नए बूथों पर फॉर्म-8 भरकर अपना पता संशोधित कर सकेंगे

उपस्थित अधिकारीः

उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह एवं सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि

सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

लोनी में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर निकला यूनिटी मार्च, उमड़ा जनसैलाब

(राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भाजपा अरुण सिंह ने जनसमूह को दिलाइ आत्मनिर्भर व स्वदेशी भारत की शपथ तो, बिहार चुनाव में विजयी सहयोग के लिए विधायक नंदकिशोर गुर्जर को दी बधाई)

लोनी, 18 नवंबरः मंगलवार को राष्ट्र निमार्ता, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती पर यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया गया। पदयात्रा में हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिक, स्वंयसेवी संस्था, एनजीओ, भाजपा कार्यकताओं, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली बच्चे, युवाओं, महिलाओं और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

श्री राम पैलेस से लोनी तिराहे तक निकलने वाली पदयात्रा के उपरांत रामलीला मैदान में एक विशाल जनसभा का आयोजन हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह, विशिष्ट अतिथि लोनी विधायक माननीय नंदकिशोर गुर्जर, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष चौ. चैनपाल सिंह, कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र वाल्मीकि, यात्रा संयोजक विजय भाटी, उपाध्यक्ष कौमुदी चौधरी, सभासद दल अध्यक्ष रोहित भारद्वाज, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा आरती मिश्रा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हिमांशु मिश्रा, अनुसूचित मोर्चा संयोजक प्रदीप गहलोत, मा. राजकुमार चौधरी, अरविंद गोयल, रतन भाटी, जगत भाटी, मण्डल अध्यक्ष संतोष मिश्रा, जितेंद्र गुप्ता, राहुल श्याम सुंदर, मनीष चौहान, अश्विनी कुमार समेत सभासदगण, ग्राम प्रधान व हजारों की संख्या में स्थानीय उपस्थित रहे।

इन दौरान मुख्य अतिथि श्री अरुण सिंह ने कहा कि सरदार पटेल जी ने देश को एक सूत्र में पिरोने का जो महान कार्य किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। आज का यूनिटी मार्च राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। लोनी की जनता ने जिस उत्साह के साथ भागीदारी की है, वह देश और भाजपा के प्रति उनके विश्वास को दशार्ता है। इस दौरान अरुण सिंह ने स्वदेशी अपनाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की शपथ भी दिलाई।

लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा लोनी की धरती हमेशा राष्ट्रभक्ति, एकता और सद्भाव का संदेश देती आई है। सरदार पटेल जी के विचारों और उनके मजबूत नेतृत्व ने भारत को नई दिशा दी। आज का यह ऐतिहासिक यूनिटी मार्च उसी विरासत को आगे बढ़ाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष चौ. चैनपाल सिंह जी ने कहा कि लोनी में आज जिस तरह हजारों कार्यकताओं ने एक स्वर में राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया है, यह सरदार पटेल जी के सपनों के भारत को साकार करने का संकल्प है। संगठन की शक्ति ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यूनिटी मार्च और जनसभा के सफल आयोजन के लिए उन्होंने सभी कार्यकताओं, पदाधिकारियों और लोनी की सम्मानित जनता के प्रति आभार प्रकट किया।

23 नवंबर को साई मंदिर का मनाया जाएगा भव्य स्थापना दिवस, 3 दिसंबर को नोएडा आएगी साई चरण पादुका

समाज जागरण

नोएडा। सेक्टर 40 स्थित साईं मंदिर परिसर में मंदिर के स्थापना दिवस समारोह एवं शिर्डी साई बाबा संस्थान से साई बाबा की स्वयं पादित पवित्र चरण पादुका के भव्य आगमन से संबंधित तैयारियों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा कराने हेतु एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

श्री साई समिति के महासचिव देव राज गोयल ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि इस वर्ष स्थापना दिवस समारोह दो दिनों तक अत्यंत भक्तिभाव, गरिमा एवं पारंपरिक रीति से आयोजित किया जाएगा। पहले दिन 22 नवंबर 2025 को मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना प्रातः 9:30 बजे हवन-पूजन होगा उसके बाद दोहावली पाठ एवं साई भजन संध्या होगी। वहीं दूसरे दिन 23 नवंबर 2025 को प्रातः 10:30 बजे से लगभग 200 भक्तजनों तथा पुलिस प्रशासन के साथ ढोल-नगाड़ों और बाजों के साथ साई बाबा की भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी, जो नोएडा के विभिन्न सेक्टरों से होकर गुजरेगी। मार्ग में 20 स्थानों पर भक्तों द्वारा बाबा की आरती एवं जलपान की व्यवस्था की गई है। साथ ही विभिन्न स्तथानों पर शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए बच्चों द्वारा डांडिया (नृत्य प्रस्तुति) प्रस्तुत की जाएगी। सायं 6:30 बजे पालकी, पुनः मंदिर में वापस पहुंचेगी।

03 दिसंबर 2025 – बाबा की स्वयं पहनी हुई पवित्र चरण पादुका का दिव्य आगमन

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगे बताते हुए महासचिव देव राज गोयल ने कहा कि 3 दिसंबर 2025 को शिर्डी साई बाबा संस्थान शिर्डी से बाबा की स्वयं द्वारा पहनी गई पवित्र चरण पादुका पहली बार नोएडा-एनसीआर में हमारे मंदिर में पधार रही हैं।

पूरा मंदिर परिसर भव्य सजावट से आलोकित किया जाएगा, बाबा की चरण पादुका के दर्शन सभी के लिए उपलब्ध रहेंगे और सारा दिन भंडारा (प्रसाद) का आयोजन रहेगा। प्रातः 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक लगातार भक्ति कार्यक्रम एवं भजन संध्याका आयोजन किया जाएगा जिसमे मुख्य भजन कलाकार आर के शर्मा (फरीदाबाद), पारस जैन जी (शिर्डी), जॉनी सूफी, सूफी ब्रदर्स हमसर हयात ये सभी सुप्रसिद्ध कलाकार भक्तिमय गीतों एवं भजनों के माध्यम से वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक और दिव्य बनाएंगे।

कोषाध्यक्ष बृज लाल गर्ग ने सभी भक्तों एवं नागरिकों से निवेदन किया कि इस दिव्य यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर बाबा का आशीर्वाद एवं प्रसाद ग्रहण करें। प्रेस वार्ता में समिति की सह सचिव रेनू फोतेदार, सदस्य सुनील भान, सदस्य ए. एम. त्रिपाठी उपस्थित रहे।

श्री श्याम सेवादार मंडल नोएडा रजि. ने मनाया छठा श्री श्याम वार्षिक महोत्सव

समाज जागरण

नोएडा। श्री श्याम सेवादार मंडल नोएडा रजि. ने धूमधाम से छठा श्री श्याम वार्षिक महोत्सव नोएडा स्टेडियम सेक्टर 21 मे मनाया। जिसमे हजारों की संख्या में श्याम भक्त मजूद रहे।

भजन गायक शीतल पाण्डेय, शिवम रावल एवं भजन गायिका अनुष्का ने बाबा खाटू श्याम के गीतों से पूरा पंडाल भक्तिमय कर दिया। आयोजक मंडल के प्रधान श्याम सेवक एवं अध्यक्ष विजय भारद्वाज ने बताया की श्री श्याम सेवादार मंडल नोएडा रजि. के द्वारा, पूरी टीम की मेहनत व सहयोग से छठा श्री श्याम वार्षिक महोत्सव धूमधाम से और भक्ति में माहौल में भंडारे के साथ आयोजित हुआ। 15 नवंबर को इस्कॉन मंदिर से स्टेडियम तक भव्य निशान यात्रा भी निकली गई ।उन्होंने बताया की संस्था 7 साल पुरानी है और हर चौथे शनिवार को मासिक संकीर्तन करते हैं। पंडाल में उपस्थित सभी श्याम भक्तों को राम मेहर भारद्वाज, मांगेराम, महेश गुप्ता,आलोक यादव व संजय गर्ग ने धन्यवाद दिया।

लोनी में हुआ "आतंकवाद, दहशत एवं दंगा मुक्त भारत" पैदल तिरंगा यात्रा का आयोजन

समाज जागरण

लोनी, 18 नवंबरः मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं केंद्रीय प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में हिंदुस्तानी पसमांदा मंच द्वारा आतंकवाद, दहशत एवं दंगा-मुक्त भारत पैदल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।यात्रा दौलत नगर, ट्रॉनिका सिटी से प्रारम्भ होकर लोनी पुस्ता पर राष्ट्रीय गान के साथ संपन्न हुई। यात्रा में पसमांदा मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों ने इसमें भाग लिया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया।

यात्रा कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिफ मुनीर, हाफिज सईद और अजहर मसूद के पुतले फूंककर आतंकवाद की वैश्विक गतिविधियों के प्रति कड़ा विरोध दर्ज किया गया। प्रतिभागियों ने "एक हिन्द जय हिन्द", "वंदे मातरम", "आतंकवाद मुदार्बाद" देश के गद्दारों को, गोली मारो सालों को, आसिफ मुनीर मुदार्बाद, आतंकवादियो को फाँसी दो और "हम हैं हिंदुस्तानी" जैसे नारे लगाते हुए भारत सरकार की आतंकवाद-विरोधी कार्रवाई का समर्थन किया। इस मौके पर मंच के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद शमशाद मीर ने कहा कि यह यात्रा देश की अखंडता और शांति की रक्षा के लिए पसमांदा समाज की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने दिल्ली में हुए हालिया आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म या समुदाय नहीं होता लेकिन देश में आतंकवादिओं को दफनाने की जगह भी नहीं देनी चाहिए, भारत ऐसे हर कायराना कृत्य के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और दंगे सबसे ज्यादा कमजोर वर्गों को प्रभावित करते हैं, इसलिए समाज का सतर्क और संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा आतंकवादियो को जुडिसियल ट्रायल एवं वीआईपी ट्रीटमेंट खत्म करते हुए सीधा फाँसी देनी चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. जावेद चारण ने कहा कि यह यात्रा शांति, सद्भाव और जागरूकता का संदेश लेकर निकली है। उन्होंने नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों तक पहुँचाने की अपील की। प्रदेश संयोजक नूरहसन भाटी ने पसमांदा समाज को हमेशा राष्ट्रहित और शांति के साथ खड़ा रहने की बात करते हुए कहा की आतंकवाद देश की एकता को कमजोर करता है और इसे आतंकवादिओं को सीधा फाँसी देनी चाहिए।

इसके अतिरिक्त मदरसा प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सादरे आलम नोमानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दानिश मलिक ने भी अपने विचार व्यक्त किए। यात्रा कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र कुमार, बिजनौर ज़िला संयोजक वसीम सिद्दकी, गाजियाबाद जिला संयोजक आसिफ भाटी व शहजाद मीर सहित सेंकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई

ग्राम कानीबोझी में देहात इंडिया द्वारा 100 दिवसीय बाल विवाह रोकथाम अभियान का आयोजन

समाज जागरण

जनपद श्रावस्ती ग्राम कानीबोझी में देहात इंडिया संस्था के तत्वाधान में 100 दिवसीय बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएँ, बच्चे और समुदाय के सदस्य शामिल हुए। अभियान के दौरान बाल विवाह के दुष्परिणाम, बच्चों के अधिकार तथा सुरक्षित भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व पर

विस्तार से चर्चा की गई। समुदाय की ओर से आशा सुमित्रा देवी तथा आंगनबाड़ी/सहायिका ललिता सिंह, किरन सिंह ने सक्रिय रूप से सहभागिता की और लोगों को बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया। देहात इंडिया की टीम से सारजन वर्मा, श्रीपाल, सरोज देवी और सरोज पटेल मौजूद रहे, जिन्होंने ग्रामीणों को बाल विवाह रोकने में समुदाय की भूमिका और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया

समाज जागरण

देहात इंडिया, बहराइच द्वारा एक्सेस टू जस्टिस परियोजना के अंतर्गत बाल सप्ताह-अधिकार के अवसर पर थाना रानीपुर में बाल संसद के पदाधिकारियों का एक्सपोजर विज़िट कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना रानीपुर के निरीक्षक एस.के. अवस्थी, रंजन यादव, शिव कुमार सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारियों ने बच्चों का स्वागत किया तथा उन्हें बताया कि पुलिस

बच्चों की सुरक्षा में कैसे मदद करती है और किस प्रकार सरकार की विभिन्न सेवाएँ जनता तक पहुँचाती है।

साथ ही बाल संरक्षण, बच्चों के अधिकारों तथा टोल-फ्री नंबरों जैसे– 1098 (चाइल्डलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1090 (महिला हेल्पलाइन) आदि के उपयोग और महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बच्चों ने गीत, कहानी और कविता प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाई, जिससे वातावरण और भी प्रेरणादायक बन गया।

देहात संस्था की ओर से जिला समन्वयक गुड़िया देवी, काउंसलर अदनान अंसार, प्रोग्राम एसोसिएट विंध्यवासिनी, रचना मिश्रा, चंद्रप्रकाश आदि टीम सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पुलिस तंत्र, बाल संरक्षण व्यवस्था, सुरक्षा प्रक्रिया एवं न्याय तक पहुँच संबंधी जानकारी प्रदान करना था, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

छात्र छात्राओं एवं विद्यालय के शिक्षकों को यातायात नियमों संबंधित जागरूक किया गया

समाज जागरण

जनपद श्रावस्ती पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के आदेशानुसार दिनांक 01.11.2025 से 30.11.2025 तक मनाये जाने वाले यातायात माह के अंतर्गत दिनांक 18.11.2025 को श्री राहुल भाटी के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश कुमार उत्तम व क्षेत्राधिकारी यातायात श्री भरत पासवान के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात श्री मो0 शमीम द्वारा जनपद के थाना मल्हीपुर क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले "लार्ड कृष्णा पब्लिक कृषि इण्टर कॉलेज पटना वीरगंज श्रावस्ती" विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं,शिक्षकों व विद्यालय के अन्य कर्मचारीगण को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें शासन द्वारा चलायी

जा रही राह-वीर योजना व राह-वीर योजना के अन्तर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे मे विस्तृत रूप से जागरूक करते हुए दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चलाते समय सदैव सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने एवं मादक पदार्थ का सेवन कर वाहन न चलाने आदि यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों/जागरूकता संबंधी पम्पलेट्स वितरित कर उन्हे सदैव यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई* इसके अलावा प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार प्रदेश में बिना नम्बर प्लेट के डम्पर, ट्रक आदि वाहनों के विरुद्ध चलने वाले 07 दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान के अन्तर्गत प्रभारी यातायात द्वारा जनपद के विभिन्न मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर बिना नम्बर प्लेट वाले ट्रक, डम्पर आदि के विरुद्ध विधिक कार्यवाही किया गया तथा जनपद के विभिन्न चौराहो, तिराहों व स्थानीय बाजारों आदि मे आमजन को एकत्र कर यातायात के संबंध में जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों की उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध यातायात के विभिन्न मापदंडों में चालान की कार्यवाही करते हुए अधिक से अधिक शमन शुल्क अधिरोपित किया गया`

गैंगस्टर एक्ट के तहत अबू तालिब की 31.29 लाख मूल्य की संपत्ति कुर्क

समाज जागरण

अजामगढ़ः उत्तर प्रदेश सरकार की कुख्यात माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही की नीति के अनुरूप, अजामगढ़ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त अबू तालिब द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को कुर्क किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अबू तालिब की लगभग

31.29 लाख मूल्य की संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत जब्त किया गया है, ताकि अपराधियों की अवैध कमाई पर रोक लगाई जा सके और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश दिया जा सके।

कैथल गेट स्थित श्री देवी गंगा मंदिर में माता अन्नपूर्णा महोत्सव का शुभारंभ

समाज जागरण

नगर के कैथल गेट स्थित श्री देवी गंगा मंदिर में चल रहे माता अन्नपूर्णा के सत्रह दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को विधि-विधान के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित भूदेव शंखधार एवं पंडित मनोज शर्मा द्वारा स्वस्ति वाचन एवं श्री गणेश पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात वेदमंत्रों के उच्चारण के बीच माता अन्नपूर्णा का पंचामृत अभिषेक एवं षोडशोपचार पूजन संपन्न हुआ। कथा व्यास पंडित भूदेव शंखधार ने भक्तों को माता अन्नपूर्णा की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि माता अन्नपूर्णा, पार्वती जी का ही दिव्य स्वरूप हैं। उनके व्रत और पूजन से मनुष्य को धन-धान्य, संपत्ति, यश-कीर्ति, संतान सुख तथा जीवन के समस्त ऐश्वर्यों की प्राप्ति होती है।

उन्होंने कहा कि माता अन्नपूर्णा की आराधना करने वाला भक्त अंत में शिवलोक की प्राप्ति करता है और भगवान शिव की विशेष कृपा सहज ही प्राप्त होती है।

कथा श्रवण के बाद श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से आरती उतारी। महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तों की आवाजाही लगी रही।

भैंस चोरी की घटना का पदार्फाश, एक अभियुक्त गिरफ़्तार

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नगीना देहात क्षेत्र में भैंस चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। ग्राम किशनपुर आंवला निवासी राजीव पुत्र सुखलाल ने सूचना दी थी कि उसकी एक भैंस अज्ञात व्यक्ति द्वारा चुरा ली गई है। सूचना के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज करके जांच आरम्भ की थी। जांच के दौरान संदिग्ध का पता चलने पर आज दिनांक 17 नवम्बर 2025 को पुलिस ने नईम पुत्र रशीद निवासी मोहल्ला पठानपुर, कस्बा नजीबाबाद, जिला बिजनौर को गिरफ़्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के पास से घटना में उपयोग की गई एक मालवाहक गाड़ी (यू के शून्य सात सी डी तीन सात पाँच नौ) तथा छह हजार एक सौ रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर प्रकरण में आवश्यक धाराओं की वृद्धि की गई है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त नईम के विरुद्ध पूर्व में भी अवैध हथियार, पशु क्रूरता तथा नशीले पदार्थों से सम्बन्धित प्रकरण दर्ज रह चुके हैं। अभियुक्त को गिरफ़्तारी के उपरान्त आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के सुपुर्द किया गया। बरामद सामग्री मालवाहक गाड़ी (यू के शून्य सात सी डी तीन सात पाँच नौ) छह हजार एक सौ रुपये नकद गिरफ़्तार करने वाली पुलिस टीम उप निरीक्षक हिमांशु मुख्य आरक्षी रविन्द्र कुमार आरक्षी ईशान चौधरी शामिल रहे।

लिंग समानता व न्याय पर महिलाओं एवं किशोरियों का क्षमता संवर्धन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी जन विकास समिति, मुर्दहा ,हरहुआ ,वाराणसी द्वारा आज मंगलवार को लिंग समानता और न्याय पर महिलाओं व किशोरियों का क्षमता संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हसनपुर स्थित चौरा माता मंदिर पर सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत हसनपुर के अंतर्गत विरावकोट, हसनपुर, शेरवानीपुर, भीटी गाँवों की कुल 100 महिलाओं एवं किशोरियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य प्रशिक्षक रेखा उपाध्याय ने प्रतिभागियों के साथ चार्ट पेपर लेखन गतिविधि कराई तथा परिवार और समाज से जुड़े रिश्तों, उनके महत्व और लिंग, न्याय की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने प्रतिभागियों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और समानता की जरूरत के बारे में प्रभावी ढंग से जागरूक किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में एफ0एफ0 इंद्रजीत यादव, नीतू सुरेखा,आशा,आंगनवाड़ी का योगदान रहा।यह आयोजन जन विकास समिति मुर्दहा, वाराणसी द्वारा आयोजित यह क्षमता वर्धन कार्यक्रम महिलाओं एवं किशोरियों में आत्मविश्वास, अधिकार जागरूकता और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

सेमिनार का संचालन ब्लाक सुपरवाइजर पूर्णिमा पाठक ने किया।

अंतरराष्ट्रीय विद्यालयी फुटबाल प्रतियोगिता में महादेव पीजी कालेज को हराकर शिएट कालेज बना चैंपियन

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। सरस्वती उच्च शिक्षा एवं तकनीकी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गहनी ,आयर, वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालयीय फुटबाल प्रतियोगिता (पुरूष) का आयोजन किया गया'

उद्घाटन समारोह में पर्यवेक्षक डॉ. मीरा यादव, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ. बीना सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. अमरेंद्र सिंह, यूपीएससी के सचिव डॉ. सत्येन्द्र बहादुर सिंह, डॉ. दिनेश सिंह और चयनकताओं प्रमोद यादव और वीरेंद्र यादव का स्वागत महाविद्यालय के उप - प्रबन्धक नवीन कुमार सिंह और प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह ने किया।

प्रतियोगिता में मेजबान शीएट कॉलेज की टीम के अतिरिक्त महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और महादेव पीजी कॉलेज की टीम ने भाग लिया। नॉक आउट मुकाबले के तहत पहला मैच शीएट कॉलेज और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बीच खेला गया, जिसमें शीएट कॉलेज की टीम 3-0 से विजेता रही' महादेव पीजी कॉलेज की टीम को वॉक ओवर मिलने के कारण फाइनल मुकाबला शीएट कॉलेज और महादेव पीजी कॉलेज के बीच हुआ' फाइनल मुकाबले में निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं ' पेनाल्टी किक में शीएट कॉलेज की टीम ने महादेव पीजी कॉलेज की टीम को 4-2 से पराजित किया ' विजेता और उप-विजेता टीम के खिलाड़ियों को प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह ने पदक और शील्ड देकर सम्मानित किया '

कार्यक्रम में बीपीएड विभाग से डॉ. दिनेश चंद्र अरोड़ा, डॉ. सुजीत सिंह, डॉ. दिग्विजय नारायण वर्मा, डॉ. अमित कुमार सोनकर और मनीष कुमार सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, डॉ. आकाशदीप सिंह, डॉ. दीपक ठाकुर, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. सुभाष सिंह यादव, मनोज यादव के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्राध्यापक/प्राध्यापिका और छात्र/छात्राएं उपस्थित रहीं ' कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरभि श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष कुमार सिंह ने किया।

वेप एकेडमी का वर्षगांठ समारोह घोषित, कीताडीह परसुडीह से परमबीर जायसवाल ने दी आधिकारिक जानकारी

संवादाता परमबीर पात्रों
समाज जागरण

परसुडीह के कीताडीह स्थित वेप एकेडमी 25 दिसंबर को अपने स्थापना दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है। इस महत्वपूर्ण आयोजन की जानकारी एकेडमी के संस्थापक व संचालक परमबीर जायसवाल ने दी। उन्होंने कहा कि यह वर्षगांठ सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि शिक्षार्थियों की प्रतिभा, तकनीकी विकास और सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने का एक बड़ा मंच होगा।

परमबीर जायसवाल ने बताया कि वेप एकेडमी ने पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यहां के छात्र न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता दिखा रहे हैं बल्कि तकनीक, कला, खेल और सामाजिक गतिविधियों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। वर्षगांठ पर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा और आगामी वर्ष के लिए नए कोर्स व प्रशिक्षण कार्यक्रमों की घोषणा भी की जाएगी।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे आजाद समाज पार्टी के लोकप्रिय नेता परमबीर पात्रो शिरकत करेंगे आयोजकों ने बताया कि वे युवाओं, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना युवाओं को प्रेरित करेगा। वे अपने संबोधन में शिक्षा सुधार, युवाओं की बदलती भूमिका और समानता आधारित समाज पर विचार साझा करेंगे।

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, छात्र सम्मान, वार्षिक रिपोर्ट और एकेडमी के भविष्य की योजनाओं की घोषणा शामिल होगी।

वेप एकेडमी की टीम इस समारोह को ऐतिहासिक और यादगार बनाने की तैयारी में जुटी है।

आयोजकों ने परसुडीह और आसपास के क्षेत्र के सभी लोगों, छात्रों और अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सम्भल में कल्कि देव तीर्थ समिति की बैठक, 24 कोसीय परिक्रमा व तीर्थ विकास पर महत्वपूर्ण निर्णय

समाज जागरण

बहजोई। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में सम्भल कल्कि देव तीर्थ समिति एवं पर्यटन विभाग की बैठक का आयोजन किया गया।

नगर पालिका सम्भल के अन्तर्गत सम्राट पृथ्वीराज चौहान एवं महारानी अहिल्याबाई होल्कर जी की प्रतिमा स्थापना, 24 कोसीय परिक्रमा विजन प्लान, तीर्थ स्थलों के विकास हेतु आवश्यक भूमि क्रय करने, कुरुक्षेत्र तीर्थ आदि पर चर्चा की गयी। प्राचीन क्षेमनाथ तीर्थ के महंत बाल योगी दीनानाथ जी महाराज द्वारा 24 कोसीय परिक्रमा के अन्तर्गत क्षेमनाथ तीर्थ के पास स्थित बाईपास से परिक्रमा मार्ग के ऊंचा रखने के बिन्दु को रखा ताकि वर्षा आदि के समय परिक्रमा मार्ग पर जलभराव की स्थिति न रहे। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समिति के सदस्य संजय पोली ने प्राचीन तीर्थों के रखरखाव से संबंधित बिन्दु को रखा। बैठक में सम्भल के प्राचीन 68 तीर्थों तथा 19 महा कूपों एवं 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग के विकास से संबंधित पीपीटी का अवलोकन भी किया गया। बैठक में करुक्षेत्र तीर्थ के पास पार्किंग से संबंधित विषय पर भी चर्चा की गयी तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, डिप्टी कलक्टर निधि पटेल, डिप्टी कलक्टर वंदना मिश्रा, डिप्टी कलक्टर सौरभ कुमार पाण्डेय एवं डिप्टी कलक्टर नीतू रानी तथा प्राचीन तीर्थ क्षेमनाथ के महंत बाल योगी दीनानाथ जी महाराज तथा अनंतपुरी महाराज जी अट्टा अतौरा, संजय पोली, अजय शर्मा,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल डॉ मणिभूषण तिवारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेनियाबाग से गिरजाघर की तरफ नहीं जाएंगे वाहन, दो दिसंबर तक नो व्हीकल जोन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। रोपवे निर्माण के मद्देनजर गिरजाघर चौराहे को अब नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। रोपवे का लोहे का ढांचा तैयार किए जाने दो दिसंबर तक वाहनों के आवागमन पर रोक रहेगी। रेवड़ी तालाब की ओर से वाहन गिरजाघर की तरफ नहीं जा सकेंगे। उन्हें नीमामाई की तरफ डायवर्ट किया जाएगा, जहां से गंतव्य को जाएंगे।

एडीसीपी ट्रैफिक अंशुमान मिश्रा के अनुसार तीन पहिया और दो पहिया वाहन विजय वीर हनुमान मंदिर तक आएंगे। वहां से उन्हें सीता रसोई की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा। सीता रसोई से किसी भी प्रकार के वाहन को विजय वीर हनुमान मंदिर की ओर से नहीं जाने दिया जेगा। इन वाहनों को मजदा पार्किंग अथवा लक्सा रोड पर डायवर्ट किया जाएगा।

खारीकुआं से दो पहिया वाहन गिरजाघर की तरफ नहीं जाएंगे। इन वाहनों को जंगमबाड़ी रोड व विजय वीर हनुमान मंदिर की तरफ भेजा जाएगा। ये वाहन जंगमबाड़ी रोड व विजय वीर हनुमान मंदिर से होते हुए गंतव्य को जाएंगे। बेनियाबाग तिराहा से वाहन गिरजाघर की तरफ नहीं जाएंगे। ये वाहन लहुराबीर अथवा बेनियाबाग पार्किंग की तरफ डायवर्ट किए जाएंगे।

दशाश्वमेध की गलियों और रास्तों से नई सड़क पर जाने वाले वाहनों को गिरजाघर चौराहे के पास एचपी पेट्रोल पंप के पास डिवाइडर पर बने कट से बेनियाबाग तिराहे की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा। गोदौलिया चौराहे से किसी भी प्रकार के वाहन गिरजाघर की तरफ नहीं जाएंगे। मजदा पार्किंग से भी कोई वाहन गिरजाघर की तरफ नहीं जाएगा। वहां बैरियर लगाकर वाहनों को लक्सा थाने की तरफ निकाला जाएगा।

जानवर को इंसान और इंसान को जानवर से बचाना है पिंटू शर्मा का लक्ष्य

***सर्प मित्र पिंटू 32 साल में 16 से 17 हजार सर्प और विषैले जीव जंतुओं का कर चुके हैं रेस्क्यू, 16 वर्ष की अवस्था से शुरू किया यह काम।**

***शहर और गांव में लोगों को करते हैं जागरूक, सर्पदंश के तुरंत बाद पहुंचे नजदीकी अस्पताल, झाड़ फूंक और ओझा से रहें दूर।**

समाज जागरण

वाराणसी सर्प मित्र पिंटू शर्मा की पहचान समाज में विषैले जीव से इंसानों के रक्षक और वन्य जीवों के संरक्षक के रूप में होती है। 32 साल के अंदर पिंटू ने 16 से 17 हजार सर्प और विषैले जीव जंतुओं का रेस्क्यू किया। इस कार्य में दक्ष पिंटू को वाराणसी के अलावा दूसरे जिलों में भी सांप पकड़ने के लिए बुलाया जाता हैं। महज 16 वर्ष की अवस्था में एक घटना ने पिंटू का करियर ही बदल दिया।

मूलरूप से नदेसर स्थित घौसाबाद ,वाराणसी निवासी पिंटू शर्मा अपने पड़ोसी के घर की घटना से विषैले जीव जंतुओं के संरक्षण के प्रति प्रेरित हुए। उन्होंने बताया कि 32 वर्ष पहले उनकी अवस्था 16 वर्ष थी। पड़ोस में एक कोबरा कांडाल (बड़े कंटेनर) में गिर गया। यह खबर फैलते ही पूरे मोहल्ले में अफरा तफरी मच गई। जहां पिंटू भी पहुंचे, सूझबूझ से विषधर को बाहर निकाला। बोरी में भरकर उसे वरुणा नदी के किनारे छोड़ दिया। तब से मोहल्ले में सर्प निकलने पर उन्हें ही बुलाया जाने लगा। धीरे - धीरे उनकी ख्याति दूसरे मोहल्ले तक पहुंच गई। इसके बाद पिंटू ने किताबों से सर्प की प्रजाति और उन्हें काबू में करने का अध्ययन शुरू किया। समय के साथ उनकी पहचान सर्प विशेषज्ञों से भी हुई। जहां उन्होंने दक्षता हासिल की।

एक घर से कोबरा और उसके 35 बच्चों को किया रेस्क्यू-

दो वर्ष पहले पिंटू शर्मा ने सोनिया क्षेत्र में अपने करियर का सबसे बड़ा रेस्क्यू किया। यहां एक मकान से एक कोबरा समेत 35 बच्चों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला। इतनी बड़ी संख्या में रेस्क्यू की चर्चा की आवाज काफी दूर तक पहुंची। इसके अलावा महमूरगंज, लहरतारा, चोलापुर और पांडेयपुर जैसे इलाकों में चुनौतीपूर्ण टास्क को पूरा किया। इंडियन पाइथन, कबर बज्जू उर्फ मुर्दा खोर जैसे रेबीज वाले जंगली जानवर, गो, बिच्छू, नील गाय और तेंदुआ पकड़ने के लिए पिंटू की मदद ली गई।

विश्व का सबसे जहरीला सर्प करैत-
यूं तो वाराणसी और आसपास जिलों में सर्प की कोबरा और करैत एवं रसल वाइपर, सेंट बुआ, गामिन, मॉनिटल लिजर्ड की प्रजाति पाई जाती है। इनमें कोबरा से ज्यादा करैत विषैला होता है। पिंटू शर्मा की माने तो करैत साइलेंट किलर होता है। जो काटने के बाद निशान भी नहीं छोड़ता। इसमें न्यूरो टॉक्सिन पाया जाता हैं।

झाड़ फूंक के अंधविश्वास से जाती है जान-

पिंटू शर्मा की माने तो हर सर्प विषैला नहीं होता। लिहाजा, उनके दंश से व्यक्ति को कुछ नहीं होता। लेकिन झाड़ फूंक जैसे अंधविश्वास को बल जरूर मिलता है। वहीं, विषैले सर्प के काटने पर झाड़ फूंक करने वाले देर से आने का बहाना बनाकर अपने हाथ खड़े कर देते हैं। जिससे सर्पदंश के शिकार की मौत हो जाती है। पिंटू ने लोगों से अपील की कि सर्प दंश की घटनाओं में ओझा के बजाय अस्पताल जाए। जहां जान बच सकती है। उन्होंने बताया कि उनका नंबर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड है। जरूरत पड़ने पर कोई भी उनसे संपर्क कर सकता है।

पिंटू की अपील, सर्प को न पहुंचाएं नुकसान-

पिंटू शर्मा ने कहा कि भारत में सांपों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित किया गया है। यह कानून सभी प्रकार के सांपों (विषैले और बिना विष वाले) को संरक्षित प्रजातियों की श्रेणी में रखता है और उन्हें पकड़ना, मारना, उनका व्यापार करना या प्रदर्शन करना दंडनीय अपराध है। उल्लंघन करने पर 7 साल तक की कैद और/या जुमार्ना हो सकता है।

पंजाब नेशनल बैंक के शाखा नौडीहा बाजार नए परिसर का हुआ उद्ध्रघाटन

एक हफ्ता के अंदर ग्रामीणों को एटीएम की सुविधा मिलेगी, एटीएम से निकासी और जमा दोनों काम होगा।

समाज जागरण सत्येंद्र चौरसिया

पलामू (झारखंड)पंजाब नेशनल बैंक के शाखा नौडीहा बाजार नए परिसर के फीता काटकर किया गया उद्धघाटन. पंजाब नेशनल शाखा नौडीहा बाजार थाना परिसर में संचालित होता था.जो अब मड़वा-छतरपुर रोड में दुर्गा मंदिर के समीप स्थानांतरण हो गया.शाखा नए परिसर की उद्घाटन अंचला अधिकारी संजय कुमार सिंह थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी,एव पंजाब नेशनल बैंक के बोकारो सर्किल मंडल प्रमुख राजेश श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. सभी मौजूद लोगों ने पंजाब नेशनल बैंक के संस्थापक स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय जी के तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित उन्हें नमन किया. कार्यक्रम के दौरान बोकारो सर्किल मंडल प्रमुख लोगों के संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना लाला लाजपत राय ने अंग्रेजों के शासनकाल में किया था पंजाब नेशनल बैंक भारत के दूसरे नंबर पर आता है पंजाब नेशनल बैंक के नौडीहा बाजार शाखा में भारत के सभी सरकारी या प्राइवेट बैंको जो सुख सुभिधा उपलब्ध है जो यहाँ सभी लोगो को मिलेगा भारत सरकार या झारखंड सरकार के जो भी योजनाएं हैं जैसे प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,मुद्रा लोन इत्यादि सरकार के सभी योजना के लाभ यहां से लोगों को दिया जाएगा.और उन्होंने कहा कि नौडीहा बाजार शाखा में एक सप्ताह के अंदर एटीएम सुविधा उपलब्ध हो जाएगा. शाखा प्रबंधक आकाश कुमार ने कहा कि यह ब्रांच बाजार मुख्यालय से दो किलोमीटर दूर नौडीहा बाजार थाना परिसर में संचालित था जहां लोगों को आने जाने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था जो अब बाजार से नजदीक हो जाने से लोगों कि अब परेशानियों की सामना नहीं करना पड़ेगा. इस मौके पर समाजसेवी नंदन सिंह उर्फ चिंटू सिंह, तिलक सिंह,चिंटू श्रीवास्तव, शत्रुध्न सिंह, रामनरायन गुप्ता,राजू प्रसाद,के अलावे सैकड़ो ग्रामीण एव बैंक कर्मी मौजूद रहे.

बबराला ट्रेन में चढते समय युवक की मौत फडफडाती रही लौथ मचा कोहराम

समाज जागरण

बबराला थाना क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर खागी निवासी युवक रोहित ट्रेन में चढते समय गिर गया इसका ट्रेन में फंसकर शिर व धड़ अलग-अलग हो गया जिसके बाद राहगीरों ने स्थानीय जीआरपी पुलिस को सूचना दी जिसके बाद स्वजन समेत ग्रामीण मौके पर पहुंचे शरीर के धड़ व सिर के टुकड़े देख लोग हैरत में पड़ गए।

फाइल फोटो

बबराला थाना क्षेत्र गांव सिकंदरपुर खागी निवासी मृतक रोहित का जो अपने गांव सिकंदरपुर खागी में अपनी बहन प्रीति की 6 दिसंबर को होने वाली शादी को लेकर बीते सप्ताह ही परिवार के साथ आये थे जो अपने गांव से बाइक से चलकर बबराला रेलवे स्टेशन पर अपने साथी के साथ आया था जिसके बाद वह रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे फाटक नंबर 58 पर अलीगढ़ की ओर जाने वाली चलती ट्रेन गाड़ी चढ़ते समय गिर गया और उसका ट्रेन से कटकर सिर व धड अलग हो गया जिसके बाद 1:00 बजे के लगभग सूचना पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव के टुकड़े को इकट्ठा किया और स्वजन की सहायता से शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक रोहित की शादी नहीं हुई थी अपने बड़े भाई सोनू,वहिन कविता व प्रीति से छोटा था

पुलिस की बड़ी कार्रवाई अवैध तमंचे सहित युवक गिरफ्तार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर चांदपुर पुलिस ने अपराध पर नकेल कसते हुए चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुऐब अहमद पुत्र हमीद अहमद निवासी ग्राम हीमपुर बुजुर्ग, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस टीम को चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधि दिखी, जिसके बाद आरोपी की तलाशी ली गई। तलाशी में एक अवैध तमंचा 315 बोर बरामद हुआ। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपी शुऐब अहमद पुत्र हमीद अहमद निवासी ग्राम हीमपुर बुजुर्ग, जनपद बिजनौर बरामदगी एक अवैध तमंचा 315 बोर गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम उपनिरीक्षक अब्दुल कादिर कांस्टेबल मुकेश कुमार शामिल रहे।

काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का हुआ आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अलाउद्दीनपुर स्थित एक पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय न्याय पंचायत स्तरीय काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव 2025 में मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉ सुनील पटेल ने विद्या तथा ज्ञान की जननी माता सरस्वती के चित्र माल्यार्पण

कर सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ कर प्रतिभागी छात्र छात्राओं सम्मानित किया,साथ ही उन्होंने कहा युवाओं को खेल को खेल के भावना से खेल कर ऊंचाई हासिल करनी चाहिए। कार्यक्रम में गायन में विनायक मिश्रा , अथर्व मिश्रा, लोकगीत समूह जान्हवी मिश्र , अपूर्वा पांडेय , नित्या सिंह , अनन्या गुप्ता , कृतिका पाल एकल भजन में जान्हवी मिश्रा , स्नेहा गिरी) द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम नुक्कड़ नाटक , संगीत , गायन व नृत्य में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मानस सिंह, बसंत लाल पटेल , राजकुमार कश्यप, श्यामबली पटेल, विनोद पटेल, विनीत पटेल सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

कोरट लैम्पस मे उर्वरक वितरण प्रारंभ होने से क्षेत्रीय किसानो मे हर्ष

समाज जागरण

वाराणसी। अंततः किसानो की आशायें फलीभूत हुईं ।सहकारिता विभाग के अथक प्रयास और क्षेत्रीय किसानो के सहयोग से कोरट लैम्पस मे आधी सदी बाद आज मंगलवार को उर्वरक वितरण शुरू हो गया।इससे कोरट समिति के अंतर्गत आने वाली आठो ग्रामपंचायतो मे उत्सव जैसा माहौल दिखा।

उल्लेखनीय है कि 1960 मे स्थापित कोरट लैम्पस मे आज तक उर्वरक वितरण नही शुरू हो सका था।बार बार के प्रयासो के बाद भी वही ढाक के तीन पात रहे।

सहायक आयुक्त एवं सहायकनिबंधक सोनभद्र देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस दिशा मे कोरट को सक्रिय करने हेतु विशेष प्रयास किए गये। कोरट मे 100 मीट्रिकटन क्षमता का गोदाम मार्च 2024 मे बनकर पूर्ण हुआ जिसका लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विगत शनिवार 15 नवंबर को किया गया। इसके तुरंत बाद सहकारिता विभाग ने समिति मे 300 बोरी डीएपी तथा 300 बोरी यूरिया उपलब्ध कराई।

आज समिति के सचिव रामअनंत द्वारा समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार चौबे तथा अन्य संचालको की उपस्थिति मे किसानो को यूरिया और डीएपी का वितरण किया गया।

सचिव ने बताया कि समिति की बैलेंसशीट बन गई है और आज उर्वरक व्यवसाय शुरू हो जाने की वजह से स्टाक और वितरण रजिस्टर भी बना लिया गया है।

सहायक आयुक्त सोनभद्र देवेंद्र सिंह ने सचिव तथा अधीनस्थ अधिकारियो को बधाई देते हुए कहा कि किसान और सहकारी समिति एक दूसरे की पूरक है।किसानो के कल्याण मे ही समिति का अस्तित्व सार्थक होता है।किसी भी समिति कि निष्क्रियता विभाग के माथे पर कलंक के समान है।हमारा प्रयास है हर समिति पर उर्वरक की कभी कोई कमी न हो।इसी परिप्रेक्ष्य मे हमारी कोशिश अधिक से अधिक नई समितियो के गठन की भी है कि दूरस्थ क्षेत्रो के किसानो को भी उनके नजदीक ही सहकारी समिति की सुविधाये उपलब्ध कराई जा सकें।

सोनीपत में हुई हत्या में कैराना से खरीदे गए थे तमंचे

समाज जागरण

कैराना। मई 2025 में हरियाणा के सोनीपत क्षेत्र में रंजिश के चलते हत्या हुई थी। हत्याकांड को कैराना से खरीदे गए तमंचों का इस्तेमाल हुआ था। सोनीपत सीआईए ने तमंचा सप्लायर की तलाश में दबिश दी। मंगलवार को सोनीपत की सीआईए–1 के एसआई बिजेश्वर कुमार ने अपनी टीम के साथ कोतवाली पहुंचकर आमद दर्ज कराई। हरियाणा पुलिस के साथ हत्यारोपी रविन्द्र उर्फ काला भी था। बताया कि सोनीपत के इशोपुर खीरी निवासी अशोक ने गोहाना शहर थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका छोटा भाई अजय था। करीब 8-10 साल पहले अजय के द्वारा गांव के ही विजय की मौत हो गई थी, जिस कारण मृतक के परिवार के लोग उनसे रंजिश रखते थे। 12 मई को उसका भाई अजय अपनी पत्नी आरती व एक साल की बेटी काव्या के साथ गोहाना जींद रोड पर इन्दू हास्पिटल से गाडी द्वारा दवाई लेने गया था। जैसे ही उसका भाई गाडी से नीचे उतरा, तभी वहां खडी गाडियों से उतर की दो लोगों ने उसके भाई अजय की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में 15 नामजद हत्यारोपियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था। हरियाणा पुलिस ने बताया कि मुकदमे में अवैध हथियार की धारा भी थी। हत्यारोपियों ने हत्या में प्रयुक्त तमंचे कैराना क्षेत्र से खरीदने की जानकारी दी। बाद में हरियाणा पुलिस ने स्थानीय पुलिस को साथ लेकर क्षेत्र में कई जगहों पर दबिश दी। आरोपी के नहीं मिलने पर हरियाणा पुलिस वापस लौट गई।

हालत में सुधार होने पर आईसीयू से एचडीयू में शिफ्ट किया अमन

समाज जागरण

कैराना। दिल्ली ब्लास्ट में घायल अमन की हालत में सुधार होने पर डाक्टरों ने उसे आईसीयू से एचडीयू में शिफ्ट कर दिया। वहीं, आंखों में परेशानी होने पर गुरूनानक हॉस्पिटल से डाक्टर ने आकर की आंखों की जांच की।

10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के निकट कार ब्लास्ट के दौरान कैराना के मोहल्ला बेगमपुरा निवासी 22 वर्षीय अमन गंभीर रूप से घायल हो गया था, जबकि उसके चचेरे भाई झिंझाना निवासी नोमान की मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल अमन का उपचार दिल्ली के लोक नायक जयप्रकाश हास्पिटल में चल रहा था।

सिर में लोहे का टुकडा घुसा होने पर उसके सिर का आपरेशन किया गया था, जिसके बाद अमन को आईसीयू में रखा गया था। अमन के जीजा यूनुस ने बताया कि मंगलवार को अमन की हालत में सुधार होने पर उसे आईसीयू से एचडीयू (हाई डिपेंडेंसी यूनिट) में शिफ्ट कर दिया गया। लेकिन, अमन की आंखों में अभी भी परेशानी है। डाक्टरों ने बताया कि ब्लास्ट के कारण आंखों की नसों में खून का दबाव बढ गया था। मंगलवार को गुरूनानक हॉस्पिटल से आंखों के डाक्टर को बुलाया गया था। उन्होंने आंखों की ड्रॉप लिखी है। लेकिन, अमन को अभी अधिक बोलने की मनाही है।

पुलिस को टक्कर मारने में दो बाल अपचारी पकड़े

समाज जागरण

कैराना। पटाखा बुलेट द्वारा हेड कांस्टेबल को टक्कर मारने के माले में पुलिस ने दो बाल अपचारी हिरासत में लिए हैं। बुलेट को भी कब्जे में ले लिया है। रविवार को पानीपत रोड पर रेतावाला के निकट मोड पर चेकिंग के दौरान पटाखा बुलेट को रोकने पर हेड कांस्टेबल नितिन कुमार को टक्कर मार दी थी, जिस कारण हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसका उपचार मेरठ मेडिकल में चल रहा है। वहीं, पुलिस ने मामले में अज्ञात बुलेट चालक के विरुद्ध जानलेवा हमने की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया था। मंगलवार को पुलिस ने मोहल्ला आलकलां और मोहल्ला इकरामपुरा से दो बाल अपचारियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बुलेट को भी कब्जे में ले लिया।

वारंटी गिरफ्तार, जेल भेजा

समाज जागरण कैराना।

एसपी शामली नरेंद्र प्रताप सिंह के निदेशार्नुसार वांछित एवं वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने मंगलवार

को न्यायालय से गैर-हाजिर चल रहे आरोपी चंद्रा उर्फ मोहित निवासी ग्राम ऐरटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

दो अलग अलग सडक दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल

समाज जागरण

शामली। दो अलग अलग सडक दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को राहगीरों की मदद से शामली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक की दशा गंभीर होने के कारण हायर सैंटर के लिए रेफर कर दिया गया। गत सोमवार देर रात्रि जनपद बागपत के गौरीपुर निवासी सागर पुत्र गोपाल शर्मा किसी कार्य से सहारनपुर गया था। बताया जाता है कि देर शाम जब वह बाइक पर सवार होकर वापस लौट रहा था तो शहर के सहारनपुर रोड स्थित गंगा अमृत हॉस्पिटल के निकट अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे सागर गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही जनपद सहारनपुर के गंगोह निवासी रवि पुत्र नरेश अपने एक अन्य साथी के साथ बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से शामली आ रहा था। बताया जाता है कि मंगलवार दोपहर जब वह बधेव बाईपास के निकट पहुंचा तो इसी दौरान अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गय गया, जहां रवि की दशा गंभीर होने के कारण हायर सैंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

खूनी वाहन चालक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

समाज जागरण कांधला।

कस्बा निवासी महिला की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में परिजनों ने थाने में पहुंचकर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले में गंभीरता दिखाते हुए आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुट गई है।कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी बिट्टू सैनी की पत्नी अंजलि कई दिन पूर्व दिल्ली रोड स्थित गांव जसाला के निकट अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई थीं।

उपचार के दौरान गत सोमवार को उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया।मंगलवार को शोकग्रस्त परिजन थाने पहुंचे और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने परिजनों को न्याय का आश्वासन देते हुए वाहन चालक की खोज शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है, जल्द ही आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राजस्व टीम ने कॉलेज के भूमि सम्बन्धी विवाद का निस्तारण कराया

समाज जागरण कैराना।

राजस्व टीम ने गांव झाड़खेड़ी में पहुंचकर द न्यू हाइट्स एकेडमी के कृषि भूमि से सम्बन्धी विवाद का निस्तारण कराया। टीम ने भूमि के उपयोग में अड़चन पैदा करने वालों को सख्त कार्यवाही के लिए चेताया है। मंगलवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम राजस्व निरीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में गांव झाड़खेड़ी में पहुंची। जहां पर टीम ने कैराना मार्ग पर स्थित द न्यू हाइट्स एकेडमी की कृषि भूमि सम्बन्धी विवाद के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात, टीम ने दोनों पक्षों की मौजूदगी में विवाद का निस्तारण कराया। टीम ने विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया तथा उन्हें भूमि के पूर्ण उपयोग के अधिकार को सही बताया। टीम ने अपनी मौजूदगी में कृषि भूमि की जुताई कराई। साथ ही, अड़चन पैदा करने वाले लोगो को सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक अरविंद कुमार, लेखपाल लवकेश तंवर, तीतरवाडा चौकी प्रभारी एसआई विपिन शर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं, टीम में शामिल लेखपाल लवकेश तंवर ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर गांव झाड़खेड़ी में पहुंचकर भूमि के जुताई सम्बन्धी विवाद का निपटारा कराया गया है। बताया गया है कि विद्यालय प्रबंधन ने गांव झाड़खेड़ी निवासी व्यक्ति से कृषि भूमि खरीदी थी, जिसे लेकर विक्रेता के परिवार के लोग आपत्ति जता रहे थे। विगत 30 मई व 15 अगस्त को कुछ लोगो ने विद्यालय के प्रबंध नकर्ता नौशाद अली व शहजाद सिद्दीकी के साथ में मारपीट की थी, जिसमें उन्हें गम्भीर चोट पहुंची थी। पुलिस के द्वारा दोनों घायलों का मेडिकल कराया गया था।

एससी-एसटी, ओबीसी व माइनॉरिटी पर अत्याचार के विरोध में भारत मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

-चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) भारत मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियों ने मंगलवार को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन एसडीएम न्यायिक हामिद हुसैन को सौंपा। ज्ञापन में प्रदेश में एससी, एसटी, ओबीसी एवं माइनॉरिटी समुदायों पर बढ़ते अत्याचार, हत्या, बलात्कार और पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई न किए जाने के मामलों पर गंभीर चिंता जताई गई। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रमुख मामलों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। ज्ञापन में सबसे गंभीर रूप से जनपद बस्ती के लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में हुई 5 वर्षीय मासूम बच्ची सृष्टि गौतम की हत्या का मामला उठाया गया। 9 सितंबर को बस्ती में शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे कार्यकताओं पर पुलिस ने बल प्रयोग किया और कई लोगों को हिरासत में लिया। महिलाओं से अभद्रता की तथा भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष के साथ हिरासत में मारपीट की गई। उन्होने मांग की कि मासूम सृष्टि गौतम के हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की जाये। पूर्व गठित जांच कमेटी को निरस्त कर उच्च स्तरीय जांच। पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा और नौकरी दी जाये। सिविल लाइन चौकी इंचार्ज अजय सिंह पर एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा व निलंबन। डॉक्टर पवन खरवार पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी और सुरक्षा मिले। फर्जी मुकदमों की वापसी हो। काकोरी, लखनऊ की घटना पर कार्रवाई हो। धार्मिक स्थलों पर हो रहे हमलों को रोक लगाई जाये। पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक इन मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला संयोजक अरविन्द कुमार, परमाल सिंह, प्रकाश सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस एसआईआर कॉर्डिनेटर्स ने मुख्य चुनाव अधिकारी को भेजा पत्र,

-एसआईआर प्रक्रिया सरल बनाने की मांग

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) कांग्रेस पार्टी के कैराना व थानाभवन विधानसभा क्षेत्र के एसआईआर कॉर्डिनेटर्स ने मुख्य चुनाव अधिकारी, उत्तर प्रदेश को पत्र भेजकर प्रदेश में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को सरल और जनसुलभ बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं के अभिरक्षक के रूप में चुनाव आयोग का दायित्व है कि हर नागरिक का मताधिकार सुरक्षित और सुनिश्चित रहे। कॉर्डिनेटर्स ने पत्र में लिखा कि एसआईआर जैसी व्यापक और जटिल प्रक्रिया को पारदर्शिता, ईमानदारी और समर्पण के साथ पूरा किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता में फैले संशय और मताधिकार से वंचित होने के भय को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पत्र में राजनीतिक दलों से राय लेने की पहल के लिए आयोग की सराहना की गई, लेकिन अपेक्षा जताई गई कि यह केवल औपचारिकता न होकर वास्तविक सुझावों को शामिल करने की प्रक्रिया साबित हो। उन्होने मांग की कि बीएलओ के लिए हर मतदाता तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण है, अतः प्रत्येक बूथ पर भी वोट सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसे 2027 के विधानसभा चुनाव से पूर्व कई बार किया जा सकता है। जिन महिलाओं का विवाह के बाद परिवार में प्रवेश हुआ है और जिनका नाम 2002 की वोटर सूची में शामिल नहीं है, उनके वोट की पुष्टि पति या ससुराल पक्ष से की जा सकती है। विवाहित महिलाओं के आधार कार्ड को वोट सत्यापन में स्वीकार करने की अनुमति दी जाए। 2002 के बाद गांवों से शहरों की ओर बड़े पैमाने पर हुए पलायन को देखते हुए, ऐसे मतदाताओं के नाम नई मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया जाए। इस संबंध में स्पष्ट जानकारी बूथ स्तर पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि समाधान शीघ्र हो सके।

गन्ने के अवशेष जलाने पर किसान पर जुमार्ना, किसानों में नाराजगी

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव भारसी में गन्ने की फसल के अवशेष जलाने के मामले में प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई ने किसानों में असंतोष पैदा कर दिया है। खेत में गन्ने की कटाई के बाद अवशेष जलाए जाने की जानकारी सेटेलाइट मॉनिटरिंग सिस्टम द्वारा पकड़ी गई, जिसके आधार पर किसान पर 5 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार की कार्रवाई को लेकर किसानों में रोष बना हुआ है। क्षेत्र के गाव भारसी निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र पदम सिंह, ने गन्ने की कटाई के बाद फसल के अवशेष जलाए थे। सेटेलाइट द्वारा खेत में आग की पुष्टि होने पर मामले की सूचना विभागीय अधिकारियों को दी गई। सूचना के बाद लेखपाल मिंटू कुमार और प्राविधिक सहायक विशु कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने खेत का निरीक्षण कर अवशेष जलाए जाने की पुष्टि की। इसके बाद पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तैयार कर तहसीलदार कैराना अर्जुन सिंह को भेजी गई।तहसील प्रशासन ने रिपोर्ट के आधार पर किसान पर पांच हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। इस कार्रवाई के बाद इलाके के किसानों में हड़कंप की स्थिति है। किसानों का कहना है कि कई बार मजबूरी अवशेष जलाने पड़ते हैं, ऐसे में सीधी कार्रवाई करना कठोर कदम है। किसानों का कहना है कि प्रशासन को पहले किसानों को जागरूक करना चाहिए। किस पर लगाए गए जुमार्ने के बाद क्षेत्र के किसानों में प्रशासन के प्रति रोष बना हुआ है।

एससी महिला के घर घुसकर मारपीट, अभद्रता और धमक,राष्ट्रीय आयोग से न्याय की गुहार

समाज जागरण कांधला।

क्षेत्र के ग्राम इस्लामपुर घसौली में अनुसूचित जाति की एक महिला के साथ मारपीट, अभद्रता और जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का मामला सामने आया है। पीड़िता ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को शिकायत भेजकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी महिला माया पत्नी संजीव ने बताया की गत सात नवंबर की शाम वह अपने घर पर बच्चों के साथ अकेली थी। उसी दौरान नरेंद्र उर्फ मोटा निवासी मुरथल अपने कई साथियों के साथ जबरन घर में घुस आया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने महिला का दुपट्टा खींचकर अभद्रता की और उसके साथ जातिसूचक टिप्पणियां कीं।पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा कि अगर अपने पति तिलकराम को नहीं बोलोगी तो तुम और तुम्हारे बच्चों को जान से मार देंगे। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए।महिला ने बताया कि आरोपितों की दबंगई से उसका परिवार भयभीत है और किसी भी समय गंभीर घटना हो सकती है। महिला ने राष्ट्रीय आयोग और जनपद के उच्च अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का आरोप, एसपी से न्याय की गुहार

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव इस्सोपुरटील निवासी ग्रामीण ने एसपी को शिकायती पत्र भेजकर अपने ही परिवार के कई लोगों पर आग लगाने और पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव इस्सोपुरटील निवासी ग्रामीण नसीम ने एसपी शामली एनपी सिंह को भेजें गए अपने पत्र में बताया कि गत 26 अगस्त को पारिवारिक विवाद के दौरान उसके पिता, भाई, भाभी और बहन ने उस पर व उसकी छोटी बेटी पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। घटना में दोनों गंभीर रूप से झुलस गए थे। पीड़ित का आरोप है कि वह लंबे समय से अपना उपचार करा रहा है और कई माह के बाद चलने फिरने की स्थिति में आया है।

पीड़ित ग्रामीण का कहना है कि थाने में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई। थाना पुलिस हर बार कार्रवाई टालती रही है।

पीडित ने एसपी शामली शिकायती पत्र भेजकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

झिंझाना में खाद के गड्ढों में कूड़ा डलवाने का आरोप, डीएम को शिकायत

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) झिंझाना कस्बा निवासी ग्रामीणों ने सोमवार को डीएम कार्यालय पहुंचकर नगर पंचायत चेयरमैन पर खाद के गड्ढों में जबरन कूड़ा डलवाने का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने मांग की कि आबादी से सटे इन खाद के गड्ढों में कूड़ा डालने की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए। ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित खाद के गड्ढों की जमीन पर कूड़ा निस्तारण का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसके तहत कर्मचारियों को कूड़ा डालने के लिए भेजा गया। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त स्थान के पास बाल्मीकि समाज का श्मशान घाट, गुरु गोरखनाथ का प्राचीन मंदिर और महाकाली का मंदिर स्थित है। ऐसे में कूड़ा डालने से आसपास की बस्ती में गंदगी फैलने और बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने कूड़ा डालने का विरोध किया तो नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेश पाल व उनके पुत्र रंकित ने उन्हें जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया। आरोप है कि इससे पहले भी अधिशासी अधिकारी को लिखित में शिकायत दी गई थी, जिस पर कूड़ा न डालने का आश्वासन मिला था, बावजूद इसके सोमवार को फिर से कूड़ा डालने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों के विरोध के चलते कूड़ा नहीं डाला जा सका। ग्रामीणों ने मांग की है कि खाद के गड्ढों में सामुदायिक भवन व बच्चों के खेलने के लिए मैदान बनवाया जाए, जिससे क्षेत्र का सौंदर्यकरण भी हो सके। शिकायत देने वालों में भाजपा नेता घनश्याम पारचा, बादल गौतम, रवि गहलोत, प्रदीप, वसीम, नसीर, रामप्रसाद, मनीष कुमार, शाहनवाज, हासिम, अनुज कुमार, भारत खन्ना, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

सूचना न देने का आरोप, ग्रामीण ने डीएम को सौंपा शिकायती पत्र

समाज जागरण
शामली(फुरकान जंग)

झिंझाना क्षेत्र के ग्राम लव्वादाऊदपुर निवासी बिन्दर बिन्दर पुत्र यशपाल ने मंगलवार को डीएम को शिकायती पत्र सौंपकर विकास खंड ऊन के अधिकारियों पर सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत में हुए विभिन्न विकास कार्यों से जुड़ी सूचनाएं मांगे जाने के बावजूद विभाग द्वारा जवाब नहीं दिया गया। बिन्दर ने बताया कि आवेदन में ग्राम पंचायत लव्वादाऊदपुर की वर्तमान ग्राम प्रधान बीना द्वारा किए गए विकास कार्यों के विस्तृत अभिलेख उपलब्ध कराने की मांग की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत में सड़कों, गलियों, खड़ंजा, नालों आदि के निर्माण कार्य का पूर्ण ब्योरा, कितनी सड़के/गलियां बनीं, निर्माण सामग्री कहां से खरीदी गई, ईंटों व कच्चे मटेरियल की खरीद के प्रमाणित बिल, खड़ंजा व नाला निर्माण कहां से कहां तक हुआ, इसका पूरा विवरण, गांव में लगाई गई

स्ट्रीट लाइटों का विवरण, लाइटें कहां से खरीदी गईं, एक लाइट की कीमत कितनी, किस-किस स्थान पर लगाई गईं आदि की सूचना दिलाने की मांग की है।

एलटी विशाल कुमार ने लगाया फर्जी शिकायत कराने व धमकी देने का आरोप

समाज जागरण

शामली। गत दिवस काउंसलर शिवम कुमार द्वारा एलटी विशाल कुमार पर गाली-गलौच और अभद्रता करने का आरोप लगाने के मामले में अब नया मोड़ सामने आया है। जिला संयुक्त चिकित्सालय के एलटी विशाल कुमार ने काउंसलर शिवम पर मरीज को बहला- फुसलाकर फर्जी शिकायत कराने और उन्हें शामली से पलायन कराने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मंगलवार को एलटी विशाल कुमार ने सीएमएस डॉ. किशोर आहुजा को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 7 नवंबर को एक मरीज एसटीआई काउंसलर शिवम कुमार के पास आया था, जो एचआईवी पॉजिटिव पाया गया। मरीज को आगे की जांच के लिए आईसीटीसी पर रेफर कर दिया गया, जहां उसी दिन उसका रजिस्ट्रेशन हो गया था। कनफर्मेशन रिपोर्ट के लिए मरीज को 8 नवंबर को आने को कहा गया, लेकिन बार-बार संपर्क करने के बावजूद वह अस्पताल नहीं लौटा। आईसीटीसी काउंसलर की सूचना पर एनजीओ को भी मरीज की खोज के लिए अवगत कराया गया। 17 नवंबर को मरीज ने फोन उठाया और अस्पताल पहुंचा, लेकिन आरोप है कि एसटीआई काउंसलर शिवम ने रास्ते में ही उसे रोक लिया और सीएमएस के पास ले जाकर एलटी विशाल तथा आईसीटीसी काउंसलर के विरुद्ध शिकायत लिखवाने का दबाव बनाया। मरीज ने स्वयं स्वीकार किया कि वह उसी दिन अस्पताल आया है। आरोप है कि जब एलटी विशाल कुमार ने इस फर्जी शिकायत पर स्पष्टीकरण पूछने के लिए शिवम के कमरे में पहुंचे, तो शिवम ने गाली-गलौच करते हुए अभद्रता की और उन्हें शामली से पलायन कराने की धमकी दी। एलटी विशाल कुमार ने अपनी सुरक्षा को देखते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है।

कर्मचारियों व कस्बे वासियों को कराई शपथ ग्रहण

समाज जागरण

शामली। मंगलवार को नगर पंचायत बनत में नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत कर्मचारियों व कस्बे वासियों को शपथ ग्रहण कराई गई। इस दौरान लोगों से नशा से दूर रहने का आहवान किया गया।

मंगलवार को नगर पंचायत बनत में नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन पति धर्मवीर सिंह व लिपिक ओम सिंह ने कहा कि नशा एक बुरी लत है। जिससे मनुष्य खुद तो बर्बाद होता ही है साथ ही नशे के कारण उसका परिवार भी बर्बाद हो जाता है। इस दौरान नगर पंचायत के कर्मचारियों व नागरिकों को भारत को नशा मुक्त करने के लिए किसी भी प्रकार का नशा न करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर चैयरमैन प्रतिनिधि धर्मवीर सिंह, ओमसिंह कश्यप लिपिक, रामकिशन, शिवकुमार गौतम, राहुल कुमार, प्रताप सिंह, देवेन्द्र सिंह, प्रवीन कुमार, सौरभ कुमार आदि मौजूद रहे।

विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन

समाज जागरण

शामली। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन शहीद उधम सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रसन्न चौधरी पहुंचे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। स्पर्धा में एथलेटिक्स,कबड्डी,कुश्ती, वॉलीबॉल , बैडमिंटन और जूडो समेत विभिन्न खेलों का आयोजन बालक एवं बालिका वर्ग में किया गया। शामली विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित विधायक खेल स्पर्धा एक सराहनीय पहल है। इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए मजबूत मंच मिलेगा और उन्हें अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर उप क्रीड़ा अधिकारी अश्वनी त्यागी, आयोजन सचिव हिमांशु अहलावत, बीओ आकाश पंवार, जिला वुशू सचिव आकाश चौधरी, एथलेटिक कोच भूपेंद्र देव, कबड्डी कोच संजू चौधरी व दीपा रानी, कुश्ती कोच प्रशांत मलिक व प्रदीप चौधरी, वॉलीबॉल कोच विक्रांत राठी तथा बैडमिंटन कोच आदित्य तरार मौजूद रहे।

केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बाकू में डब्ल्यूटीडीसी-25 के दौरान नेटवर्किंग ब्रेकफास्ट को संबोधित किया

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री ने सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल प्रमुखों और आईटीयू नेतृत्व के साथ बातचीत की, समावेशी, दूरदर्शी डिजिटल विकास और आईटीयू के मिशन के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की भारत ने पीपी-2026 में आईटीयू परिषद में अपनी उम्मीदवारी के लिए सदस्य देशों से औपचारिक समर्थन मांगा केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने आज बाकू में डब्ल्यूटीडीसी 25 के अवसर पर अल्पाहार पर विमर्श (नेटवर्किंग ब्रेकफास्ट) को संबोधित किया और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के साथ भारत की 150 वर्षों से भी अधिक समय से चली आ रही दीर्घकालिक साझेदारी की पुष्टि की। भारत के ठोस कार्यों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि भारत ने एक अरब नागरिकों को इंटरनेट से जोड़ा है, 1.4 अरब लोगों की सेवा करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली का निर्माण किया है और अब अपने एकीकृत भुगतान इंटरफेस के माध्यम से वैश्विक डिजिटल लेनदेन में 46 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित कर रहा है कि ये प्रणालियाँ खुली, सस्ती और सुलभ बनी रहें। भारत के वैश्विक योगदान को रेखांकित करते हुए, केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि डिजिटल पहचान, भुगतान और शासन के लिए भारतीय नवोन्मेष, अफ्रीका, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों को सहायता प्रदान कर रहा है, जो व्यवसायिक हितों से प्रेरित नहीं है बल्कि इस विश्वास से प्रेरित है कि डिजिटल क्षमताओं को साझा किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। अपने उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से, भारत ने स्पेक्ट्रम प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और डिजिटल गवर्नेंस में हजारों पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है, साथ ही विकासशील देशों को सशक्त बनाने वाले न्यायसंगत स्पेक्ट्रम आवंटन, किफायती सैटेलाइट ब्रॉडबैंड और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की लगातार वकालत की है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने 2027-2030 के कार्यकाल के लिए आईटीयू परिषद में पुनः निर्वाचन के लिए भारत की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए कहा कि भारत विकासशील देशों की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाता रहेगा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण जैसे व्यावहारिक समाधानों का समर्थन करता रहेगा और विभिन्न क्षेत्रों में आम सहमति को बढ़ावा देता रहेगा।

डीएम ने राजस्व वसूली की समीक्षा कर दिए कड़े निर्देश

एसडीएम तहसीलदार और अमीन गांवों में चलाएं विशेष वसूली अभियान

समाज जागरण बागपत।

कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को डीएम अस्मिता लाल की अध्यक्षता में कर एवं करेत्तर राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने विभागवार वसूली की प्रगति का आंकलन करते हुए स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में लापरवाही किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों की पूर्ति और लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि राजस्व में वृद्धि से ही विकास कार्यों को गति मिलती है, इसलिए सभी अधिकारी फील्ड स्तर पर सक्रियता बढ़ाएं और जनहित से जुड़े मामलों में पारदर्शिता बनाए रखें। उन्होंने विभागों को प्रभावी कार्ययोजना बनाकर वसूली की गति तेज करने के निर्देश भी दिए। बैठक में डीएम अस्मिता लाल ने बड़े बकायेदारों पर विशेष अभियान चलाने पर जोर देते हुए कहा कि अमीन गांवों में जाकर वसूली करें, जबकि तहसीलदार बड़े बकायेदारों के यहां छापेमारी करें। उन्होंने यह भी कहा कि गांवों में एलाउंसमेंट अवश्य कराया जाए और बड़े बकायेदारों के नाम तहसील कार्यालय के बोर्ड पर दर्ज किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि वसूली में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने व्यापार कर, बैंक और स्टाफ देय से संबंधित वसूली में भी किसी तरह की ढिलाई न बरतने को कहा। जिलाधिकारी ने एआरटीओ को ओवरलोडिंग वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में एडीएम विनीत कुमार उपाध्याय समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देश की एकता और अखंडता में सरदार पटेल का अहम योगदान

सरदार पटेल को याद कर निकली यूनिटी मार्च यात्रा

समाज जागरण बागपत/चांदीनगर।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर मंगलवार को बागपत विधानसभा क्षेत्र में यूनिटी मार्च यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में समाज में एकता, भाईचारे और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया गया। बागपत विधायक योगेश धामा के नेतृत्व में गांव भगौट मैन रोड़ से यात्रा आरंभ हुई। यात्रा धौजी प्याऊ, भैड़ापुर, रटौल, खेला मोड़ से होकर जैन मंदिर बड़ागांव पहुंचकर सभा के रूप में समाप्त हुई। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं और आम नागरिकों ने हाथ में भारत का झंडा लेकर राष्ट्रभक्ति के खूब नारे लगाए। भारत माता की जयघोष, वन्देमातरम की गूंज और सरदार पटेल अमर रहे जैसे नारों के साथ-साथ यात्रा में शामिल नेताओं व लोगों पर जगह-जगह फूलों की वर्षा फूलों की गई। विधायक योगेश धामा ने पदयात्रा में शामिल हुए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा देश की एकता और मजबूती की नींव सरदार पटेल ने अपने कुशल नेतृत्व से मजबूत की है, जिसे सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा मजबूत इच्छाशक्ति एवं इरादों से सभी रियासतों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। उनके इसी निर्णय से लोग उन्हें लौह पुरुष के नाम से पुकारते हैं। उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और इरादों ने देश को एक अखंड राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री व प्रभारी मंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि हमें सरदार पटेल के उन कार्यों को नहीं भूलना चाहिए जिन कार्यो ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। आज पूरा देश उन सभी कार्यों को याद कर रहा है और उनके द्वारा किए गए कार्य आज उत्सव के रूप में मनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के नेतृत्व में देश को एकजुट करने का काम किया गया था। प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी डॉ चन्द्रमोहन ने कहा कि सरदार पटेल की जो इच्छा शक्ति थी वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पूरा कर रहे हैं। उनके सपनों को साकार कर रहे हैं और देश को एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सूरजपाल सिंह, सुदेश चौहान, पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित, जिला पंचायत सदस्य व विधानसभा यात्रा संयोजक मनुपाल बंसल, रविन्द्र बली, कृष्णपाल चैयरमेन, कार्यक्रम संयोजक व विधायक प्रतिनिधि गौरव यादव, जिला उपाध्यक्ष अनिल तोमर, अनिता खौखर, कुलदीप भारद्वाज, ब्लॉक प्रमुख प्रमेन्द्र धामा, जिला मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, हरिकेश शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा जिला संयोजक अक्षय चौधरी, मंडल अध्यक्ष मनजीत गुर्जर, सोनू यादव, संदीप प्रजापति, संदीप वशिष्ठ, रविन्द्र आर्य, प्रमोद खौखर, विनोद यादव, विकल शर्मा, पूर्व नगर अध्यक्ष जयकुमार, अजय शर्मा, प्रकाश, सुभाष मलिक, मौ मुब्बरसीर, प्रवीण प्रधान, पीयूष नैन, डॉक्टर शिव कुमार, संजीव कुमार, सुभाष मलिक, रिशिपाल तोमर, ज्ञानी बैसला, सुंदर धामा, सचिन आर्य, सत्यवीर यादव, मनोज, आशीष त्यागी, संजय प्रधान, प्रवीण प्रधान, लोकेश शर्मा, सुभाष मलिक, सिद्धार्थ यादव, ललित यादव, संजीव बसी, शेर सिंह गुर्जर, राकी शर्मा आदि के साथ युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सहबानपुर गांव में स्वास्थ्य शिविर लगा की गयी जांच

--गांव में शिविर लगा 70 मरीजों की जांच कर की गयी दवाईयां वितरित

समाज जागरण चांदीनगर।

सहबानपुर गांव में स्वास्थ्य विभाग के सौजन्य से एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 70 मरीजों की जांच कर मुफ्त दवाईयां वितरित की गयी। सहबानपुर गांव में वायरल बुखार के प्रकोप को देखते हुए गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंच स्वास्थ्य शिविर लगा लोगो की जांच की । जिसमे मरीजों की जांच करते हुए डाक्टर गौरव ने बताया की ज्यादातर लोग वायरल से पीड़ित है। जुकाम खांसी से भी लोग पीड़ित मिले शिविर में 70 लोगो की जांच कर मुफ्त दवाईयां वितरित की गयी। वही डाक्टर गौरव बदलते मौसम में गर्म कपड़े पहने और घर पर साफ सफाई रखने की जानकारी दी। इस मौके पर डाक्टर नेहा,पूनम आदि ने सहयोग किया।

शिक्षा संस्कृति अध्यात्म प्रकोष्ठ (विश्व हिंदू महासंघ, भारत) के राष्ट्रीय महामंत्री शौकेंद्र खोखर को गोरखपुर में सनातन शिरोमणि पुरस्कार "गुरु गोरक्षनाथ सर्वोच्च सम्मान" (हिंदू रत्न) से विभूषित किया गया।

समाज जागरण बड़ौत।

आदर्श नगला छपरौली गांव और बदरखा पहुंचने पर शोकेंद्र खोखर बदरखा का संगठन के लोगों ने किया स्वागत। योगीराज बाबा गंभीर नाथ प्रेक्षागृह एवं संस्कृतिक केंद्र (तारामंडल) गोरखपुर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ से मान्यता प्राप्त विश्व के सबसे बड़े गैर राजनीतिक संगठन विश्व हिंदू महासंघ संघ द्वारा 14 ,15 और 16 नवंबर को आयोजित अंतरराष्ट्रीय विश्व हिंदू सम्मेलन में शिक्षा-संस्कृति-अध्यात्म प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महामंत्री शौकेंद्र खोखर बदरखा जनपद बागपत को गुरु गोरक्षनाथ सर्वोच्च सम्मान (हिंदू रत्न) से विभूषित किया गया। श्री शौकेंद्र खोखर बदरखा को सनातन संस्कृति के रक्षार्थ उनके द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों के लिए अंतरराष्ट्रीय अध्यक्षा अस्मिता भंडारी , प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति, प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महा मंडलेश्वर आचार्य कृष्ण विश्वतपाणि महाराज एवं वरिष्ठ समाजसेवी तथा अन्य राष्ट्रीय और प्रदेश अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में फूल मालाओं एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके इस दिव्य पुरस्कार से सम्मानित किया तथा उन्हें 5 साल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भी सदस्य मनोनीत किया गया। इस अवसर पर शौकेंद्र खोखर ने सभी हिंदू धर्म के अनुयायियों को भारत माता की अस्मिता- अखंडता को बचाने हेतु जाति विभेद छोड़कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। शौकेंद्र खोकर को अंतरराष्ट्रीय अध्यक्षता, अस्मिता भंडारी ने नेपाल आने के लिए निमंत्रण दिया। मंगलवार को बड़ौत नगर आदर्श नगला छपरौली बदरखा पहुंचने पर शौकेंद्र खोखर बदरखा का भव्य स्वागत किया गया।

19 नवम्बर से 27 नवम्बर तक होंगे धनसिंह कोतवाल जन्मोत्सव पर कार्यक्रम

समाज जागरण बागपत।

1857 के क्रांतिनायक धनसिंह कोतवाल जी को समर्पित जन्मोत्सव सप्ताह (19 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक) पर आयोजित कार्यक्रमों के संदर्भ में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। क्रांतिनायक धनसिंह कोतवाल जी के प्रपोत्र एवं शोध संस्थान के चेयरमैन तस्वीर सिंह चपराना ने बताया कि 1814 ई में 27 नवंबर को क्रांति नायक धनसिंह कोतवाल जी का जन्म हुआ था उसी उपलक्ष्य मे शोध संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद मंडल के सभी जिलों में जन्मोत्सव सप्ताह 19 नवंबर से 27 नवंबर तक मनाया जाता है। इस वर्ष विशेष बात यह है कि क्रांतिनायक धनसिंह कोतवाल जी के जन्मोत्सव सप्ताह कार्यक्रमों के द्वारा 1857 से 1867 तक 10 वर्षों में भारत माता पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले एक करोड़ शहीदों, देशभक्तों, क्रांतिकारियों को नमन किया जाएगा। जन्मोत्सव सप्ताह कार्यक्रमों के दौरान धनसिंह कोतवाल महिला शोध समूह द्वारा गांव, कस्बों, मोहल्लों एवं नगरों में महिला गीत,संगीत, भजन, कीर्तन, संगोष्ठी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएँ धनसिंह कोतवाल जी को नमन करेंगी। शोध संस्थान द्वारा जन्मोत्सव के अवसर पर देशभर से शोधार्थियों, इतिहासकारों, प्रोफेसर्स, प्रशासनिक एवं गैर प्रशासनिक अधिकारियों, समाज के प्रबुद्ध एवं प्रमुख समाजसेवी को संस्थान के कार्यक्रमों में आमंत्रित किया गया है। इस वर्ष भारत के लगभग 15 राज्यों की प्रबुद्ध जन जन्मोत्सव सप्ताह कार्यक्रम में प्रतिभाग कर धनसिंह कोतवाल जी को नमन करेंगे। प्रेस वार्ता में धन सिंह कोतवाल जी के प्रपोत्र तस्वीर सिंह चपराना, राष्ट्रपति पदक से अलंकृत श्री सरबजीत सिंह कपूर, पूर्व प्रोफेसर देवेश शर्मा, महिला संयोजिका श्रीमती सुगम सिंह धामा, डॉक्टर अशोक कुमार चौधरी, विनय कुमार, संजय कुमार धामा आदि उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी कर जमीन अपने नाम कराने और झूठी शिकायत करने का आरोप

-डीएम से आरोपी के खिलाफ जांच कराकर की कार्रवाई की मांग

समाज जागरण बागपत।

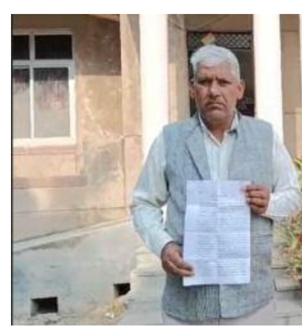

बिचपड़ी के नवीन पुत्र संजय व मेघना पुत्री संजय ने बताया कि वह गांव के खसरा नंबर 304, 305, 306,57ब पर पूर्व मालिक व कुमेहर चले आ रहे है। आरोप लगाया कि कुमेहर की मृत्यु के बाद विरासत में मिली भूमि पर कर्मवीर पुत्र महेंद्र ने राजस्व निरीक्षक को धोखे में रखकर उसकी पोत्री मुनेश देवी पुत्री शैराज के नाम को छिपाकर अपने नाम दर्ज करा ली थी। उन्होंने तहसील न्यायालय में नामांतरण वाद दायर किया था। जबकि मुनेश ने अपने हिस्से की जमीन का बैनामा गौतमबुद्ध नगर की शिमला पत्नी राजेंद्र और अजब सिंह निवासी बली और राजसिंह के नाम कर दिया था, जो राजस्व अभिलेखों में चली आ रही है। आरोप लगाया कि कर्मवीर ने न्यायालय तहसीलदार में योजित विधि विरूद्ध तरीके से स्वीकार कर लिया। आदेश के विरूद्ध मुनेश ने राजस्व परिषद लखनऊ में निगरानी योजित की। बाद में शिमला और अजबसिंह ने भूमि का बैनामा गांव की नवीन और मेघना को कर दिया था। जिस पर कर्मवीर ने न्यायालय सिविल जज बागपत में वाद योजित कर दिया था, जो अभी तक विचाराधीन है। पीड़ित राज सिंह ने बताया कि 2014 में मुनेश से जमीन का खरीदी थी तभी से उस जमीन पर हम फसल उगा रहे है। शिमला और अजब सिंह ने अपनी जमीन बिचपड़ी गांव के नवीन और मेघना को बेज दी थी। न्यायालय में बाद विचार दिन होने के बावजूद भी कर्मवीर आए दिन कुछ ना कुछ षड्यंत्र रचता रहता है। आरोप लगाया कि 9 जुलाई को कर्मवीर ने स्प्रे कर फसल को नष्ट कर दिया। जिसका सिंघावली अहीर थाने पर मुकदमा दर्ज कराया गया। आरोप है कि आरोपी कर्मवीर आए दिन झूठे शिकायती पत्र थाने में दे रहे हा है। उन्होंने डीएम से आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

कन्नौज जिला पोषण समिति की बैठक में उठा कुपोषित बच्चो को बेहतर इलाज का मुद्दा

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जिला पोषण समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें जनपद में पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि एज वाइज मेजरिंग एफिशियंसी रिपोर्ट, मोबाइल व आधार सत्यापन, पोषण ट्रैकर पर डाटा अपडेट, तथा अन्य पोषण संबंधी सभी प्रगति रिपोर्टों में विभागीय कार्यों की गुणवत्ता संतोषजनक एवं समयबद्ध होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुपोषण की रोकथाम और पोषित बच्चों के प्रतिशत में वृद्धि प्रशासन की प्राथमिकता है, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का सुचारू निर्वहन करें। उन्होंने चिकित्सा विभाग को विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि सैम एवं मैम श्रेणी के बच्चों को चिकित्सालय/एनआरसी में भर्ती किए जाने पर वहाँ का स्टाफ पूरी सकारात्मकता और संवेदनशीलता के साथ सहयोग करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों की देखरेख, पोषण एवं उपचार में लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी कहा कि लोकतंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु निर्वाचन कार्य में सभी विभागों की सहभागिता शत-प्रतिशत सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक में सघन मतदाता सूची पुनरीक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ, जहाँ हाई-स्पीड वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों पर शिक्षा विभाग के अनुदेशक तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ/ सुपरवाइजर, बीएलओ के सहायक के रूप में कार्य करेंगे और फॉर्म भरने में पूर्ण सहयोग देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्वाचन से संबंधित प्रत्येक कार्य केवल बीएलओ ऐप से ही पूरा किया जाए, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, जिला विकास अधिकारी नरेन्द्र देव द्विवेदी, उपायुक्त मनरेगा दिनेश यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कन्नौज: जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों से की बूथ सृजन पर चर्चा

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जनपद के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदेय स्थलों के संभाजन एवं समायोजन से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन, नए बूथों के सृजन तथा भीड़ वाले स्थलों के समायोजन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत कटियार ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों के प्रस्तावित समायोजन एवं नए बूथों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जिसमे 196 विधानसभा क्षेत्र छिबरामऊ : 12 समायोजन एवं 27 नए बूथ, कुल 39 बूथ, 197 विधानसभा क्षेत्र तिर्वा : 6 समायोजन एवं 18 नए बूथ, कुल 24 बूथ, 198 विधानसभा क्षेत्र कन्नौज : 07 समायोजन एवं 28 नए बूथ, कुल 35 बूथ हैं। उन्होंने बताया कि ये प्रस्ताव मतदाताओं की बढ़ती संख्या, भौगोलिक स्थिति तथा सुगमता को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं, ताकि आगामी निर्वाचन में मतदान प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सहज हो सके। बैठक में उपस्थित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मतदेय स्थलों की वर्तमान व्यवस्था से संबंधित अपने सुझाव जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष रखे। विशेष रूप से यह प्रस्ताव रखा गया कि जहाँ मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है, वहाँ भीड़-नियंत्रण और सुगमता के लिए अतिरिक्त बूथों का सृजन आवश्यक है। इसके साथ ही समायोजन कार्य में दूरी, पहुँच, सुरक्षा, महिला एवं दिव्यांगजनों की सुविधा तथा पारदर्शिता जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी अग्निहोत्री ने सभी सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, सुचारू एवं मतदाता हित में संचालित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजनैतिक दलों द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों का गंभीरता से विश्लेषण किया जाएगा तथा निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुरूप उचित संशोधन और समायोजन सुनिश्चित किए जाएंगे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रस्तावों की समयबद्ध समीक्षा करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिससे आगामी निर्वाचन में किसी भी मतदाता को असुविधा न हो और मतदान प्रक्रिया पूर्णतः सुव्यवस्थित एवं जनसुलभ रहे। बैठक में विधायक तिर्वा कैलाश राजपूत, अपर जिलाधिकारी (वि० रा०) देवेंद्र सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत कटियार सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कबड्डी में बड़ौली, कमेटी, बड़ौत व शामली की टीमों ने जीते मैच

--फतेहपुर पुट्ठी गांव में शुरू हुई दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता

समाज जागरण बिनौली।

फतेहपुर पुट्ठी गांव में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की स्मृति दो दिवसीय महाकाल कबड्डी प्रतियोगिता कराई गई। वहां विजेता टीम को सम्मानित किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. महताब अली ने फीता काटकर किया। उद्घाटन मैच कमेटी और शनि क्लब पुट्ठी की टीम के बीच हुआ। कमेटी की टीम ने शनि क्लब पुट्ठी की टीम को 68-37 से हराया। दूसरे मैच में बड़ौली की टीम ने कमेटी की टीम को 30-26 हराया। एसवीएस क्लब बड़ौत की टीम ने सूजरा की टीम को 27-5 से हराया। शामली की टीम ने शनि क्लब पुट्ठी की टीम को 43-21 के अंतर से हराया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मंगलवार को होगा। प्रतियोगिता में आकाश, केशव रेफरी रहे। इस दौरान मुनेश बरवाला, मंजू प्रधान, ऋषिराज प्रधान, अनिल डीलर, जगत सिंह, बिट्टू चौधरी, सतपाल फौजी आदि मौजूद रहे।

कन्नौज: यूरिया की ओवर रेटिंग पर विक्रेता का लाइसेंस निलम्बित

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। उप निदेशक कृषि संतोष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्राम डिगसरा निवासी श्री खेमकरन तथा अन्य कृषकों द्वारा यह शिकायत की गई कि मैसर्स गुप्ता खाद एजेन्सी, रेलवे क्रॉसिंग, जलालाबाद, कन्नौज द्वारा यूरिया खेतिहर किसानों को निर्धारित मूल्य से अधिक, अर्थात 400 रुपये प्रति बैग की दर पर बेची जा रही है। शिकायत प्राप्त होते ही उप निदेशक कृषि द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर तथ्य की जांच की गई। दुकान पर उपस्थित सोनू से पूछताछ में भी यह पुष्टि हुई कि संबंधित विक्रेता गुप्ता द्वारा किसानों को 400 रुपये प्रति बैग के हिसाब से यूरिया दी गई है। निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री के संबंध में दुकानदार कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। साथ ही आस-पास के ग्रामों के अन्य किसानों ने भी इस बात की पुष्टि की कि दुकान पर यूरिया अधिक मूल्य पर बेची जा रही है। किसानों का आर्थिक शोषण एवं उर्वरक विक्रय में पाई गई गंभीर अनियमितताओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला कृषि अधिकारी, कन्नौज को निर्देशित किया गया है कि मैसर्स गुप्ता खाद एजेन्सी, जलालाबाद, कन्नौज के विरुद्ध उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में किसी भी कृषक का शोषण न हो सके।

कन्नौज: बेकाबू कार ने चार बारातियों को रौंदा, बुरी तरह जख्मी

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। छिबरामऊ में बीती देर रात एक बेकाबू कार बारातियों को रौंदती हुई निकल गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। घटना छिबरामऊ नगर के ताजपुर रोड स्थित कृष्णा गेस्ट हाउस के पास हुई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे बाराती बैंड-बाजे की धुनों पर नाचते हुए द्वारचार के लिए गेस्ट हाउस की ओर जा रहे थे। इसी दौरान फूलों से सजी हुई एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बारातियों में घुस गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायल लोगों में प्रमोद कुमार निवासी रिक्खापुरवा (ठठिया), अजय दीक्षित निवासी रिक्खापुरवा (ठठिया), पीयूष कुमार निवासी बलनपुर (ठठिया), अनिल शुक्ला निवासी गोवा गार्डन, कल्याणपुर, कानपुर शामिल हैं।

गेस्ट हाउस के पास हादसा

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों घायलों को 100 शैय्या अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाच चल रहा है। हादसे के बाद चालक कार सहित फरार हो गया। चूंकि कार भी फूलों से सजी थी, इसलिए पुलिस को आशंका है कि वह कार भी किसी बारात का हिस्सा रही होगी। ठठिया से छिबरामऊ पहुंची थी बाराතठठिया थाना क्षेत्र के रिक्खापुरवा गांव निवासी सुनीता दीक्षित के बेटे मोहित की शादी छिबरामऊ क्षेत्र के अकबरपुर निवासी अनिल तिवारी की बेटी प्रिया से तय थी। सोमवार शाम बारात छिबरामऊ पहुंची थी। इसी दौरान गेस्ट हाउस के पास यह हादसा हो गया। पुलिस कार और उसके चालक की तलाश में जुटी है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

कन्नौज: ग्राम पंचायतों में डिजिटल लायब्रेरी के लिए डीपीआरओ ने प्रकाशको से मांगे आवेदन

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिला पंचायत राज अधिकारी राजेन्द्र प्रकाश ने बताया है कि ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) स्थापित किए जाने हेतु ग्राम पंचायतों में विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए पाठ्य सामग्री / पुस्तकों के चयन हेतु 50 प्रतिशत पुस्तकों के चयन शासकीय / अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें, जिसमें स्थानीय भाषाओं के साहित्यकारों, स्थानीय प्रकाशन, स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्रनायकों एवं शहीदों की जीवनी, स्थानीय/क्षेत्रीय लेखकों, प्रतिष्ठित विद्वानों की पुस्तकें, कवियों की पुस्तकें जिनमें स्थानीय इतिहास, संस्कृति साहित्य से सम्बन्धित हो, को भी शामिल किया जाना है। साथ ही प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे छात्रों की आवश्यकतानुसार तथा महिलाओं एवं बाल साहित्य से सम्बन्धित ज्ञानवर्धक पुस्तकों को भी शामिल किया जाना है तथा शासकीय प्रकाशकों के साथ-साथ अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें, जनपद स्तरीय समिति पुस्तकों का चयन करेंगी। जिसमें जनपद स्तरीय समिति का सामर्थ्य / मूल्य निर्धारण और समझने में आसान भाषा/ सामग्री पर सावधनीपूर्वक विचार करते हुए पुस्तकों का चयन करेगी।

प्रकाशकों / वितरकों से अनुरोध है कि जो भी व्यक्ति / फर्म / संस्था उपरोक्त विषयवस्तु को ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकायल (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) स्थापित किए जाने हेतु उपलब्ध कराने के इच्छुक हैं। अपनी पुस्तकों के प्रकाशन व लेख से संबंधित विवरण जनपद की ई-मेल dprokj-up@nic.in पर या कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी कन्नौज में दिनांक 24.11.2025 तक विवरण उपलब्ध करा सकते हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी जो पाठ्य पुस्तक / सामग्री अपनी ग्राम पंचायत की डिजिटल पुस्तकालय में पढ़ना चाहते हैं वह भी पाठ्य सामग्री / पुस्तक की सूची विवरण उक्त ई-मेल पर प्रेषित कर सकते हैं।

कन्नौज: महिला महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान का समापन, छात्राओं ने ली शपथ

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। आज राजकीय महिला महाविद्यालय, बांगर, कन्नौज के तत्वावधान में प्राचार्य श्रीमती रीतू सिंह के संरक्षण एवं निर्देशन में तंबाकू व नशा मुक्ति भारत अभियान का समापन समारोह आयोजित किया गया विभिन्न कार्यक्रमों के उपरांत नशामुक्त शपथ कराई गई, छात्राओं को जागरूक किया गया। प्राचार्य रीतू सिंह ने कहा कि नशा हमारे के जहर है, अपना तथा अपनी का ख्याल रखें और उन्हें नशे से दूर रखे। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान प्रवक्ता श्रीमती अंबरीन फातिमा ने किया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की तंबाकू एवं नशामुक्ति समिति द्वारा किया गया। प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार ने नशा को नाश का कारण कहा और इस दुर्गुण से स्वयं तथा अपने समाज को दूर रखना ही समझदारी है। कार्यक्रम में पुस्तकालय प्रवक्ता डॉ प्रेम प्रकाश यादव, प्रवक्ता शिक्षाशास्त्र डॉ नेहा मिश्रा, नूपुर किरण तथा अजीत सहित छात्राएं भी उपस्थित रही।

बहल कस्बे को मिलेगी 87 करोड़ की सौगात

सीवरेज व पेयजल परियोजनाओं से आधुनिक शहर बनने की राह तेज : पूर्व कृषि मंत्री जे.पी. दलाल

दैनिक समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

बहल। प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने कहा कि बहल कस्बे में सीवरेज व पेयजल परियोजनाओं पर लगभग 87 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन योजनाओं के पूर्ण होने से कस्बे में पेयजल आपूर्ति की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और सीवरेज व्यवस्था बन जाने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वे आज ब्रह्मदत्त मेमोरियल हॉल, बहल में नागरिकों और अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहल को शिक्षा, चिकित्सा सहित अन्य क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। जेपी दलाल ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कार्य के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन कपिल देव को नागरिकों की एक निगरानी कमेटी बनाने और स्थानीय लोगों से तालमेल रखते हुए कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि प्रत्येक क्षेत्र का सही लेवल, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और ड्राइंग के अनुरूप कार्य सुनिश्चित किया जाए। दलाल ने ग्रामीणों से भी सुझाव मांगे

मृतक किसान दलीप के परिजनों से मिले जेपी दलाल

पूर्व मंत्री जेपी दलाल सोमवार को मृतक किसान दलीप के परिजनों से भी मिले। उन्होंने परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों से उनकी लगातार बात हो रही है और वे हर दिन मामले की अपडेट ले रहे हैं। उन्होंने किसान की पत्नी व पुत्र को विश्वास दिलाया कि कानून पर भरोसा रखें–हत्यारे किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। दलाल ने कहा कि किसान दलीप की हत्या से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है।

और अधिकारियों को उन पर गंभीरता से विचार करने को कहा। बैठक में उपस्थित लोगों ने बहल को उपमंडल बनाने, नए तहसील भवन, सीएचसी निर्माण और बस स्टैंड कार्य शुरू कराने की मांग रखने पर सहमति जताई। जेपी दलाल ने कहा कि ये मांगें आगामी लोहारू विधानसभा की प्रस्तावित सीएम रैली में प्रमुखता से रखी जाएंगी।

राज्य स्तरीय महिला पुरस्कारों के लिए 16 दिसंबर तक जमा होंगे आवेदन

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली (सुरेश जोरा सिया) हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए 16 दिसंबर तक सिफारिशें आमंत्रित की गई हैं। इन पुरस्कारों के लिए आवेदन के लिए आवेदक अपना संपूर्ण बायोडाटा सहित संबंधित खंड के महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) कार्यालय में 16 दिसंबर तक जमा करवाएं ताकि आगामी प्रक्रिया की जा सकें। गौरतलब है कि विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है और यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को प्रदान किए जाते हैं।

इन पुरस्कारों में इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत 1 लाख 50 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के तहत 1 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के तहत 1 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, वुमेन आउटस्टेंडिंग अचीवर्स पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। एएनएम /नर्स/महिला एमपीएच डब्ल्यू, साक्षर महिला समूह सदस्य, सरकारी कर्मचारी पुरस्कार, सामाजिक कार्यकर्ता पुरस्कार, महिला उद्यमी पुरस्कार, स्त्री शक्ति पुरस्कार, आंगनबाडी वर्कर पुरस्कार के तहत 21 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। इन पुरस्कारों के लिए आवेदन के लिए आवेदक अपना संपूर्ण बॉयोडाटा सहित संबंधित खंड के महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) कार्यालय में 16 दिसंबर तक जमा करवाएं। इन पुरस्कारों के संदर्भ में अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉटडब्ल्यू सीडी एच आरवा ईडॉट जीओवीडॉटइन पर देखी जा सकती है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आप नेता हरमीत सिंह द्वारा सिख संस्था के प्रशासन को बदनाम करने के जघन्य कृत्य का संज्ञान लिया

सिख संस्था को बदनाम करने और उसके सिद्धांतों को ठेस पहुँचाने के लिए श्री अकाल तख्त साहिब से कार्रवाई की माँग

(रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख पंजाब)

जैतो, : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह विर्क, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार बलदेव सिंह कल्याण और महा सचिव सरदार शेर सिंह मंडवाला ने आम आदमी पार्टी नेता हरमीत सिंह संधू द्वारा तरनतारन उपचुनाव के दौरान गुरु की गोलक से पैसे बाँटने के लगाए गए निराधार आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि यह सिख संस्था के प्रशासन को बदनाम करने का एक जघन्य कृत्य है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि सिख संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बड़ी कुर्बानियों के बाद अस्तित्व में आई है और इसका प्रशासन पारदर्शी तरीके से चल रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए सिखों की प्रतिनिधि संस्था के खिलाफ झूठा प्रचार करके लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी गुरु की गोलक से नियमों के अनुसार गुरुद्वारों का प्रशासन सुचारू रूप से चलाना अपना कर्तव्य समझती है, साथ ही

जरूरतमंदों की मदद करना और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाती है। हाल ही में बाढ़ के दौरान उनकी पार्टी की पंजाब सरकार द्वारा किए गए कार्य भी शिरोमणि कमेटी ने ही किए थे। प्रभावित लोगों की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ तटबंध को मजबूत करने के लिए डीजल और गेहूं की बुवाई के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज भी इन्हीं गुरु की गोलक से उपलब्ध कराए गए थे। जब ये कार्य हो रहे थे, तब उनकी सरकार कहां थी? शिरोमणि कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि सिख संगठन द्वारा अतीत में की गई सेवाओं ने देश और दुनिया में सिखों का गौरव बढ़ाया है, लेकिन ऐसे लोग निराधार आरोप लगाकर कई बलिदानों के बाद अस्तित्व में आई शिरोमणि कमेटी को छोटा करने की कोशिश करते हैं। सरदार रघुजीत सिंह विर्क व अन्य पदाधिकारियों ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज से अपील की कि सिख सिद्धांतों को ठेस पहुंचाने, संस्था को बदनाम करने व संगत में भ्रम फैलाने के कारण सरदार हरमीत सिंह संधू को श्री अकाल तख्त साहिब में तलब किया जाए और परंपरा के अनुसार कार्रवाई की जाए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी।

केशव प्रसाद मौर्य बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता चुनाव हेतु केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त

(रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख पंजाब)

चंडीगढ़, : भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव हेतु उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव

प्रसाद मौर्य को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जबकि अर्जुन राम मेघवाल केंद्रीय विधि व न्याय मंत्री और साध्वी निरंजन ज्योति पूर्व केंद्रीय मंत्री सह पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी के महासचिव अर्जुन सिंह ने एक विज्ञप्ति में आज दी है।

पंजाब पुलिस में बड़ा फेरबदल: 5 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

समाज जागरण रघुनंदन पराशर

जैतो, : पंजाब सरकार ने मंगलवार को पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया। पाँच आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। तीन जिलों के एसएसपी भी बदले गए हैं। आदेश के अनुसार, आईपीएस अखिल चौधरी को एसएसपी मुक्तसर साहिब से एआईजी प्रशासन एएनटीएफ के पद पर स्थानांतरित किया गया है। जबकि आईपीएस सुहैल कासिम को एसएसपी बटाला से एसएसपी अमृतसर ग्रामीण और आईपीएस मेहताब साहिब को एसएसपी एसबीएस नहर से बटाला स्थानांतरित किया गया है। आईपीएस तुषार गुप्ता को एसएसपी एसबीएस नगर से एसएसपी एसबीएस नगर के पद पर स्थानांतरित किया गया है। तुषार गुप्ता वर्तमान में अपराध सतर्कता ब्यूरो, पंजाब के संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे। अभिमन्यु राणा को एसएसपी मुक्तसर साहिब नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान में एआईजी इंटेलिजेंस, पंजाब के पद पर कार्यरत थे। स्थानांतरित अधिकारियों को जल्द से जल्द अपनी नई तैनाती पर कार्यभार संभालने के लिए कहा गया है।

गुरुद्वारा मटन साहिब श्री नगर से नगर कीर्तन शुरू, अगला पड़ाव टांडा होशियारपुर से श्री आनंदपुर साहिब के लिए रवाना

(रघुनंदन पराशर दैनिक समाज जागरण नोएडा चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो, (रघुनंदन पराशर): गुरुद्वारा मटन साहिब श्री नगर से शुरू हुआ प्रकाश दिवस नगर कीर्तन आज तख्त श्री केसगढ़ साहिब, श्री आनंदपुर साहिब के लिए रवाना हुआ। नगर कीर्तन के रवाना होने से पहले गुरुद्वारा साहिब में एक धार्मिक दीवान का आयोजन किया गया, जिसमें सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब के हजूरी रागी जत्थों ने गुरबाणी का पाठ किया और कथा वाचकों ने गुरु साहिब के जीवन परिचय का बखान किया। अरदास के बाद, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को पालकी साहिब में सुशोभित करने की सेवा शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और गुरु साहिब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित

की। इस अवसर पर संगत को संबोधित करते हुए एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि देश के एक कोने से दूसरे कोने तक आई संगत ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा शहीदी साके के 350वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित नगर कीर्तन के प्रति भारी उत्साह दिखाया है। उन्होंने कहा कि नौवें गुरु ने धर्म की स्वतंत्रता और देश की संस्कृति की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी थी। उनकी शहादत के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर सिख समुदाय के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोग भी बड़े उत्साह के साथ गुरु साहिब के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहे हैं। एडवोकेट धामी ने कहा कि गुरुद्वारा मटन साहिब श्री नगर से आयोजित नगर कीर्तन पंडित किरपा राम जी द्वारा कश्मीरी पंडितों के साथ श्री आनंदपुर साहिब में गुरु साहिब को दिए गए आह्वान को समर्पित है। उन्होंने संगत से 21 नवंबर से 29 नवंबर तक श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों में भाग लेने की भी अपील की। इस अवसर पर गुरुद्वारा तप अस्थान बाबा बलवंत सिंह जी के मुख्य सेवक बाबा गुरदयाल सिंह ने भी संगत के साथ अपने विचार साझा किए। इस दौरान, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी, मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्ना, बाबा गुरदयाल सिंह टांडा सहित गणमान्य व्यक्तियों ने पंज प्यारे साहिबानों और निशानची सिंहों को सिरोपा देकर रवाना किया। नगर कीर्तन के विभिन्न पड़ावों पर संगत ने नगर कीर्तन का गर्मजोशी से स्वागत किया और गुरु साहिब के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस मौके पर एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के अलावा मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्ना, सदस्य जत्थेदार तारा सिंह सल्ला, जिला अध्यक्ष स. बटर चीफ 85, पर्यवेक्षक हरभजन सिंह, भूपिंदर सिंह बटर, मोहन सिंह, गुरसंजोगत सिंह, निर्मल सिंह, सरबजीत सिंह रामदास, चितवंत सिंह, प्रभारी गुरभाग सिंह, गुरुद्वारा गरना साहिब के प्रबंधक सरबजीत सिंह, प्रचारक भाई कल्याण सिंह, भाई अमरजीत सिंह जंदी, भाई अमरजीत सिंह अकबरपुर, भाई रशमीत सिंह, भाई बलबीर सिंह, भाई लखबीर सिंह वल्टोहा और भाई राजविंदर सिंह, जगदीप सिंह मच्छीनंगल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

गुरुद्वारा मटन साहिब श्रीनगर से शुरू हुआ नगर कीर्तन टांडा होशियारपुर से अगले पड़ाव श्री आनंदपुर साहिब के लिए रवाना होने का दृश्य।

मोहनलालगंज में ग्रामीण खेल लीग: विधायक अमरेश कुमार ने किया खेल स्पर्धा का शुभारंभ

विवेक कुमार समाज जागरण संवाददाता

राजधानी लखनऊ में को युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के द्वारा उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत माननीय विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन विधान सभा - मोहनलालगंज के आजाद मैदान कनकहा में किया गया। खेल लीग में कबड्डी, वॉलीबॉल खो- खो, फुटबॉल, कुश्ती एवं एथलेटिक्स जैसी विभिन्न खेल स्पधाओं मैं विधानसभा मोहनलालगंज के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया खेल स्पर्धा में विधायक अमरेश कुमार, विशिष्ट अतिथि बीजेपी ब्लॉक प्रमुख गोसाईगंज विनय वर्मा डिंपल विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख मोहनलालगंज ओम प्रकाश शुक्ला उपजिलाधिकारी पवन पटेल खण्ड विकास अधिकारी आशुतोष कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट सुशील रावत ने दीप प्रज्वलित कर वह खुशहाली का प्रत्येक गब्बर को आसमान में छोड़कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम के विधायक अमरेश कुमार ने सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों के संवर्धन के लिए सरकार द्वारा उन्हें उचित प्रशिक्षण, सुविधाएं और समर्थन निरंतर प्रदान किया जा रहा है इस तरह की प्रतियोगिताओं से क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ी खेल के अपने जनपद और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं । सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय करते हुए उनका

उत्साहवर्धन किया वह प्रथम द्वितीय और तृतीय विजेताओं को प्रमाण पत्र मोमेंटो से सम्मानित किया। कार्यक्रम आयोजक जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री अनिल कुमार तिवारी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि सभी प्रथम विजेता जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कार्यक्रम मैं मंच का संचालन राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अवधेश कुमार ने किया। कार्यक्रम सहयोगी- ए. एस. डिफेंस एकेडमी के संचालक अजीत कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आगे बढ़ने और जनपदस्तरीय खेल खेलने का मौका प्राप्त होगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी राहुल सिंह, व्यायाम प्रशिक्षक श्री आशीष मिश्रा, सुशील रावत जी रेफरी योगेंद्र सिंह रावत, आशीष, अंशिका यादव व सहयोगी उपस्थित रहे।

बजट 2026: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मार्केट एक्सपर्ट और स्टार्टअप्स के साथ की बैठक

(मन्नू पराशर दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख)

जैतो, ।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पांचवें दौर की प्री-बजट बैठक की, जिसमें देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के पक्षकारों से आगामी बजट पर इनपुट के लिए चर्चा की गई। वित्त मंत्रालय द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

शेयर की गई पोस्ट के अनुसार, बैठक स्टार्टअप क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों पर केंद्रित थी, जिसमें प्रतिभागियों ने इनोवेशन, फंडिंग और नियामक ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए।इससे पहले वित्त मंत्री ने कैपिटल मार्केट के प्रतिनिधियों के साथ प्री-बजट बैठक की थी। इस बैठक का फोकस बाजार से जुड़े लोगों की चिंताओं और उम्मीदों पर केंद्रित था। इस बैठक में वित्त मंत्री के अलावा, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव और मुख्य आर्थिक सलाहकार भी उपस्थित थे।यह प्री-बजट चर्चा वित्त मंत्रालय द्वारा विभिन्न उद्योगों के साथ आयोजित बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा है। जानकारी के मुताबिक, वित्त मंत्री मंगलवार को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगी। 19 नवंबर को बातचीत बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों से होगी। वित्त मंत्री 20 नवंबर को हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म इंडस्ट्रीज के सदस्यों और कई लेबर यूनियन के साथ बैठके करेंगी।इसके अलावा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और शहरी विकास के प्रतिनिधि वित्त मंत्री से 21 नवंबर को मुलाकात करेंगे। पिछले हफ्ते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के बड़े अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन के साथ आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) से कई वरिष्ठ अधिकारी और कई अर्थशास्त्री शामिल हुए।वहीं, वित्त मंत्री ने बुधवार को तीसरी प्री-बजट बैठक की अध्यक्षता की और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रतिनिधियों के साथ आगामी बजट के इनपुट के लिए चर्चा की।इस बैठक में केंद्री य वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। प्री-बजट चर्चा के तहत सरकार आने वाले बजट के इनपुट के लिए इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों और अन्य पक्षकारों के साथ लगातार बैठक कर रही है।

अल-फलह यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग नंबर-17: जहां रच रहा था जिहादी नेटवर्क, दिल्ली-अयोध्या-लखनऊ थे निशाने पर

अल-फलह यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग नंबर-17: जहां रच रहा था जिहादी नेटवर्क, दिल्ली-अयोध्या-लखनऊ थे निशाने पर

समाज जागरण रिपोर्टरः रविंद्र आर्य फरीदाबाद - दिल्ली

फरीदाबाद की प्रसिद्ध अल-फलह यूनिवर्सिटी एक बार फिर गंभीर विवादों के केंद्र में है। विश्वविद्यालय की बिल्डिंग नंबरझ17 से देश को अस्थिर करने वाले मजहबी षड्यंत्रों की मीटिंग होने का बड़ा खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इसी कमरे में बैठकर दिल्ली, अयोध्या और लखनऊ जैसे सांस्कृतिक -धार्मिक शहरों को निशाना बनाने की प्लानिंग बनाई जाती थी। सूत्रों का कहना है कि यह पूरी संरचना ISI हेडक्वार्टर की तरह ऑपरेट होने वाला एक खास ईकोसिस्टम था–जहां पढ़ाई के नाम पर संवेदनशील युवाओं की पहचान, ब्रेनवॉश और भर्ती का काम वर्षों से चल रहा था। 25 साल से फरार हमूद सिद्दीकी गिरफ्तारः चिटफंड घोटाले से जिहादी नेटवर्क तक इस पूरे नेटवर्क का बड़ा नाम हमूद सिद्दीकी, आखिरकार हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया गया।

हमूद, अल-फलह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद का सगा भाई है और पिछले 25 साल से फरार था। चिटफंड स्कीम के नाम पर करोड़ों की ठगी के बाद वह देश से गायब हो गया था, लेकिन जांच में सामने आया कि उसके ठगी के पैसे का इस्तेमाल कट्टरपंथी संगठनों की गतिविधियों और नेटवर्किंग के लिए किया जा रहा था। पढ़ाई नहीं, प्लानिंग– आतंकियों का सुरक्षित ठिकाना बन चुका था परिसर जांच अधिकारियों ने बताया कि यूनिवर्सिटी के कई विभागों में भर्ती और ब्रेनवॉश का एक सुनियोजित मॉडल तैयार किया गया था। कुछ तथाकथित समाजसेवी और बुद्धिजीवी लगातार यह नैरेटिव चलाते रहे कि इन लोगों को पढ़ाओ-लिखाओ, तभी सुधरेंगे। लेकिन सच्चाई बिल्कुल उलटी निकली– पढ़-लिखकर वही लोग तकनीकी तौर पर और खतरनाक बन रहे थे। सूत्र बताते हैं कि इन्हीं पढ़े-लिखे युवाओं में से कुछ डॉक्टर, लैब टेक्निशियन और शोधार्थी लोगों की जान बचाने के बजाय #राइसिन जैसे घातक जैविक जहर तैयार करने की कोशिश कर रहे थे–जो कुछ ही मिलीग्राम में लाखों लोगों की हत्या कर सकता है। एक हाथ में कुरान, एक हाथ में कंप्यूटर– तकनीक का दुरुपयोग डॉ. परविंदर सिंह विश्व शांति राजदूत, संयुक्त राष्ट्र एवं अध्यक्ष, विश्व बौद्ध महासंघ बताते है की कट्टरपंथी प्रचारक अकसर यह भ्रम फैलाते रहे कि तकनीकी ज्ञान और मजहबी शिक्षा साथ होगी तो समाज का उत्थान होगा, लेकिन बम, कोडिंग और एन्क्रिप्टेड संचार में माहिर यह नेटवर्क साबित करता है कि– तकनीक + कट्टरता = समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा फैज-ए-इलाही मस्जिद कनेक्शनः जिहादी उमर के पीछे दिखा संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार दिल्ली पुलिस ने फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास आतंकी उमर के पीछे घूम रहे एक संदिग्ध को पकड़ा। उसके पास से 9एमएम टट के कारतूस बरामद हुए हैं, और हथियार की तलाश अभी भी जारी है। यह गिरफ्तारी अल-फलह यूनिवर्सिटी नेटवर्क से कितनी जुड़ी है, इसकी जांच एजेंसियाँ अब लिंक-जोड़ने में लगी हैं। अल-फलाह नाम क्यों चुना गया? आतंकियों का पैटर्न एक जैसा अल-फलाह शब्द अरबी में सफलता, उन्नति और मुक्ति के अर्थ में आता है सकारात्मक धार्मिक अर्थ होने के कारण कट्टरपंथी संगठन इस तरह के शब्दों का प्रयोग करते हैं ताकि– * संस्थान पर पवित्रता का आवरण चढ़ जाए * आम लोगों को भ्रमित किया जा सके * गतिविधियाँ बिना शक के चलती रहें यह पैटर्न जिहादी संगठनों में नया नहीं है। अंसार, खैर, इस्लाह, फलाह, हिकमत जैसे शब्दों का उपयोग कर वे धार्मिक वैधता का

मुखौटा लगा देते हैं। अल-फलह यूनिवर्सिटी में बिल्डिंग नंबर 17 कोई साधारण मीटिंग हॉल नहीं था–यह फरीदाबाद में छिपे एक पूरे ISI-शैली के नेटवर्क का दिमाग था।

हमूद सिद्दीकी की गिरफ्तारी, राइसिन षड्यंत्र, कारतूस बरामदगी, मस्जिद लिंक और धार्मिक शब्दों के दुरुपयोग ने यह साबित कर दिया है कि–

भारत के खिलाफ कट्टरमूलवादी नेटवर्क शिक्षा संस्थानों के भीतर से भी ऑपरेट कर रहे हैं, और इनका लक्ष्य सिर्फ एक–हिंदू समाज और राष्ट्र को कमजोर करना।

सूर्य सागर महाराज की विचारधारा मे कट्टरपंथी विचारधाराओं के खतरे को अब खुलकर समझना होगा

इसी क्रम में एक और गंभीर मामला सामने आया है। गुजरात के जैन गुरू सूर्य सागर महाराज जी बताते हैं कि गुजरात के गिर सोमनाथ ज़िले में स्थित एक दरगाह से भारी मात्रा में देशी हथियार बरामद किए गए हैं। हजरत कच्छी पीर दरगाह के मुजावर से पुलिस ने विस्तृत पूछताछ शुरू कर दी है। दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद जारी हाई अलर्ट के चलते गिर सोमनाथ पुलिस ने मूल द्वारका बंदरगाह क्षेत्र में एक बड़ा कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया। एसपी जयदीपसिंह जाडेजा के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में 2 DYSP, 6 PI, 7 PSI, SOG, LCB और बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वॉड समेत 120 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे। तलाशी के दौरान SOG टीम को दरगाह परिसर से कुल्हाड़ी, काटो और तलवार जैसे देशी हथियार मिले। पुलिस सूत्रों का कहना है कि दिल्ली की घटना के बाद तटीय इलाकों में सुरक्षा और गश्त और अधिक कड़ी कर दी गई है। प्रशासन ने संकेत दिया है कि भविष्य में भी ऐसे कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी रहेंगे, ताकि किसी भी संभावित आतंकी गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। सूर्य सागर महाराज का कहना है कि हाल की घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चेतावनी हैं। वे कहते हैं कि कट्टरपंथी विचारधाराओं के खतरे को अब खुलकर समझना और उसके प्रति सतर्क रहना आवश्यक हो गया है। उनका मानना है कि कई बार समाज चुप रह जाता है जिससे कट्टर तत्वों को बढ़ावा मिलता है। इसलिए आवश्यक है कि लोग कानून के दायरे में रहते हुए, तथ्यात्मक जानकारी और प्रमाणों के माध्यम से समाज को जागरूक करें, ताकि किसी भी प्रकार के चरमपंथ, हिंसा या षड्यंत्र से राष्ट्र और समाज की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

महाराज यह भी कहते हैं कि महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों को सुरक्षा, जागरूकता और सामाजिक एकजुटता से जुड़ी चचाओं में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उनका जोर है कि कट्टरपंथ और हिंसात्मक मानसिकता के प्रति सजग रहना ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। डॉ. परविंदर सिंह संदेह फरीदाबाद की अल-फलह यूनिवर्सिटी से जुड़े मुस्लिम व्यक्तियों द्वारा यात्रा में जहर मिलाने की योजना थीं राइसिन साजिश के खुलासे पर प्रतिक्रिया देते हुए सूर्य सागर महाराज का कहना है कि यह घटना समाज को यह समझने पर मजबूर करती है कि कट्टरपंथी मानसिकता किस हद तक जाकर हिंसा की योजना बना सकती है। उनका कहना है कि ऐसे तत्व मानवता के लिए गंभीर खतरा हैं और इन्हें किसी भी प्रकार का नैतिक या मानवीय मूल्य प्रभावित नहीं करता। महाराज का मत है कि इस प्रकार के जहरीले हमले कायरतापूर्ण तरीके हैं, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकते। बाबा बागेश्वर धाम की यात्रा में शामिल होने आए वरअ अमरीका के डॉ. परविंदर सिंह बताते हैं कि फरीदाबाद की एक यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ मुस्लिम व्यक्तियों द्वारा यात्रा में जहर मिलाने की योजना का संदेह जताया गया था। डॉ. सिंह का आरोप है कि यह साजिश यात्रा शुरू होने से पहले ही पुलिस की जानकारी में थी, पर खुलासा यात्रा फरीदाबाद से निकलने के बाद किया गया। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो सैकड़ों लोगों की जान को बड़ा खतरा हो सकता था। डॉ. सिंह और महाराज दोनों का मानना है कि ऐसे मामलों में प्रशासन ओर आमजन को अधिक सतर्क और ज़िम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए, ताकि किसी भी विचारधारात्मक कट्टरपंथ या हिंसात्मक षड्यंत्र को समय रहते रोका जा सके। फरीदाबाद न्यूज के मुख्य संपादक धर्मेंद्र प्रताप का अल फलाह यूनिवर्सिटी का खुलासा फरीदाबाद न्यूज के मुख्य संपादक धर्मेंद्र प्रताप का कहना है कि अल फलाह स्थानीय यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के फरार होने की जानकारी सामने आई है। उनके अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह बात उभरकर आई है कि करीब 15 कश्मीरी डॉ. संदिग्ध लोग परिसर से लापता बताए जा रहे हैं। इसके अलावा, आसपास के क्षेत्रों में चल रही छापेमारी के दौरान लगभग 200 मुस्लिम डॉ. के भी नहीं मिलने की सूचना है। धर्मेंद्र प्रताप का कहना है कि खुफि या एजेंसियाँ इस आशंका की जाँच कर रही हैं कि इनमें से कुछ लोग भविष्य में कथित रूप से स्लीपर सेल या ओवरग्राउंड वर्कर की तरह, बाहरी असामाजिक नेटवर्क के लिए सक्रिय हो सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक एजेंसियों की ओर से अभी किसी भी प्रकार की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियाँ सतर्कता बढ़ाकर तथ्यों की गहराई से जांच कर रही हैं।

बदमाश के साथ अवैध हथियार एवं ब्राउन शुगर बरामद

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

पुलिस अधीक्षक सागर कुमार को सूचना प्राप्त हुई कि ठाकुरगंज के कुलीकोट थाना क्षेत्र में तस्करों के द्वारा ब्राउन शुगर एवं हथियार की तस्करी की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के अनुश्रवण में एस.टी.एफ. के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए योजनाबद्ध तरीके से दिनांक 18.11.2025 को कुलीकोट थाना क्षेत्र के कौआभीठा, वार्ड नं0-19 स्थित ठिकाने पर छापेमारी किया गया, इस दौरान, तीन व्यक्तियों को पकड़ा गया, पूछताछ में उक्त व्यक्तियों ने बारी-बारी से अपना नाम 01. तहसीन रजा 02. सुभान आलम उर्फ आर्यन 03. साजिद आलम तीनों पिता सैदुर रहमान साकिन कौआभीठा वार्ड नं0 19

थाना कुलीकोट जिला किशनगंज बताया और स्वीकार किया कि वह अवैध हथियार एवं ब्राउन शुगर के गोरख धंधे में शामिल है, पुलिस द्वारा मौके से तथा गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर ब्राउन शुगर, लोहे का बना ब्लैड-01, एक देशी कट्टा, एक खोखा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं, उल्लेखनीय है कि अभियुक्त सुभान आलम उर्फ आर्यन का अपराधिक इतिहास रहा है तथा पूर्व में का गलगलिया थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किये जाने उपरांत जेल भेजा गया था। इस संबंध में कुलीकोट थाना में कांड संख्या 60/25 एवं 61/25 दिनांक 18.11.2025 दर्ज किया गया है, गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। यह बरामदगी न सिर्फ नशीले पदार्थों की तस्करी बल्कि अवैध हथियारों के प्रसार के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण कार्रवाई मानी जा रही है।

सैकड़ों महिलाओं से करोड़ों की ठगी कर चिटफंड कंपनी हुआ फरार, ठगी की शिकार महिलाओं ने किया हंगामा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज में सैकड़ों महिलाओं से करोड़ों की ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना से नाराज लोगों ने कंपनी के कार्यालय के बाहर जमकर हंगामा किया। मामला शहर के हलीमचौक, पावर ग्रिड के सामने स्थित शुभारंभ चिटफंड कंपनी का है। महिलाओं ने बताया कि कंपनी की ओर से डेढ़ लाख रुपये लोन देने की बात कही गई थी और सभी से 5-5 हजार रुपये जमा करवाए गए थे। लेकिन मंगलवार को जब सभी लोग शुभारंभ कंपनी के कार्यालय पहुंचे तो ऑफिस का ताला बंद था। इसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने ऑफिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। वहीं कुछ देर के लिए किशनगंजझ बहादुरगंज मुख्य सड़क को भी जाम कर दिया गया। इस दौरान मौके पर

अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। पीड़ितों महिलाओं ने बताया कि उन्होंने लोन लेकर स्वरोजगार शुरू करने का सोचा था, लेकिन कंपनी के एजेंट सभी को ठगकर फरार हो गए। किसी ने 40 हजार तो किसी ने 50 हजार रुपये तक जमा करवाए थे।

गौरतलब है कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई कंपनियां हजारों लोगों को ठगी का शिकार बनाकर फरार हो चुकी हैं, लेकिन भोले-भाले ग्रामीण बार-बार इनके झांसे में फंस जाते हैं।

हंगामे की सूचना के बाद टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर सड़क जाम खुलवाया, जिसके बाद यातायात बहाल कराया गया। मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आवेदन मिलने पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पटना में खनन बिभाग के टीम पर बालू माफिया के गुर्गों ने किया हमला

स्कार्पियो से कुचलकर एक सैप जवान को उतारा मौत के घाट, दूसरा घायल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ सोमवार की रात पटना जिले के दुल्हिन बाजार प्रखण्ड अंतर्गत रानीतालाब थाना क्षेत्र के सोन नदी तटवर्ती क्षेत्र में खनन बिभाग के अधिकारियों द्वारा छापेमारी की गयी। जिसके दौरान दुल्हिन बाजार में ट्रैक्टर जप्त होने की सूचना पर बालू माफिया के गुर्गों ने स्कार्पियो से ट्रैक्टर का पीछा कर दो सैप जवानों को रौंद दिया। इस हमले में एक सैप जवान की मौत हो गयी जबकि दूसरा सैप जवान गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज पटना अस्पताल में चल रही है। सूत्रों के अनुसार सोमवार की देर रात जिला खनन विभाग की टीम अवैध खनन को लेकर रानीतालाब थाना क्षेत्र के सोन नदी तटवर्ती क्षेत्र में छापेमारी करने पहुंची। जिसके दौरान एक बालू लदी ट्रैक्टर को छापेमारी टीम ने अमवा इनार गांव के पास पकड़ लिया। जिसे खनन बिभाग के टीम में शामिल दो सैप जवानों ने लेकर दुल्हिन बाजार थाने की ओर चल दिया। जिसकी सूचना पाकर बालू माफिया के गुर्गों ने स्कार्पियो पर सवार होकर ट्रैक्टर

का पीछा किया तथा दुल्हिन बाजार थाने से महज पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित नवीनगर गांव के पास पाली बिहटा मुख्य सड़क पर पकड़ लिया। जहां स्कार्पियो सवार अपराधियो ने ट्रैक्टर पर सवार दोनो सैप जवानों पर हमला कर मारपीट करने लगा। अचानक हुए हमले से घबराया ट्रैक्टर चला रहे सैप जवान ट्रैक्टर से नियंत्रण खो बैठा जिससे ट्रैक्टर सड़क पर पलट गई। वही सैप जवानों ने ट्रैक्टर छोड़कर भागने लगा। जिसे देख स्कार्पियो पर सवार होकर अपराधियो ने सैप जवानों को कुचल दिया। जिससे दोनो सैप जवान गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद बालू माफिया के गुर्गों ने सैप जवानों को यूं ही सड़क पर छटपटाता देख स्कार्पियो छोड़ भाग निकला। वही सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो जवानों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने लगी। लेकिन एक जवान ने रास्ते मे ही दम तोड़ दिया। वही दूसरे जवान की इलाज पटना स्थित अस्पताल में चल रही है।

इस मामले में दुल्हिन बाजार थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि मृतक का नाम दुखहरन पासवान तथा घायल का नाम लक्ष्मण सिंह है। दोनो सैप के जवान है जो जिला खनन विभाग में पदस्थापित थे। वही ट्रैक्टर तथा स्कार्पियो को जप्त कर ली गयी है। साथ ही मामले की जांच की है रही है। अभी तक थाने में प्राथमिकी दर्ज नही कराई गई है। प्राथमिकी के आधार पर आगे की कार्यवाई की जाएगी।

झारखंड आंदोलनकारी सम्मान समारोह में नहीं पहुंचे मंत्री इरफान अंसारी।

राहुल कुमार गुप्ता, संवादाता विष्णुगढ़, दैनिक समाज जागरण।

विष्णुगढ़ ।प्रखंड के नवादा कर्बला चौक में मंगलवार को झारखंड आंदोलनकारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।यह कार्यक्रम पुर्व निर्धारित था। समारोह में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को आना था ।जिसे लेकर प्रचार भी किया गया था पर मंत्री नहीं पहुंचे ।इस संबंध में झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के संयोजक महमूद आलम से पुछने पर बताया कि स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मिलकर समारोह में आने का न्यौता दिया था। उनका आना भी तय था। पर नहीं पहुंच सके ।जिससे भारी अफसोस हुआ है ।बताया कि यह समारोह प्रमंडल स्तरीय था ।जिसमें झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के संयोजक श्री आलम एवं संचालन कुलदीप रविदास ने किया ।समारोह को आंदोलनकारी नेता चंद्रनाथ भाई पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि लंबे संघर्ष के बाद झारखंड राज्य का निर्माण हुआ ।पर राज्य निर्माण के 25 बर्षो

में झारखंड आंदोलन में शहीद हुए आंदोलनकारी नेताओं के आश्रितों को उचित सम्मान नहीं मिला है ।कहा झारखंड आद्रोलन में विष्णुगढ़ से कई जाने गई है ।उन्होंने आंदोलन में शहीद हुए आंदोलनकारी नेताओं के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग की ।कहा यह जरुरी है ।इस पर राज्य सरकार को गंभीरता से कार्य करने की जरुरत है ।समारोह को बटेश्वर मेहता, रजी अहमद, मौलाना मो बिन रिजवी, साहिल सिद्दकी, उत्तम महतो,मो सलीम आदि ने भी संबोधित किया ।सबों ने मौके पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के नहीं उपलब्ध हो पाने पर अफसोस जाहिर किया ।कहा कि लंबे संघर्ष के बाद झारखंड राज्य का निर्माण हुआ है ।पर आंदोलनकारियों को उचित सम्मान नहीं मिला है। उन्होंने चिहिंत आंदोलनकारियों को सम्मानजनक पेंशन, 20 लाख की बीमा के अलावा निशुल्क चिकित्सकीय सुविधा देने की मांग की ।मौके पर उपस्थित आंदोलनकारियों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विष्णुगढ़ को अनुमंडल का दर्जा देने, नवादा में मेडिकल कालेज का निर्माण कराने का प्रस्ताव लिया गया। मौके पर पुर्व प्रमुख उमा देवी,मुखिया निर्मल कुमार, रामजन्म राय, राजू श्रीवास्तव, हेमलाल साव, राजेंद्र मंडल आदि उपस्थित थे।

एसजीएफआई शतरंज में पूर्णियां एवं मुंगेर प्रमंडल का श्रेष्ठ प्रदर्शन

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन किशनगंज के संयुक्त तत्वावधान में, जिला शतरंज संघ तथा इसके लर्निंग पार्टनर चेस क्रॉप्स अकादमी के सहयोग से स्थानीय सम्राट अशोक भवन में रविवार से चल रही तीन-दिवसीय राज्य स्तरीय बालिका शतरंज प्रतियोगिता (अंडर-14, 17 एवं 19 आयु वर्ग) का भव्य समापन मंगलवार को हुआ। इस प्रतियोगिता में पूर्णियां एवं मुंगेर प्रमंडल की बालिका खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस सूत्र में तकनीकी पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त जिला शतरंज संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता तथा प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक एवं चेस क्रॉप्स अकादमी के प्रमुख कमल कर्मकार ने अंतिम परिणाम की घोषणा की। घोषित परिणामों के अनुसार अंडर-14 आयुवर्ग में मुंगेर प्रमंडल की इशिका, दरभंगा की मनीषा यादव, पूर्णियां की विष्णु प्रिया

झा तथा पटना की सांवी प्रकाश ने राष्ट्रीय एसजीएफआई शतरंज प्रतियोगिता में अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने की योग्यता हासिल की। अंडर-17 वर्ग में तिरहुत की नव्या गोयंका, पूर्णियां की मून, तिरहुत की गुंजन राज तथा पूर्णियां (किशनगंज) की दृष्टि दिया प्रमाणिक चयनित हुईं। वहीं अंडर-19 वर्ग में पटना की श्रेया कुमारी, पूर्णियां (किशनगंज) की तराशा कुमारी, मुंगेर की तन्नु कुमारी तथा गीतांजलि कुमारी को प्राप्तांकों के आधार पर आगे के लिए चुना गया। सभी विजेता खिलाड़ियों को जिला पदाधिकारी श्री विशाल राज ने प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल संचालन में योगदान देने वाले सभी खिलाड़ियों, कोचों एवं अभिभावकों का आभार जताया ।मौके पर जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी आदित्य कुमार, उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा प्रह्लाद कुमार, कार्यालय उपाधीक्षक मनीष कुमार, पूर्णियां से अमृत साजन, बांका से अजय कुमार मिश्रा, मंच संचालक सौरभ कुमार, अभिभावक रंजीत प्रामाणिक, पिंकी भास्कर,व्यवस्था सहयोगी सुधांशु सरकार,अंशुमान राज, निरोज खान, रोहन कुमार, रौनक कुमार, मुकेश कुमार,तृप्ति चटर्जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महिला से मारपीट मामले में पुलिस किया चार आरोपीयो को गिरफ्तार

आरोपी के पास से बरामद हुआ देसी कट्टा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के परसा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर ढीबड़ा गांव में महिला खुशबू देवी के साथ हुई मारपीट मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शंभू पासवान सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में शंभू पासवान, संजय पासवान, गुड्डू पासवान, लाल मोहन शामिल हैं। सभी के खिलाफ मारपीट, हथियार रखने और शांति-भंग संबंधी धाराओं के तहत कागजी कार्रवाई पूरी कर अदालत में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया। पीड़िता खुशबू देवी का बयान दर्ज कर लिया गया है और उसी आधार पर एक अलग मामला भी दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि पूरे घटनाक्रम में जमीन विवाद मुख्य कारण है, जिसके चलते गांव में पिछले चार-पांच वर्षों से दोनों पक्षों के बीच कई बार मारपीट और खून-खराबे की घटनाएँ हो चुकी हैं। पुलिस ने बताया कि गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

थाना अध्यक्ष मेनका रानी ने बताया कि छापेमारी के दौरान शंभू पासवान के पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है, जिसकी प्रारंभिक जांच पूरी कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि बरामद हथियार का उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा था, इसकी जांच जारी है। थाना अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने के बाद चाहे जो भी दोषी हो, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। दोनों पक्षों में से दोषियों को जेल भेजा जाएगा। ज्ञात हो कि इसी विवाद को लेकर सोमवार को दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। जिसमें गोरख पासवान की पत्नी खुशबू देवी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उनके सिर में गहरी चोट आई थी जिसके चलते लगभग 10 टांके लगाने पड़े। घटना में दोनों पक्षों के अन्य लोग भी घायल हुए थे।

पटना के खुशरूपुर से गिरफ्तार अपराधी एनएमसीएच से फरार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले का कुख्यात अपराधी और 25 हजार का इनामी मिथुन कुमार मंगलवार की सुबह नालंदा मेडिकल कॉलेज एन्ड अस्पताल से पुलिस की कस्टडी से फरार हो गया। तीन दिन पहले खुसरूपुर में मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। उसके पैर में गोली लगने के कारण पुलिस इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराई थी। लेकिन मंगलवार सुबह वह चौकीदार व पुलिस कर्मियों को धक्का देकर भाग निकला। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फरारी की घटना सुबह करीब 6 बजे सामने आई। जैसे ही ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने शोर मचाया अस्पताल प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। तुरंत इलाके में नाकेबंदी कर खोजबीन शुरू की गई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है, ताकि उसके भागने की दिशा का पता चल सके। मिथुन कुमार पटना और झारखंड में कई आपराधिक मामलों में वांटेड था। खुसरूपुर थाना क्षेत्र के हरदास बीघा स्टेशन रोड पर तीन दिन पहले पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि मिथुन अपने साथियों के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। फतुहा ऊढ-2 की टीम और खुसरूपुर थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और इलाके की घेराबंदी की। खुद को घिरा देख मिथुन ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अस्पताल में इलाज के दौरान मिथुन ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। उसने कहा की मैं घर जा रहा था की फतुहा में पुलिस ने मुझे उठा लिया। मेरी आंखों पर पट्टी बांधी और पटना लाकर मारपीट की। रात में टाल में ले जाकर गोली मार दी। मेरे पास कोई हथियार नहीं था। झारखंड और खुसरूपुर में मामले दर्ज हैं, लेकिन मैं 2 महीनों से घर पर नहीं था। घटना के बाद ग्रामीण रढ अपराजित लोहान ने बताया कि मिथुन के फरार होने की पुष्टि हो चुकी है। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया है और छापेमारी जारी है। रढ ने कहा कि उसकी सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जाएगा, वहीं खुसरूपुर थानेदार को शोकॉज किया गया है। पुलिस इस मामले को गंभीर चूक मानते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

चौड़ा पंचायत के भूतपूर्व मुखिया देवनाथ साव का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

समाज जागरत, संवाददाता, बिकाश

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखंड के तिरुलडीह निवासी और चौड़ा पंचायत के पूर्व मुखिया देवनाथ साव (93) का मंगलवार देर रात रांची के रामकृष्ण अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और रांची में अपने पुत्र के साथ रह रहे थे। बुधवार की सुबह उनका पार्थिव शरीर तिरुलडीह पहुंचते ही गांव में शोक का माहौल गहरा गया। अंतिम दर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिचित लोग उमड़ पड़े। इसके बाद सुवर्णरेखा नदी तट पर पूरे विधि-विधान से उनका अंतिम संस्कार किया गया।

तीन दशक तक रहे क्षेत्र के मजबूत स्तंभ

ग्रामीणों के अनुसार देवनाथ साव का व्यक्तित्व बेहद सरल और मिलनसार था। वे लगभग 30 वर्षों तक चौड़ा पंचायत के नेतृत्व से जुड़े रहे। अविभाजित बिहार के दौर में 1974 से 1984 तक लगातार दो कार्यकाल के लिए वे मुखिया चुने गए। 1984 के बाद पंचायत चुनाव बाधित होने

के बावजूद उन्होंने करीब दो दशक तक ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने, समाधान कराने और सामाजिक मुद्दों में मध्यस्थता निभाने की भूमिका जारी रखी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पंचायत और गांवों के बीच हमेशा समन्वय की कड़ी बने रहे। सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों, सामुदायिक कार्यों और गांवों में सद्भाव बनाए रखने में उनकी भूमिका अहम थी। छोटे-बड़े विवादों को सुलझाने में ग्रामीण उनकी बात को अंतिम मानते थे।

"देवनाथ साव को लोग हमेशा याद रखेंगे" — अशोक साव

उनके निधन की खबर फैलते ही तिरुलडीह, चौड़ा और आसपास के गांवों में शोक की गहरी लहर दौड़ गई। सरायकेला-खरसावां जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष और दिवंगत के भागना अशोक साव उर्फ माझी साव ने कहा कि देवनाथ साव का जाना एक ऐसी क्षति है जिसे भरना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि देवनाथ साव ने अपने कार्यकाल में विकास, सामाजिक समरसता और लोगों को एकजुट रखने पर जोर दिया और आज भी उनकी सादगी और ईमानदारी की मिसाल दी जाती है। अशोक साव ने कहा कि देवनाथ साव का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है और क्षेत्र में उनके योगदान को लोग सदैव याद करेंगे।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर बुनियाद केंद्र में शपथ कार्यक्रम आयोजित

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुनियाद केंद्र में एक महत्वपूर्ण शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिला प्रबंधक, बुनियाद केंद्र, श्रीमती नूरी बेगम द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

तथा नशा के विभिन्न दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। जिला प्रबंधक ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज—सभी के लिए विनाशकारी है। जागरूकता और संकल्प से ही समाज को इस बुराई से मुक्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बुनियाद केंद्र के तकनीकी कर्मी मो. नौशाद आलम, आलोक कुमार वर्मा, मो. असीम कमर के साथ-साथ बुनियाद केंद्र के लाभुकगण एवं युवा कौशल केंद्र, प्रखण्ड किशनगंज के छात्र एवं शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए सक्रिय योगदान देने एवं जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

पटना के पालीगंज स्थित बिहार पब्लिक स्कूल में बाल मेला का किया गया आयोजन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ मंगलवार को जिले के पालीगंज प्रखंड क्षेत्र के लालगंज सेहरा गांव

स्थित बिहार पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बाल मेला 2025 का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार आयोजित बाल मेला का उद्घाटन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक मनीष कुमार, चन्द्रसेन कुमार वर्मा (भूतपूर्व मुखिया), प्राचार्या रीना सिन्हा एवं स्कूल निदेशक ब्रजेन्द्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए बाल मेले का भी आयोजन किया गया। इस दौरान अपने संबोधन में विद्यालय निदेशक ने कहा कि बच्चे दुनिया के सुप्रीम पावर होते है। इसलिए सभी बच्चे को अपना बच्चा समझना चाहिए। विभिन्न प्रकार के विज्ञान प्रदर्शनी को देखते हुए विज्ञान के महत्व, विज्ञान से बदलाव और विकास को बतलाए। बाल मेले में बच्चों को मनोरंजन के साथ ही व्यवसाय का तरीका भी याद होता है। मेले में लगाए गए स्टॉल के बारे में बताए कि बाल मेले में सभी छात्र छात्रों को स्वरोजगार के प्रति बच्चो को जागरूक भी किया गया। बाल मेले में वर्ग 5 से लेकर वर्ग 10 तक के छात्र छात्राओं द्वारा स्टॉल लगाकर स्वादिष्ट व्यंजन बनाया गया। बाल मेले में स्टॉलों पर स्वादिष्ट व्यंजनों का काउंटर लगाया गया था। मौके पर छात्रों ने गायन वादन कला का भी प्रदर्शन किया। अंत में दोनों वर्गों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया गया।

पटना के दानापुर स्थित कुआं में गिरने से एक युवक की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के भगवतीपुर देवी स्थान के पास कुआं में सोमवार की रात गिरने से एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मृतक का पहचान भगवतीपुर मुसहरी निवासी संजीत मांझी रूप में किया गया है। मृतक के परिजनों ने बताया कि संजीत सोमवार की रात घर आ रहे था। इसी दौरान भगवतीपुर देवी स्थान के पास कुआं में गिर गया। जिसकी मौत कुएं के गहरे पानी मे डूबने से हो गई। खोजबीन के बाद पता चला कि संजीत कुआं में गिर गया है। जिसे काफी प्रयास के बाद शव को कुआं से निकाला गया है। मृतक के पत्नी व बच्चियों को रो रोकर बुरा हाल ही गया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार आनंद ने बताया कि कुआं में गिरने से संजीत की मौत हुई है। मामले की छानबीन किया जा रहा है।

सांसद प्रतिनिधिओ ने बोकारो के उपायुक्त अजय कुमार झा से की शिष्टाचार मुलाकात।

भुनेश्वर कुमार महातो , संवाददता - समाज जागरण

बेरमो / डुमरी : गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के निदेर्शानुसार बेरमो व चंद्रपुरा के सांसद प्रतिनिधिओ ने मंगलवार को बोकारो के उपायुक्त अजय

कुमार झा से औपचारिक शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान सांसदीय क्षेत्र के बेरमो प्रखंड व चंद्रपुरा प्रखण्ड में विकास कार्य कराने, डीवीसी के मोटेशन एवं सीएसआर मद पर चर्चा व शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरुकता अभियान चलाने, नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने समेत अन्य बातों को रखा। बोकारो उपायुक्त ने इन सभी समस्याओं का निराकरण करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि दीपक महतो, कमलेश महतो, मिथलेश कुमार, जितेंद्र यादव, राहुल सिन्हा, अमन कुमार ,रंजीत कुमार उपस्थित थे।

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा आप सभी को सूचित करना है कि मैं मीना कुमारी पिता सरजु रविदास निवासी करगालो पोस्ट अचलजामु थाना विष्णुगढ़ जिला हजारीबाग। यह है कि आधार कार्ड में मेरा नाम मीना कुमारी है। बैंक ऑफ इंडिया विष्णुगढ़ शाखा में मेरे खाता में हिना कुमारी अंकित है। मैं शपथ पत्र संख्या 5532 के माध्यम से घोषणा कर रही हूं कि मीना कुमारी और हीना कुमारी दोनों एक ही युवती/महिला की है। उपरोक्त नामों पर भविष्य में कोई प्रश्न होता है तो उसकी पूर्ण जिम्मेवारी मेरी होगी।

अधिवक्ता संघ चुरहट का निर्वाचन शांतिपूर्ण सम्पन्न

अधिवक्ता संतोष पाण्डेय बने नए अध्यक्ष

समाज जागरण

चुरहट। अधिवक्ता संघ चुरहट के निर्वाचन सिविल न्यायालय परिसर स्थित मतदान केंद्र में शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। जिसमें अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। मध्याह्न में लगभग 02:00 बजे मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद एक घण्टे के ब्रेक के तुरंत बाद मतगणना शुरू की गई और थोड़ी ही देर में परिणाम घोषित कर दिए गए। अध्यक्ष पद के लिए हुए कड़े मुकाबले में अधिवक्ता संतोष पाण्डेय ने अपने प्रतिद्वंद्वी अधिवक्ता विनोद सिंह 'बिन्नू' को 10 मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की। संतोष पाण्डेय को कुल 65 मत प्राप्त हुए, जबकि विनोद सिंह बिन्नू को 55 मत मिले। अधिवक्ता समुदाय द्वारा उनके विजय पर बधाइयों का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। उपाध्यक्ष पद पर भी रोमांचक संघर्ष देखने को मिला, जिसमें अधिवक्ता पन्नालाल सोनी ने बाजी मारते हुए 62 मत प्राप्त किए। उनके प्रतिद्वंद्वी अधिवक्ता रमेश सिंह को 56 मत मिले। इसी तरह सचिव पद के लिए हुए चुनाव में अधिवक्ता हेमराज पटेल ने अपने अनुभव और लोकप्रियता के बल पर महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उन्हें कुल 66 मत प्राप्त हुए, जबकि अधिवक्ता सत्यप्रकाश मिश्रा को 53 मत ही मिल सके।वहीं निर्विरोध तरीके से चुनाव जीतने वाले अन्य पदों पर अधिवक्ता विवेकानंद प्यासी लाइब्रेरियन के पद पर निर्विरोध चुने गए हैं तो वहीं अधिवक्ता राजीव गुप्ता कोषाध्यक्ष के रूप में तो अधिवक्ता दयाशंकर गुप्ता सह सचिव के पद पर निर्विरोध चुने गए हैं।चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। निर्वाचन अधिकारियों के साथ-साथ न्यायालय परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने पूरे दिन अनुशासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मतदान से लेकर परिणाम घोषणा तक अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल बना रहा।

नए पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि वे अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, संगठन को मजबूत करने और न्यायालय परिसर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए समर्पित होकर कार्य करेंगे।

संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता संपन्न, राजनगर व बिजुरी ने जीता खिताब

समाज जागरण

अनूपपुर। जिला वॉलीबॉल संघ अनूपपुर के मार्गदर्शन तथा मध्यप्रदेश एमेच्योर वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव हरी सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में कोयलाचल क्लब राजनगर द्वारा दो दिवसीय संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन 15 और 16 नवंबर को न्यू राजनगर वॉलीबॉल ग्राउंड में किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष व बालिका वर्ग की कुल 18 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालिका वर्ग में राजनगर चैंपियन

प्रतियोगिता के प्रथम दिवस बालिका वर्ग के मैच आयोजित किए गए। फाइनल मुकाबला राजनगर और रेड डेंग्रेन की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए राजनगर की टीम विजेता बनी। विजेता व उपविजेता टीमों को श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल बिलासपुर की अध्यक्षा शशि दुहन एवं उपाध्यक्षा के मार्गदर्शन में प्रेरित होकर तथा जागृति महिला समिति हसदेव की अध्यक्षा विनिता शर्मा, मृगनयनी सिंह, सरिता सिंह, सुष्मिता मिश्रा, सुमन जाखड़, सीमा सिंह, सुमिता शर्मा (सह सचिव जिला वॉलीबॉल संघ) ने मेडल व ट्रॉफी प्रदान की। जागृति महिला समिति की अध्यक्षा विनीता शर्मा ने अपने उद्बबोधन में कहा बेटियों पर गर्व है क्योंकि बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं

बेटियां संस्कार संवेदना औरऔर शक्ति का प्रतीक

पुरुष वर्ग में संत जोसफ स्कूल बिजुरी ने मारी बाजी

द्वितीय दिवस 16 नवंबर को पुरुष वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। फाइनल मैच संत जोसफ स्कूल बिजुरी और संत जोसफ स्कूल पाली उमरिया के बीच हुआ, जिसमें कड़े संघर्ष के बाद संत जोसफ बिजुरी की टीम विजेता रही, जबकि पाली उमरिया उपविजेता रही।

विजेता खिलाड़ियों को नगद राशि, मेडल, ट्रॉफी व स्पोर्ट्स किट से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला वॉलीवाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष यंसवत सिंह, केंद्रीय महामंत्री एटक कन्हैया सिंह, देशबंधु समाचार पत्र के शहडोल संभागीय ब्यूरो डॉक्टर संतोष झा ,थाना प्रभारी सुमित कौशिक, नगर पंचायत बनगवां के CMO राममिलन तिवारी राजेश मिश्रा लेखापाल संजय सिंह, हसदेव क्षेत्र जेसीसी सदस्य जेपी श्रीवास्तव, जेसीसी सदस्य व महामंत्री इंटक राम आश्रय यादव, राजनगर उपक्षेत्र जेसीसी सदस्य व वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे।

निर्णायक मंडल व सहयोगी टीम का उत्कृष्ट योगदान

मैच संचालन में राष्ट्रपति पुरस्कृत स्टेट रेफरी जिला वाँलीवाल संघ के सह सचिव दिनेश कुमार सिंह चंदेल, अंतुल यादव, जितेंद्र पनिका, आलोक सिंह, राजेंद्र यादव, धनसाय यादव ने निर्णायक की भूमिका निभाई।इसके अलावा आयोजन में राजू श्रीवास्तव, रामजी विंद, मुकेश राजभर, विकास पनिका, विकांत प्रताप सिंह, हरिशंकर दुबे, मिथिलेश सिंह नेताम, वार्ड क्रमांक 6 पार्षद सविता ब्रजेश कुशवाहा, वार्ड 10 पार्षद पति अभिषेक सोनी, वार्ड 11 पार्षद विकास प्रताप सिंह, वार्ड 1 पार्षद पति जितेंद्र पनिका सहित कई पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का सहयोग सराहनीय रहा।

विशेष योगदान

प्रतियोगिता को सफल बनाने में रामचंद्र यादव (सचिव जिला वॉलीबॉल संघ), श्रीमती सुमिता शर्मा और हरीशंकर यादव (सह सचिव जिला वॉलीबॉल संघ) का विशेष योगदान रहा।

यह संभाग स्तरीय आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करता है, बल्कि क्षेत्र में वॉलीबॉल को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणास्रोत भी सिद्ध हुआ।

मार्गों में चेक पोस्ट की व्यवस्था की जाए :कलेक्टर

समाज जागरण

शहडोल।खनिज विभाग की जिला टास्कफोर्स समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने खनिज विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के जिन मार्गों से खनिज का अवैध परिवहन किया जाता है, उन मार्गों में चेक पोस्ट की व्यवस्था की जाए। उन्होंने रेत के अवैध परिवहन को रोकने हेतु देवलौंद पुल, बुड़वा पुल तथा सीधी मार्ग में पड़ने वाले पुल के पास चेक पोस्ट लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने हेतु खनिज, वन, राजस्व तथा पुलिस विभाग मिलकर संयुक्त कार्यवाही करें। ब्यौहारी क्षेत्र अंतर्गत सोन घड़ियाल संवेदनशील क्षेत्र है, इन क्षेत्रों में बुढ़वा, सुखाड़, सतनी, जनकपुर, गोपालपुर, झिरिया आदि क्षेत्रों में सतत मानीटरिंग की जाए। ई- चेक पोस्ट ब्यौहारी से गुजरने वाले ऐसे वाहन जिनमें नम्बर प्लेट नहीं हो, पर खनिज अधिनियमों के तहत सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा बनाए गए प्रकरणों में खनिज विभाग नोटिस जारी कर अर्थदण्ड की वसूली के बाद ही वाहनों को सुपुर्दगी में देने हेतु न्यायालय से आग्रह करे। पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने कहा

कि पुलिस विभाग द्वारा बनाए गए प्रकरणों की जानकारी खनिज विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी, साथ ही रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने हेतु आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मोना(सुरभि) की मौत का कारण पशु चिकित्सक और पशु विभाग है।

समाज जागरण

अनूपपुर।मानव जीवन में आने वाली विषम परिस्थितियों एवं संकट के समय कोई ना कोई कहीं ना कहीं साथ निभा जाता है लेकिन वही हमारे बीच रहने वाले बेजुबान जानवर जिनका मनुष्य से एक अकल्पनीय संवेदनाए जुड़ी होती है और यही कारण है कि जब कोई अपने बीच शरीर का त्याग करता है तो हृदय स्तब्ध हो जाता है। नगर परिषद बरगवां के निवासी बृजेंद्र मिश्रा ने कहा कि परिवार का हिस्सा रही मोना (सुरभि) बछड़ा इस संसार से इलाज न होने के अभाव में डॉक्टर के ना आने के कारण एवं चलित पशु चिकित्सा को सूचित करने के बावजूद भी समय पर ना आने के कारण और असमय ठंड के कारण काल के गाल में समाहित हो गई। जैसे एक मां अपने बच्चों को जन्म से वयस्क होने तक हर प्रकार से ख्याल रखती है उसका पालन पोषण करती है इस प्रकार ही मेरे द्वारा इस गोवंश की ढाई वर्ष तक भरपूर सेवा की गई बीच में लिंपी वायरस नमक बीमारी का शिकार भी हो गई फिर भी उसे मैं अपनी सेवा भाव से इलाज करते हुए सुरक्षित रखा किंतु आज हृदय व्यथित सा हो गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के द्वारा गोवंश की रक्षा के लिए तरह-तरह की योजनाएं वी जान कारियां जनहित में जारी की जा रही यहां तक की सभी को एक एक गोवंश रखने की हिदायत तक दी जा चुकी है किंतु उनकी सुरक्षा और इलाज के नाम पर पशु चिकित्सा विभागों में जमकर भरेशाही मची हुई है शासन वेतनमान मिलने के बावजूद भी क्षेत्र में पशु चिकित्सा के नाम पर कार्य कर रहे डॉक्टर गोवंश रखने वाले किसानो और ग्रामीणजनों से जमकर इलाज के नाम पर वसूली कर रहे हैं।

मंडल के आवासों में अवैध कब्जा

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

चचाई। अनूपपुर जिले के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के क्वार्टर एवं मंडल की भूमि पर अवैध कब्जे पर दिनों दिन बढ़ोतरी ही होती जा रही है किंतु एवं मुख्य अभियंता द्वारा सिविल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित नहीं किया जा रहा है कि वह मंडल में हो रहे अवैध कब्जा पर अंकुश लगाने ठोस कार्रवाई करें। सूत्र बताते हैं कि पावर प्लांट के क्वार्टरों में अवैध कब्जा धारी ने कब्जा जमा लिया है और मंडल के आवासों का दुरुपयोग भी कर रहे हैं और तो और कई अवैध कब्जाधारियों द्वारा किराए के माध्यम से भी आवास चलाया जा रहा है इसके अलावा मंडल की भूमि पर कब्जा बढ़ता जा रहा है। पावर प्लांट का सिविल विभाग भी है जिसकी जिम्मेदारी भी रहती है कि मंडल के आवास किस प्रकार सुरक्षित रहें और सदुपयोग होता रहे लेकिन सिविल विभाग के अधिकारियों की ही मनमानी के कारण ही ऐसा होता जा रहा है। पूर्व में कई बार मंडल प्रशासन के अधिकारियों का ध्यान अवैध कब्जा की ओर कराया जा चुका है।

मध्यप्रदेश पुलिस की 12 दिनों में प्रभावी साइबर कार्रवाई ठगों पर लगातार प्रहार, पीड़ितों को त्वरित राहत

समाज जागरण भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे सतत और व्यापक अभियान के उल्लेखनीय परिणाम सामने आ रहे हैं। अत्याधुनिक तकनीक के प्रयोग, त्वरित रिस्पॉन्स, विशेषज्ञ साइबर टीमों की दक्षता के अंतर्गत सटीक कार्यवाही के परिणामस्वरूप केवल 10 दिनों में ही 18 लाख 80 हजार से अधिक राशि साइबर फ्रॉड पीड़ितों को सफलतापूर्वक वापस कराई गई है। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यकुशलता, पेशेवर तत्परता और नागरिक हितों के प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।राज्य के विभिन्न जिलों में साइबर सेल एवं पुलिस इकाइयों की समन्वित कार्रवाइयों ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि मध्यप्रदेश पुलिस न केवल अपराधियों तक तेजी से पहुँचती है, बल्कि पीड़ितों को आर्थिक राहत उपलब्ध कराने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

प्रमुख कार्यवाही-: देवासः

जिले की साइबर सेल ने हाल के दिनों में उत्कृष्ट दक्षता का परिचय देते हुए अनेक मामलों में त्वरित कार्रवाई की और कुल 9 लाख 54 हजार से अधिक राशि पीड़ितों के खातों में वापस कराई। टीम ने नए से लेकर पुराने प्रकरणों तक में डिजिटल ट्रेल का अनुसरण करते हुए ठगी की राशि ट्रेस कर उसे सफलतापूर्वक रिकवर किया।

इंदौर (जोन-1):

फर्जी कॉल सेंटर का पदार्फाश

थाना एरोड्रम पुलिस, इंदौर एवं जिला जींद (हरियाणा) की साइबर क्राइम टीम की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़े फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया गया। इस कार्रवाई में 37 एंड्रॉइड मोबाइल, 53 कीपैड मोबाइल, 5 लैपटॉप, 1 लाख 40 हजार 300 रुपए नगद, "Bharat Wedding & Community Matrimonial" की रसीद बुक्स, संदिग्ध चेकबुक्स, 30 रजिस्टर, 4 दफ कोड व अन्य दस्तावेज जब्त किए गए। यह संयुक्त अभियान अंतरराज्यीय साइबर गिरोहों पर प्रभावी प्रहार का उदाहरण है।

भोपालः

डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड का खुलासा

भोपाल में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डिजिटल अरेस्ट के एक जटिल धोखाधड़ी प्रकरण को विफल किया। अपराधियों ने शमसुल हसन को फर्जी कॉल कर ATS पुणे के नाम पर धमकाते हुए तीन घंटे तक मानसिक दबाव में रखा था। परिवार द्वारा सूचना मिलते ही थाना कोहेफिजा पुलिस ने सक्रियता से मात्र चार घंटे में पीड़ित को सुरक्षित मुक्त कराया और संभावित वित्तीय नुकसान रोका। यह प्रकरण भोपाल पुलिस की संवेदनशीलता व तत्परता का सशक्त उदाहरण है।

मऊगंजः

साइबर सेल और थाना मऊगंज की संयुक्त टीम ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए ऑनलाइन ठगी के 6 लाख 57 हजार रुपए पीड़ित के खाते में वापस कराए। यह कार्रवाई समयबद्ध प्रयास और कुशल समन्वय का परिणाम रही।

मध्यप्रदेश पुलिस नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से निरंतर सक्रिय है। सामान्य जनता से अपील की जाती है कि किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल या ऑनलाइन लेनदेन संबंधी ठगी की जानकारी तत्काल सायबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाना में दें।

प्रदेशभर में मोबाइल बरामदगी में मध्यप्रदेश पुलिस की बड़ी उपलब्धि-:

अक्टूबर माह से अब तक प्रदेशभर में 2 हजार 350 से अधिक मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे गए

भोपाल-:

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा तकनीक आधारित सतत कार्यवाही के माध्यम से नागरिकों के गुम एवं चोरी गए मोबाइल फोन की बरामदगी में लगातार उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की जा रही है। इसी क्रम में हाल ही में अनूपपुर, छतरपुर और डिंडौरी जिलों ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज कराते हुए सैकड़ों गुमशुदा मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए हैं।

अनूपपुर-:

थाना कोतमा पुलिस ने मोबाइल दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए 31 महंगे स्मार्टफोन (Oppo, Vivo, Realme, Apple iPhone) बरामद किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 5 लाख 50 हजार रुपए है। पुलिस ने मुख्य चोर तथा चोरी का मोबाइल खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

इसके अतिरिक्त जिले में गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी में भी पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही की है।थाना कोतवाली अनूपपुर द्वारा 02 गुम स्मार्टफोन एवं थाना कोतमा पुलिस द्वारा 10 गुम मोबाइल फोन बरामद कर नागरिकों को लौटाए गए।यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता, त्वरित सूचना संकलन और तकनीकी विश्लेषण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

छतरपुर-:

छतरपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत सायबर सेल एवं थाना प्रभारियों की संयुक्त टीम ने पिछले 25 दिनों में कुल 85 मोबाइल एवं 1 आईपैड बरामद किए। बरामदगी का अनुमानित मूल्य 15 लाख 50 हजार रुपए है। ये मोबाइल उत्तर प्रदेश के महोबा, बांदा, झाँसी, दिल्ली सहित टीकमगढ़, सागर, पन्ना, छतरपुर के विभिन्न स्थानों से ट्रेस कर वापस लाए गए।

डिंडौरी-:

डिंडौरी जिले में सायबर टीम एवं थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 145 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 26 लाख 50 हजार रुपए है। मोबाइल वापस पाकर नागरिकों के चेहरों पर साफ खुशी दिखाई दी और डिंडौरी पुलिस एक बार फिर जनता की भरोसेमंद साथी साबित हुई।

शहडोल-:

शहडोल जिले में पुलिस ,सायबर सेल एवं तकनीकी विश्लेषण टीम द्वारा ट्रेस किए गए 260 गुम मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं त्वरित सहायता संबंधी शपथ भी दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर माह से अब तक मध्यप्रदेश पुलिस ने सायबर तकनीक और ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से 2 हजार 350 से अधिक मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को वापस सौंपे हैं। इसमें बुरहानपुर (76), छिंदवाड़ा (201), सिंगरौली (288), विदिशा (275), इंदौर (272), भोपाल (100) सहित कई जिलों का विशेष योगदान रहा है।मध्यप्रदेश पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, विश्वास और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए तकनीक-आधारित सेवा प्रदायगी को लगातार सुदृढ़ कर रही है। गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में मिल रही निरंतर सफलताएँ यह दर्शाती हैं कि पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था की संरक्षक ही नहीं, बल्कि नागरिकों की भरोसेमंद साथी भी है।

साफ सफाई व्यवस्था चुस्त दुरुस्त

समाज जागरण

जैतहरी नगर परिषद के मुख्य नगर परिषद अधिकारी भूपेंद्र सिंह के निर्देशन एवं सफाई प्रभारी संजीव राठौर के द्वारा समस्त सफाई कर्मचारियों के सहयोग से जैतहरी नगर में सफाई व्यवस्था

चुस्त दुरुस्त कराई गई है वार्ड क्रमांक 1 के अंतर्गत बीते दिनों सफाई कर्मचारियों के माध्यम से सफाई कार्य कराया गया।

कलेक्ट्रेट के द्वार में गंदगी का अंबार,लगा कचरे का ढेर,बदबू से मुंह सिकोड़ रहे अधिकारी

समाज जागरण

उमरिया। उमरिया जिले का कलेक्ट्रेट कार्यालय, जहां कलेक्ट्रेट के पीछे वाले द्वार में गंदगी का अंबार लगा है। यहां से आने जाने वाले अधिकारी मुंह सिकोड़कर या नाक दबाकर जरूर निकलते हैं लेकिन किसी ने इसे साफ

करने की जहमत नहीं उठाई.? लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिले का सबसे बड़ा कार्यालय कलेक्ट्रेट जहां लगभग पूरे प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं उसके पीछे वाले दरवाजे के किनारे इतनी भारी गंदगी किसने इकट्ठा की। या इसे साफ करने की जरूरत नहीं समझी,जबकि सोमवार और मंगलवार को यह पूरी गंदगी देखी गई। बहरहाल इस कचरे के ढेर को जिन-जिन आम आदमियों ने देखा उसके मन में कई तरह के सवाल जरूर खड़े हो रहे हैं.?

कानपुर में दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस पलटने से तीन की मौत, दो दर्जन घायल

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। नशे की हालत में तेज रफ्तार से वाहन चलाना लोगों की असमय मौत का कारण लगातार बना रहा है। इसी क्रम में दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस के पलटने से तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से ज्यादा घायल हो गए । उन्हें यहां के हैलट हालत अस्पताल में भर्ती कराया गया है । आज मंगलवार की सुबह हुई इस घटना में 15 लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। बताते हैं की घटना चालक को झपकी आ जाने की वजह से हुई। साथ ही वह नशे में भी बताया गया है। यहां पुलिस से प्राप्त विवरण के मुताबिक बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के दिल्ली से बिहार जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे मौके पर ही तीन यात्रियों की मौत हो गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब बस दिल्ली से बिहार की तरफ जा रही थी और बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर मोड़ के पास पहुंची। भोर का समय होने के कारण संभवतः चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई। हादसा इतना भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को तत्काल सीएचसी ले गई। वहीं, 15 लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतकों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

ई-लाटरी के माध्यम से 20 नवम्बर को कृषि यंत्रों के लाभार्थियों का होगा चयन

समाज जागरण दैनिक विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग द्वारा संचालित मैकेनाइजेशन एंव इन-सीटू योजनान्तर्गत समस्त कृषि यन्त्रों जिसकी बुकिंग दिनांक 15.10.2025 से 29.10.2025 के मध्य जनपद के जिन कृषको द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर आनलाइन बुकिंग की गयी है, जिसमें लाभार्थियो का चयन दिनांक 20 नवम्बर 2025 को दोपहर 12 बजे से कृषि भवन प्रतापगढ़ के सभागार कक्ष में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की उपस्थिति में ई-लाटरी के माध्यम से किया जाना है। उप कृषि निदेशक ने जनपद के समस्त संबधित कृषक बन्धुओ जिनके द्वारा कृषि यन्त्रो हेतु आनलाइन बुकिंग की गयी है उनसे अनुरोध किया है कि ई-लाटरी हेतु निर्धारित तिथि, स्थान व समय पर उपस्थित रहकर ई-लाटरी के माध्यम से लाभार्थियो के चयन में सहभागिता करें।

यातायात पुलिस द्वारा रघुराज स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण

शहडोल। यातायात पुलिस शहडोल के द्वारा मंगलवार को रघुराज स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को महत्वपूर्ण यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा समझाया गया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किए बिना वाहन नहीं चलाएँ। बच्चों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, सड़क सुरक्षा के महत्व तथा सुरक्षित यातायात व्यवहार के संबंध में जागरूकता वीडियो भी प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबंधन को निर्देशित

किया गया कि जो छात्र मोटरसाइकिल से स्कूल आते हैं, उनके अभिभावकों को पैरेंट-टीचर मीटिंग में समझाइश देकर हिदायत दें।

साथ ही स्कूल स्टाफ एवं विद्यार्थियों को हिट एंड रन पीड़ित प्रतिकर योजना, कैशलेस उपचार योजना एवं राहवीर योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बच्चों से यातायात नियमों से जुड़े प्रश्न पूछे गए तथा सही उत्तर देने वाले छात्रों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला शहडोल यातायात पुलिस बल से सूबेदार प्रियंका शर्मा एवं प्र.आर. विवेकानंद तिवारी मौजूद रहे।

साजिश रचकर किया गया था समाजसेवी पर जानलेवा हमला

डीसीपी दक्षिणी ने पूरे मामले की जांच एसीपी को सौंपी

आशीष पांडे समाज जागरण संवाददाता निगोहा

मोहनलालगंज में समाजसेवी का पीछाकर जानलेवा हमला करने के मामले में एक नया मोड़ आ गया है।पीड़ित समाजसेवी ने मंगलवार डीसीपी दक्षिणी से मिलकर हमले में कुछ अन्य साजिशकताओं के शामिल होने का दावा कर साजिश कताओं के खिलाफ जांच कराने की मांग की है।जिस पर डीसीपी ने एसीपी मोहनलालगंज को जांच के आदेश दिए है। समाजसेवी पत्रकार मुकेश द्विवेदी ने डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल को दिए शिकायती पत्र में कहा कि 13 नवंबर को जब वो अपनी कार सर्विस सेंटर से लेकर निकले तो तीन कार सवार उनका पीछा कर रहे थे।इसकी जानकारी जब हुई जब वह बीसीसी हाइट्स के लिए अपनी गाड़ी से मुड़े तो कार सवार हमलावरों ने उनकी गाड़ी के दोनों साइड में गाड़िया लगाकर कार में टक्कर मारने का प्रयास किया।पर अपनी सूझबूझ से वहा से निकलकर अंदर प्लाट तक पहुंच गए।और हमलावर भी पीछा करके मौके पर पहुंच गए।और शोर मचाने पर वहा मौजूद लोग दौड़े तो आरोपी मौके पर फायरिंग करते हुए भाग निकले।वही पुलिस ने कारों में सवार हमलावर अभिषेक तिवारी,विनीत तिवारी,चंदन भट्ट हरिनाम राहुल रावत,अमित मिश्रा को पकड़कर दोषी मानते हुए सलाखों के पीछे भेज दिया था। पीड़ित समाजसेवी पत्रकार मुकेश द्विवेदी ने अपनी शिकायत में कहा कि इस मामले में हमलावरों के तार एक प्रभावशाली कारोबारी से जुड़े हुए है।और कही उसी के इशारे पर उनकी हत्या की साजिश तो नहीं रची गई है।क्योंकि उनकी जान तो खुद की सूझबूझ से बच गई

पीड़ित सहित प्रेस क्लब निगोहा, करनी सेना के दुर्गेश सिंह दीपू, किसान नेता अनमोल तिवारी, पत्रकार एसोशिएशन मोहनलालगंज के महामंत्री अखिलेश द्विवेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से पूरे मामले की गहनता से जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

सीडीओ ने बैंकर्स को लगायी फटकार, लक्ष्य पूर्ति के दिये सख्त निर्देश

समाज जागरण दैनिक विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। आवंटित 1750 लक्ष्यों के सापेक्ष बैंको द्वारा 831 आवेदन पत्रों में ऋण स्वीकृत किये गये तथा 924 आवेदनों में ऋण वितरित किया गया है। समीक्षा के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक की प्रगति सन्तोषजनक नहीं पाई गई। बैठक में उपस्थित समन्वयक बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय प्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक, समन्वयक पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आश्वस्त किया गया कि उनके स्तर से सभी शाखा प्रबन्धको को प्रत्येक माह का लक्ष्य निर्धारित करते हुए लक्ष्य पूर्ति हेतु निर्देशित कर दिया गया है। औसत से अधिक समय तक बैंको में आवेदन पत्र लम्बित रखने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी बैंक समन्वयकों को निर्देशित किया गया कि बैकर्स अपना रवैया सकारात्मक बनाये, आवेदको

का सहयोग करें किसी भी दशा में आवेदन निरस्त न करें यदि आवेदन पत्रों में कुछ कमियां हो तो उपायुक्त उद्योग से समन्वय बनाकर निस्तारण करायें, योजना की समीक्षा नियमित रूप से उच्च स्तर पर हो रही है। इस लिए सभी बैंकर्स लक्ष्यानुरूप प्रगति अनिवार्य रूप से पूर्ण करें अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही हेतु उनके उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा जायेगा। बैठक में क्षेत्रीय प्रबन्धक स्टेट बैंक, क्षेत्रीय प्रबन्धक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अग्रणी प्रबन्धक के साथ सभी प्रशिक्षणदायी संस्थाओं के अधिकारी, सभी बैंको के बैंक समन्वयक उपस्थित थे। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया।

जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन अब 22 नवम्बर को

समाज जागरण दैनिक विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी सुमित सिंह पाल ने बताया है कि दिनांक 20 नवम्बर को विधानसभा क्षेत्र सदर में माननीय विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम मीरा भवन में किया जाना था जिसे अपरिहार्य कारणवश प्रतियोगिता की तिथि परिवर्तन करते हुये अब दिनांक 22 नवम्बर 2025 को जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम मीरा भवन में आयोजित करायी जायेगी।

जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है।प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है। ध्यान रहे कि पंजाब और दिल्ली के बीच स्थित राज्य हरियाणा में भाजपा की सरकार है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार है, जिसके पश्चिमी क्षेत्र के किसानों पर पराली जलाने का आरोप लगता रहता है। आम आदमी की सेहत ही नहीं, जीवन से भी जुड़े इस जानलेवा मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की राह निकलनी चाहिए। हमारे राजनीति दल संवेदनहीन नहीं बल्कि संवेदनशील बने। दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न किये जाये। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में पिछले कुछ सालों में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। तमाम बंदीशों एवं चेतावनियों के दीपावली की रात आतिशबाजी जमकर होती है, इसके कारण पिछले साल अगले दिन वायु प्रदूषण 999 के बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। यह आम आदमी की सेहत, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 401 से 500 तक के एक्यूआइ को ही 'गंभीर' एवं खतरनाक माना जाता है। वायु प्रदूषण से जुड़े आंकडे हमें बार-बार सतर्क एवं सावधान करने के साथ डराते भी है। यह डराने वाला ही आंकड़ा है कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें होती हैं। देश में होने वाली मौतों का यह पांचवां बड़ा कारण है। दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली और पटाखों की ही तरह वाहनों एवं भवन-निर्माण से जुड़ा प्रदूषण भी खतरनाक होता है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मट्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। अभी से हर दिन पराली जलाने की घटनाएं दर्ज होने लगी है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है। ऐसा माहौल बना दिया गया है, मानो खेती के नाम पर कुछ भी करने की छूट है। इसका कारण राजनीतिक ही है। कोई किसान है, इसका यह अर्थ नहीं कि उसे वातावरण को दमघोंटू बनाने एवं लोगों के जीवन को संकट में डालने का अधिकार है। अभी से दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें पराली के प्रदूषण से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। पटाखों का प्रदूषण उससे भी घातक है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं।

फेयर से डस्की तक.स्किन टोन के हिसाब से कैसे चुनें सही फाउंडेशन, ये टिप्स आयेंगे काम

मेकअप न सिर्फ चेहरे के फीचर्स को डिफाइन करता है. बल्कि खूबसूरती को और बढ़ा देता है. परफेक्ट मेकअप के लिए सबसे जरूरी होता है फाउंडेशन. ये चेहरे के दाग-धब्बे को छिपाने का काम करता है और चेहरे को एक क्लीन लुक देता है. फाउंडेशन सही नहीं हो तो पूरा मेकअप ही खराब है. एक परफेक्ट बेस के लिए सही शेड का फाउंडेशन होना बेहद जरूरी है. लेकिन अक्सर महिलाएं फाउंडेशन खरीदते समय अपने चेहरे से लाइट या डार्क शेड का फाउंडेशन खरीद लेती हैं. इससे या तो उनका चेहरा बहुत ज्यादा सफेद दिखता है या फिर काला.

कुछ महिलाओं का अक्सर ये सवाल रहता है कि आखिर सही शेड के फाउंडेशन का चुनाव कैसे करें. अगर आप भी इसी दुविधा में हैं तो आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे , जिसकी मदद से आप फाउंडेशन खरीदते समय अपने लिए सही शेड चुन सकेंगी. ये आपके मेकअप को परफेक्ट बनाएंगा और फ्लॉलेस बेस देगा.

अंडरटोन पहचानें

सही फाउंडेशन चुनने के लिए सबसे पहले आपको अपनी अंडरटोन पहचाननी है. अंडरटोन की तरह की होती है इससे जानने के लिए आपको अपनी कलाई की नसों को नेचुरल लाइट में देखना है. अगर नसों का कलर हरा है तो आप वॉर्म टोन हैं. अगर नसों का कलर बैंगनी या नीला है तो कूल अंडरटोन है. वहीं अगर नसों का कलर दोनों तरह का है तो आपका टोन न्यूट्रल है.

स्किनटाइप के हिसाब से चुनें फाउंडेशन

सही फाउंडेशन शेड के लिए स्किनटाइप का पता होना भी बहुत जरूरी है. जैसे आपकी स्किन ऑयली है, ड्राई है या फिर कॉम्बिनेशन. अगर आपकी स्किन ऑयली है तो सुपर स्टे वाला फाउंडेशन चुनें. वहीं, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो छद्24 या सैटिन फिनिश वाला फाउंडेशन सेलेक्ट करें और कॉम्बिनेशन स्किन के लिए आप किसी भी तरह का फाउंडेशन चुन सकती हैं.

कैसे चुनें सही शेड?

फाउंडेशन का सही शेड चुनने के लिए आप थोड़ा सा फाउंडेशन लें और उससे अपनी जॉलाइन पर लगाएं. इसके बाद इसे हल्के हाथों से रब करें. अगर ये आपकी स्किन में अच्छे से मैच होता है तो ये सही शेड है. वहीं अंडरटोन के हिसाब से फाउंडेशन चुनने के लिए आप अपनी कलाई पर फाउंडेशन लगाएं और उसे ब्लेंड करें. फाउंडेशन नसों के कलर से मेल खाता है तो आपका शेड सही है.

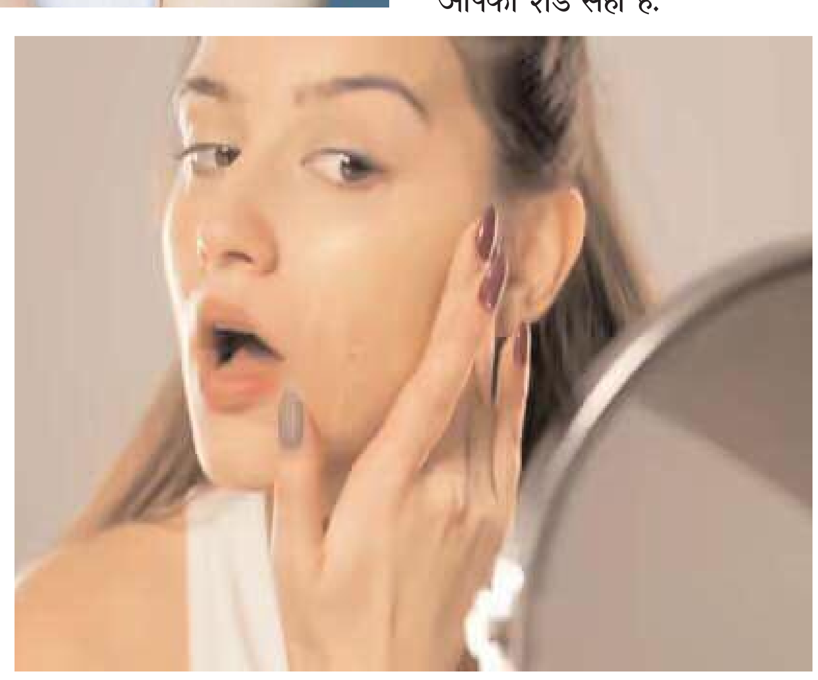

दुष्कर्म के आरोपी राजा सिंह उर्फ राजा बाबू की जमानत अर्जी खारिज

- चार वर्ष से आंगनबाड़ी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला के साथ जबरन बलात्कार करने का था आरोप

- शिकायत करने पर जान से मरवाने की धमकी देने का था आरोप

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। आंगनबाड़ी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला के साथ चार वर्ष से कई बार जबरन बलात्कार करने व शिकायत करने पर जान से मरवाने की धमकी दिए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी/सीएडब्लू) सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए गम्भीर प्रकृति का अपराध मानते हुए आरोपी राजा सिंह उर्फ राजा बाबू की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी कोतवाली क्षेत्र निवासी पीड़ित महिला ने 15 मई 2025 को कोतवाली दुद्धी में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि करीब 4 वर्ष से आंगनबाड़ी की नौकरी लगवाने का झांसा देकर उसके साथ राजा सिंह उर्फ राजा बाबू पुत्र स्वर्गीय बनारसी लाल उर्फ घमंडी निवासी वार्ड नम्बर 2 दुद्धी, कोतवाली दुद्धी, जिला सोनभद्र कई बार बलात्कार करता रहा। राजा सिंह सबसे पहले 11 दिसंबर 2020 को जब वह अपनी ससुराल में अकेली थी तो उसके घर आया था और आंगनबाड़ी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर जबरन बलात्कार किया।

इसके बाद अक्सर फायदा उठाकर जबरन सम्बंध बनाता रहा। शिकायत करने पर जान से मरवाने की धमकी देता था, जिसकी वजह से भयभीत होकर कहीं शिकायत नहीं कर सकी। 8 अप्रैल 2025 को राजा सिंह ने उसके बेटे को मोबाइल पर धमकी दिया कि अपनी मां से कह दो कि वह खुश करती रहे और जैसा कह रहा हूं वैसा ही करे तो नौकरी लगवा दूंगा। लेकिन उसने नौकरी नहीं लगवाया। राजा सिंह के भय से अपनी बहन के घर चली गई तो वहां भी 26 अप्रैल 2025 को 3-4 लोगों को साथ लेकर राजा सिंह पहुंच गया और असलहा दिखाकर जबरन सादे कागज पर लिखवाया कि मैं कोई कार्रवाई नहीं चाहती हूं। 9 मई 2025 को भी राजा सिंह ने धमकी दिया था। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। आरोपी राजा सिंह जिला कारागार में निरुद्ध है। जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर गम्भीर प्रकृति का अपराध मानते हुए आरोपी राजा सिंह की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्य प्रकाश त्रिपाठी व अरुण कुमार सिंघल एडवोकेट ने बहस की।

सोनभद्र खदान हादसाः घटनास्थल पर रेस्क्यू बंद करने की डीएम-एसपी ने संयुक्त रूप से की घोषणा

ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। बिल्ली-मारकुंडी क्षेत्र में पत्थर की खदान में हुए दर्दनाक हादसे में रेस्क्यू ऑपरेशन अब पूरी तरह खत्म हो गया है। प्रशासन ने हादसे को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। ज़िलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक दोनों ने संयुक्त रूप से घटनास्थल पर रेस्क्यू बंद करने की घोषणा कर दी है। जिले के ओबरा थाना क्षेत्र स्थित बिल्ली-मारकुंडी के कृष्णा माइनिंग वर्क्स में शनिवार दोपहर हुए खदान हादसे में शनिवार कि शाम से आज दोपहर तक रेस्क्यू अभियान चला। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ और अन्य टीमों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए अभियान चलाया, चुनौती पूर्ण कार्य से मलबे से कुल सात शवों को बरामद किया गया। जिसमें 7 मृतक मजदूर के शव की पहचान हो गई और ज्यादातर शवों का अंतिम संस्कार भी पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में संपन्न कराया गया। एक मृतक मजदूर का शव क्षत विक्षत होने कारण पहचान होने में दिक्कत हुई। रेस्क्यू अभियान में शामिल टीमों का कहना है कि मलबे के नीचे अब किसी और शव के होने की संभावना नहीं है। डॉग स्क्वाड टीम ने भी मौके का बारीकी से निरीक्षण कर स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। डीएम बद्रीनाथ सिंह ने बताया कि रेस्क्यू में देरी की एक बड़ी वजह एक विशाल चट्टान का मौजूद होना बताया जा रहा है, जिसे हटाने में काफी समय लग गया। सभी शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि ओबरा थाना क्षेत्र की बिल्ली इलाके में पत्थर खदान में हादसे के बाद 15 तारीख के शाम से 18 तारीख दोपहर तक रेस्क्यू अभियान चलाया गया। इसमें एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और लोकल जो प्राइवेट कंपनियों के एक्सपोर्ट थे उनके नेतृत्व में रेस्क्यू अभियान चलाया गया और इस बात को क्लियर किया गया कि अब यहां मलबा में कोई फंसा नहीं है। एक बड़ा पत्थर का टुकड़ा गिरने कारण वैकल्पिक मार्ग बनाकर सफलता पुर्वक रेस्क्यू अभियान चलाया गया। मामले में मृतक मजदूरों के परिजनों कि तहरीर पर खदान मालिक और उनके सहयोगियों के खिलाफ ओबरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले की विवेचना ओबरा सीओ कर रहे हैं। इसमें जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिले के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में हुआ यह खदान हादसा अपने आप में फिर कई बड़े सवाल खड़ा कर गया है। इससे पहले 2012 में भी खदान क्षेत्र में हादसा हुआ था। बावजूद इसके खदान में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा जाता। नियम कानून को ताक पर रखकर मजदूरों की जान से खेला जाता है। क्योंकि आदिवासी गरीब इलाका होने कारण आसानी से मजदूर उपलब्ध हो जाते हैं। खदान मालिक नियमों को ताक पर रखकर उनके जीवन से आए दिन खेलते नजर आते हैं। बड़ी बात यह है कि खनन क्षेत्र में खनन विभाग और जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती है।

बिल्ली मारकुंडी खदान हादसे में सीआईएसएफ की त्वरित कार्रवाई, राहत कार्य में निभाई अहम भूमिका

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

ओबरा/सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी स्थित श्री कृष्णा माइनिंग वर्क्स खदान में हुई हृदय विदारक दुर्घटना के बाद, ओबरा तापीय विद्युत परियोजना स्थित केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सदस्यों ने राहत एवं बचाव कार्य में अपनी अहम और त्वरित भूमिका निभाकर एक बार फिर कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। यह दुखद घटना कंप्रेसर कार्य के दौरान हुई, जब पत्थर के दरकने से खदान के ऊपरी हिस्से से भारी मात्रा में मलबा गिर गया, जिसके नीचे कई कामगार दब गए। स्थानीय प्रशासन से सूचना मिलते ही, सीआईएसएफ के कमांडेंट सतीश कुमार सिंह ने तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने अपनी अग्नि शाखा के 1 फायर टेंडर, अधिकृत क्रू मेंबर्स और सुरक्षा बल के सदस्यों के साथ तुरंत घटनास्थल के लिए प्रस्थान किया। सीआईएसएफ टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर सबसे पहले राहत एवं बचाव कार्य की शुरूआत की। उनकी तत्परता के मुख्य बिंदु इस प्रकार रहे। घोर अंधेरे वाली खदान में राहत एवं बचाव कार्य के लिए पर्याप्त प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जो रात के समय ऑपरेशन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थी।राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों के घटनास्थल पर पहुंचने के उपरांत भी, सीआईएसएफ के बल सदस्य उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लगातार सक्रिय रहे। राहत एवं बचाव कार्य में लगी सभी एजेंसियों के लिए समुचित भोजन पैकेजिंग और जरूरत के सभी आवश्यक सामान तुरंत मुहैया कराए गए। हादसे में पीड़ित परिवारों को लगातार सांत्वना दिलाते हुए, सीआईएसएफ ने अपनी संवेदनशील छवि को भी मजबूत किया। सीआईएसएफ द्वारा की गई इस सराहनीय कार्रवाई और तत्परता ने एक बार फिर उनके आदर्श वाक्य सुरक्षा एवं संरक्षण को आत्मसात करते हुए यह साबित कर दिया है कि सीआईएसएफ के बल सदस्य सदैव कर्तव्यनिष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ न केवल भारत के उद्यम एवं धरोहर की सुरक्षा करते हैं, बल्कि देश के आम नागरिकों की सुरक्षा के प्रहरी भी बने रहेंगे। आपदा के इस कठिन समय में सीआईएसएफ की यह त्वरित और निर्णायक भूमिका निःसंदेह सराहनीय है और यह दशार्ती है कि सुरक्षा बल अपनी तैनाती क्षेत्र से बाहर भी जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

थाना चोपन पुलिस ने मा0 न्यायालय से निर्गत 01 नफर वारण्टी को किया गिरफ्तार

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के कुशल नेतृत्व में वारण्टी/ वांछित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय ASJ/FCT/CAW सोनभद्र द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम मे एसटी न0-510/25 राज्य बनाम मुन्ना पटेल अन्तर्गत धारा 3(1) गैगेस्टर एक्ट थाना रा0गंज से सम्बन्धित वारंटी मुन्ना पटेल पुत्र बालकेश्वर उर्फ बालदेश्वर निवासी ग्राम नोका टोला सलखन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 42 वर्ष, को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

डाला नगर पंचायत वार्ड नंबर 9 में विकास कार्य धीमी गति को लेकर लोगों ने जताई नाराजगी

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। स्थानीय नगर के वार्ड नंबर 09 में स्थित नगर पंचायत कार्यालय के इलाके में विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर लोगों में नाराजगी, आखिर क्यों चल रही है सिर्फ खानापूर्ति की कार्रवाई सभासद प्रतिनिधि/डाला नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने जिम्मेदारों पर अनदेखी करने का आरोप लगाया है। गौरतलब हो कि नव सृजित नगर पंचायत डाला बाजार का गठन हुए 5 वर्ष पूर्ण होने को है इन गत 5 वर्षों में नगरी सेवाओं एवं सुविधाओं आदि विकास कार्यों को बहाल रखने के लिए नगर पंचायत की प्रशासनिक टीम द्वारा करीब ढाई वर्ष तक संचालित किया गया जिसमें नगर की विकास गति बढ़ती हुई दिखी। नगर पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद से गत करीब ढाई वर्ष से अब तक नगर पंचायत की अध्यक्षा व नगर के अधिशासी अधिकारी के देखरेख में बोर्ड बैठक में सभासदों द्वारा अपने क्षेत्र से संबंधित दिए गए नगर के विकास से संबंधित प्रस्ताव के कार्यों की गति धीमी हो गई चुनाव के बाद से ही विकास की गति बढ़ने के बजाय धीमी हो जाने से स्थानियों के मंसूबों पर पानी फिर गया। बताते चलें कि वार्ड नंबर 9 में नगर पंचायत का कार्यालय स्थित है जिसकी सभासद दीक्षा पटेल ने बताया कि हमारे वार्ड के रहवासियों सहित स्थानीय लोगों को नगर पंचायत कार्यालय व हाईवे मुख्य मार्ग तक आने जाने वाला मार्ग जर्जर हो गया है जिसके लिए सड़क व नाली निर्माण का प्रस्ताव दिया गया है और नगर पंचायत कार्यालय के पास स्थित मोहल्ले में स्ट्रीट लाइट व बने हुए नाली को कवर्ड करने के लिए प्रस्ताव दिया गया है । वार्ड नंबर 9 के सभासद प्रतिनिधि/डाला नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने आरोप लगाया कि करीब ढाई वर्ष बीतने को है 9 वार्ड की सभासद द्वारा सड़क नाली निर्माण आदि कई प्रस्ताव दिए गए पर किसी प्रस्ताव पर कोई कार्य नहीं हो रहा है नगर पंचायत कार्यालय के ठीक बगल के मोहल्ले में नालियां खुली हुई है जिसे कवर्ड करने सहित स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग कई बार किया गया पर सुनने वाला कोई नहीं है जबकि इसी मार्ग से अधिकारियों व जिम्मेदारों का आना-जाना भी होता है। स्ट्रीट लाइट लगवाने के बोला जाता था तो बिजली का पोल लग जाएगा लेकिन पोल लगे भी वर्ष बीत गया स्ट्रीट लाइट नहीं लगा और दो तीन पहले लगा भी तो 2 मात्र पोल पर ही स्ट्रीट लाइट लगवाया गया वही वार्ड के किसी अन्य जगह से निकलवा कर नगर पंचायत चुनाव पहले विकास कर तेज गति से हो रहा था जो धीमी हो गया खासकर वार्ड नंबर 9 में चुनाव के बाद विकास कार्य पूर्ण रूप ठप हो गया जब की नगर पंचायत कार्यालय भी इसी वार्ड में स्थित है फिर भी जिम्मेदारों द्वारा विकास कार्य के प्रस्ताव को अनदेखी किया जा रहा है ।

बिल्ली मारकुण्डी खनन दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों के परिजनों को अनुदान देने की कार्यवाही की गयी शुरू- जिलाधिकारी

ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। बिल्ली मारकुण्डी खनन दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों के परिजनों को अनुदान उपलब्ध कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी के निर्देशन में श्रम विभाग, जिला प्रोबेशन विभाग, समाज कल्याण विभाग की टीमों ने मृतक व्यक्तियों के घर जाकर बिल्ली मारकुण्डी खनन दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों के परिजनों को अनुदान देने की कार्यवाही की कार्यवाही शुरू की है। श्रम विभाग द्वारा निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना के तहत मृतक व्यक्तियों के परिजनों के खाते में एक लाख 25 हजार रुपए की धनराशि भेजने की कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार से कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम के तहत श्रम विभाग द्वारा मृतक के परिजनों को धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी। इसी प्रकार से समाज कल्याण विभाग राष्ट्रीय पारिवारिक योजना के तहत मृतक परिवारों को 30 हजार रुपए की सहायता राशि उपलब्ध कराने हेतु फार्म भरने की कार्यवाही जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा आज मृतक के घर पर पहुंचकर की गयी। इसी प्रकार से जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा संचालित योजना स्पॉन्सरशिप योजना के तहत मृतक व्यक्तियों के दो बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से लाभान्वित करने हेतु फार्म भरने की कार्यवाही प्रोबेशन अधिकारी इन्द्रावती द्वारा मृतक के घर पर पहुंचकर की गयी। स्पॉन्सरशिप योजना के तहत मृतक व्यक्ति के दो बच्चों को बच्चों 18 वर्ष की उम्र पूर्ण करने तक 4 हजार रुपए की धनराशि प्रति माह उपलब्ध करायी जाती है। इसी प्रकार से निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत मृतक के पत्नी को प्रतिमाह एक हजार रुपए धनराशि उपलब्ध कराने हेतु भी फार्म भरने की कार्यवाही की गयी।

सोनभद्र खनन त्रासदी मजदूर नेता मंगल तिवारी ने उठाई उच्च स्तरीय जाँच और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद की बिल्ली-मारकुण्डी घाटी में हुए भीषण खनन हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मजदूर नेता एवं वरिष्ठ पत्रकार मंगल तिवारी ने इस मामले की गहनता से जाँच कराने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित अपने पत्र में खनन कारोबारियों से लेकर संबंधित विभाग एवं इसमें संलिप्त लोगों की संपत्तियों की जाँच की पुरजोर मांग की है। मिर्जापुर असंगठित कामगार यूनियन (माकू यूनियन) के महामंत्री मंगल तिवारी ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में राज्य सरकार की शून्य सहनशीलता नीति पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है। हालांकि, उन्होंने कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहे भ्रष्टाचार तथा अपने पद एवं दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही पर गहरी चिंता जताई है। श्री तिवारी ने कहा, यदि आपके प्रत्यक्ष नियंत्रण वाले मंत्रालय में भी कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार तथा अपने पद एवं दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही बरती जा रही है, तो अन्य मंत्रालयों की स्थिति का अनुमान स्वयंस्फूर्त लगाया जा सकता है। पत्रकार मंगल तिवारी ने बिल्ली-मारकुण्डी खनन क्षेत्र में बीते शनिवार को हुई दुर्घटना को अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक बताया। बचाव दल द्वारा अब तक 6 मजदूर मृतकों के शव बरामद किए जा चुके हैं, और लगभग एक दर्जन मजदूरों के फंसे होने की आशंका अभी भी व्यक्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह परिस्थिति शासन-प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न उत्पन्न करती है। मजदूर नेता मंगल तिवारी ने मुख्यमंत्री से निम्नलिखित बिंदुओं पर निष्पक्ष एवं विस्तृत जाँच कराने की मांग की है। खनन विभाग, स्थानीय पुलिस, सहायक निदेशक कारखाना (ADF), तथा श्रम विभाग के संबंधित मॉनिटरिंग अधिकारी (सहायक श्रमायुक्त, उप श्रमायुक्त) की भूमिका एवं दायित्वों की निष्पक्ष जाँच। दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं लीज धारकों की संपत्ति की विस्तृत जाँच। इस घटना सहित विगत दो वर्षों में खनन क्षेत्र में मजदूरों के साथ हुई दुर्घटनाओं एवं मौतों की जाँच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए। मिजार्पुर-सोनभद्र के सभी खनन पट्टों का एनजीटी के मानकों के आधार पर जाँच कराई जाए। सभी दिवंगत श्रमिक आश्रितों को एक समान आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। माकू यूनियन का एकमात्र उद्देश्य यह है कि प्रदेश में कार्यरत श्रमिक भाइयों को सुरक्षा का अधिकार मिले और इस भीषण घटना में मारे गए श्रमिकों के परिजनों को शीघ्र न्याय मिल सके। यूनियन के महामंत्री मंगल तिवारी ने बताया कि संगठन श्रमिकों के लिए पूर्ण रूप से समर्पित है, जिसका लक्ष्य श्रमिकों और उनके परिवार का उत्थान, उनको मान-सम्मान और अधिकार दिलाना है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही सोनभद्र जिले में श्रमिकों के हक अधिकारों को लेकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। इस आंदोलन का उद्देश्य प्रति वर्ष खदानों में खाक होती मजदूरों की जिंदगी को बचाने और पूंजिपतियों से लेकर सफेदपोशों के कारनामों का भी खुलासा करना है जो इन मजदूरों के कंधों का उपयोग कर अपने लिए सुख-सुविधाएं तो बना लेते हैं लेकिन मजदूरों की जिंदगी जस की तस ही बनी रह जाती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु सोनभद्र प्राधिकरण सचिव ने की बैठक

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जनपद में 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र सचिव/अपर जनपद न्यायाधीश शैलेंद्र यादव ने मंगलवार 18 नवंबर 2025 को अधिकारियों संग बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया। श्री यादव ने अधिकारियों को बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशिष्ट विषय, आपराधिक वाद, धारा 138 एन आई एक्ट, आर्बिट्रेशन एवं पेट्टी आफेंसेस, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जल बिल, सर्विस एवं भत्तों से सम्बन्धित, सेवा निवृत्तिक परिलाभों से संबंधी, राजस्व विवाद, अन्य सिविल वादों, विशिष्ट अनुतोष वाद से संबंधित मामलों के साथ-साथ प्री लिटिगेशन मामले को भी सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा।बैठक के दौरान यह भी निर्देश दिया कि आगामी 13-12-2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में नोटिस का तामिला सुनिश्चित कराते हुए अधिक से अधिक संख्या में अपने अपने विभागों में लंबित एवं सुलह योग्य प्री लिटिगेशन के मुकदमों का सुलह समझौता के आधार पर निस्तारण कराने, साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रचार प्रसार करने हेतु उन्हें निर्देशित किया गया ताकि आमजन लाभान्वित हो सके।

बैठक के दौरान जिला पंचायत सोनभद्र के अपर मुख्य अधिकारी, समाज कल्याण विभाग अधिकारी, जिलापूर्ति अधिकारी, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, यातायात क्षेत्राधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी राजेश कुमार सिंह, एडीपीआरओ सोनभद्र एवं श्री कृष्ण कुमार शुक्ला प्रभारी टीआरएफ सोनभद्र की उपस्थिति रही।जानकारी शैलेंद्र यादव अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र ने दी है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या का आगमन 19 नवम्बर को

महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों की करेगी सुनवाई सर्किट हाउस सभागार में

ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। श्रीमती गीता विश्वकर्मा सदस्य उ०प्र० राज्य महिला आयोग लखनऊ द्वारा माह नवम्बर के तृतीय बुद्धवार को 19 एवं 20 नवम्बर2025 को जनपद में भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित है। मा0 सदस्य द्वारा 19 नम्बर,2025 को दोपहर 12.00 बजे सर्किट हाउस में महिला कल्याण विभाग, बाल विकास व पुष्टाहार विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मातृ शिशु परिवार कल्याण विभाग, साइबर काइम, कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं से सम्बन्धित समीक्षा बैठक सर्किट हाउस चुर्क सोनभद्र में करेंगी। इसके बाद जनपद में महिला उत्पीड़न सम्बन्धित प्रकरणों की पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वर्ष पुलिस अधिकारी महिला थाना अध्यक्ष एवं सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी के साथ भी समीक्षा बैठक व जन सुनवाई किया जायेगा। इसके बाद मा0 सदस्या द्वारा 19 नवम्बर, 2025 को महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों की सुनवाई सर्किट हाउस सभागार में करेंगी।

मा0 सदस्य द्वारा 19 नवम्बर,2025 को 1.30 बजे स्वल्पहार, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा व राबर्ट्सगंज ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के निवास पहुंचेगीं, इसके बाद अपरान्ह 1.50 बजे सोनभद्र बिल्ली मारकुण्डी में हुए खनन हादसे में घायलों से मुलाकात करेंगीं। अपरान्ह 02.00 बजे जिला कारागार महिला बन्दी गृह का निरीक्षण करेंगी, अपरान्ह 3.15 बजे जिला चिकित्सालय वन स्टाफ सेंटर का निरीक्षण करेंगी, अपरान्ह 04.15 बजे कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण करेंगी तथा इसके बाद सर्किट हाउस में विश्राम करेंगी। इसी प्रकार से माननीया श्रीमती गीता विश्वकर्मा सदस्य उ०प्र० राज्य महिला आयोग लखनऊ द्वारा 20 नवम्बर,2025 को सुबह 09.00 बजे माता वैष्णों मंदिर डाला में दर्शन-पूजन करेंगी, पूर्वान्ह 11.30 बजे चोपन ब्लाक व चतरा ब्लॉक में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग आंगनबाड़ी स्वयं सहायता समूह की बहनों के साथ जागरूकता चौपाल करेंगी, इसके बाद लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगी।

एनटीपीसी रिहंद द्वारा संकल्प नशा मुक्ति स्वास्थ्य सेवा केंद्र का किया गया आयोजन

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंत द्वारा प्रायोजित संकल्प नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य सेवा केंद्र की टीम ने आज नेमना ग्राम पंचायत में वृहद जागरूकता शिविर लगाकर स्थानीय ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक किया एवं अपनी

संस्था की निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी दिया । जागरूकता शिविर में संस्था के राजीव पांडे ने विस्तार से अपनी सेवाओं के बारे में बताते हुए कहा कि चोपन स्थित ग्रामवासी सेवा आश्रम में संकल्प नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य सेवा केंद्र निरंतर अपनी सेवाओं से जिले के नौजवानों को जागरुक कर नशे से दूरी बनाने की पहल कर रही है साथ ही साथ नशे से पीड़ित मरीजों को भरती कर योग्य चिकित्सक एवं योग्य काउंसलर द्वारा उनको मानसिक रूप से नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाता है । संकल्प नशा मुक्ति केंद्र का संचालन स्वर संस्था द्वारा किया जा रहा है जिसमें भर्ती मरीजों की पूरी देखभाल दवा खान-पान रहन-सहन सब की चिंता संस्था करती है जिसे एनटीपीसी के फंड से सहयोग मिलता है । जागरूकता शिविर में नुक्कड़ नाटक की टीम द्वारा भी संगीत में गानों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया । कार्यक्रम में संस्था की सभी टीम के साथ स्थानीय ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राधेश्याम गुर्जर ने पूरी टीम का धन्यवाद दिया और नशा मुक्ति के इस लड़ाई में अपना सहयोग देने का संकल्प लिया।

सीडीओ ने निमार्णाधीन परियोजनाओं व पूर्वांचल विकास निधि के कार्यो की समीक्षा की,

हस्तांतरित सभी परियोजनाओं को करें क्रियाशील-सीडीओ

**समाज जागरण
दैनिक विश्व नाथ त्रिपाठी**

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने विकास भवन सभागार में जनपद में 50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं एवं पूर्वांचल विकास निधि के कार्यो की समीक्षा कर अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। सीडीओ ने सभी कार्यदायी संस्थाओं के परियोजना प्रबन्धक एवं अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया कि विलम्बित परियोजनाओं के कार्य पूर्ण होने की तिथि अनिवार्य रूप से सी0एम0आई0एस0 पोर्टल पर अपडेट करायें। अधिशासी अभियन्ता आवास विकास परिषद को निर्देशित किया कि विकास खण्ड लक्ष्मणपुर में राजकीय डिग्री कालेज एवं गृह विभाग के पूर्ण हास्टल, बैरक एवं विवेचना कक्ष को सम्बन्धित विभाग को माह नवम्बर में हस्तगत करें। इसी प्रकार वर्तमान में पूर्ण 22 कार्यो को नियमानुसार प्रशासकीय विभाग को हस्तगत करने के निर्देश दिये गये। आईटीआई बिहार, ड्रग वेयर हाउस, समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय एवं पर्यटन विभाग की धनाभाव के कारण बाधित परियोजनाओं हेतु शासन स्तर पर पत्र प्रेषित कराने एवं प्रभावी पैरवी करने के निर्देश कार्यदायी संस्थाओं को दिया गया। समीक्षा में सभी को निर्देशित किया गया कि सभी हस्तांतरित परियोजनाओं को क्रिया शील / जनोपयोगी कराना सुनिश्चित करें। पूर्वांचल विकास निधि के कार्यो की समीक्षा में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के कार्यो के जिया टैग्ड फोटोग्राफ एवं कार्यपूर्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने एवं अवशेष निमार्णाधीन कार्यो को शीघ्रपूर्ण करने के निर्देश सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को दिये गये। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या धिकारी प्रियंका सोनी, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड ओपी चौरसिया सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के अधिशासी अभियन्ता / परियोजना प्रबन्धक उपस्थित रहे।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, डॉग स्क्वायड और फील्ड यूनिट जांच में जुटी

गांव खाता में सनसनी, मृतक 6 साल से बहनोई के साथ कर रहा था निवास

समाज जागरण

सहावर। थाना क्षेत्र के ग्राम खाता में मंगलवार की सुबह उस समय हड़-कंप मच गया जब ग्रामीणों ने एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ देखा। मृतक की पहचान 42 वर्षीय सत्यपाल सिंह के रूप में हुई, जो मूल रूप से थाना सिकंदरपुर क्षेत्र का निवासी था। वह पिछले 6 वर्षों से अपने बहनोई के साथ खाता गांव में रह रहा था।

स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद घटनास्थल पर सीओ सहावर शाहिदा नसरीन, स्थानीय पुलिस, डॉग स्क्वायड एवं फील्ड यूनिट की टीम पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई थी।

सीओ शाहिदा नसरीन ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मामले के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है। साक्ष्य जुटाने के लिए तकनीकी टीमों को लगाया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि तहरीर (शिकायत) अभी प्राप्त नहीं हुई है, तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया मार्गशीर्ष मेला व पंचकोसीय परिक्रमा का स्थलीय निरीक्षण

समाज जागरण

कासगंजः जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने आगामी मार्गशीर्ष मेला और पंचकोसीय परिक्रमा के दृष्टिगत आज स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए और सुरक्षा व्यवस्था पूर्ण रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को साफ-सफाई, घाटों की सफाई, बेरीकेटिंग, शौचालय की व्यवस्था, चेंजिंग रूम, साधु कैम्प, खोया-पाया, संकेतक बोर्ड, सीसीटीवी कैमरा, हाई मास्ट लाइट और चिकित्सा कैंप पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मुख्य निर्देशः सोरों में मेला 8 सेक्टर और 4 पार्किंग एरिया में व्यवस्थित किया जाएगा।

4 फायर सर्विस वाहन तैनात रहेंगे।

पुलिस एवं पीएसी की बड़ी तादाद में तैनाती की जाएगी।

यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस सक्रिय रहेगी।

पंचकोसीय परिक्रमा मार्ग को दुरुस्त कर समय पर तैयार किया जाएगा।

परिक्रमा मार्ग पर 10 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ की संभावना के मद्देनजर सुरक्षा और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

बड़े वाहनों का रूट डायवर्जन सुनिश्चित किया जाएगा और एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रहेगी।

निरीक्षण के समय चैयरमैन नगर पालिका रामेश्वर दयाल मेहरे, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, क्षेत्राधिकारी कासगंज आंचल चौहान और नगर पालिका के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

दैनिक समाज जागरण नेशनल अखबार मे विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

गंजडुंडवारा में ट्रैक्टर की टक्कर से महिला की मौत

समाज जागरण

गंजडुंडवारा (कासगंज): कासगंज के गंजडुंडवारा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 36 वर्षीय महिला पैगंबरी पुत्री शराफत हुसैन की मौत हो गई। महिला अपने गांव चिरोला से पैदल गंजडुंडवारा जा रही थीं, तभी एटा रोड पर संगम पैलेस के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना में गंभीर रूप से घायल पैगंबरी को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंजडुंडवारा ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया और वहां से अलीगढ़ में इलाज के लिए भेजा गया। दुर्भाग्यवश, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परेशान परिजनों ने पैगंबरी का शव गंजडुंडवारा वापस लाया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने ट्रैक्टर को हिरासत में ले लिया है, लेकिन चालक अभी फरार है।

बड़े शहरों की पॉश कॉलोनियों में चोरी करने वाले 5 अभियुक्त गिरफ्तार, करोड़ों की संपत्ति बरामद

बुलंदशहरः महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के बड़े शहरों की पॉश कॉलोनियों में रेकी कर बंद मकानों में चोरी करने वाले पांच अभियुक्तों को बुलंदशहर पुलिस ने गिरफ्तार किया।

पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से कुल 3,51,300/- नकद, आभूषणों की कीमत लगभग 12 लाख, 2 आधार कार्ड और 2 अवैध शस्त्र बरामद किए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी उन अपराधियों के नेटवर्क को भंग करने और शहरों में चोरी की घटनाओं को रोकने के अभियान का हिस्सा है।

राष्ट्रीय लोकदल में चौधरी जयंत सिंह जी का पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर कार्यकताओं ने जताया हर्ष

समाज जागरण

कासगंजः राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अधिवेशन में चौधरी जयंत सिंह जी को अगले तीन साल के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किए जाने पर जिलाध्यक्ष शमीम अहमद अल्वी एवं पार्टी कार्यकताओं ने मंगलवार को जिला कार्यालय, इन्द्रा मार्केट, माल गोदाम रोड कासगंज में बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

जिलाध्यक्ष शमीम अहमद अल्वी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन कोसी कलां, मथुरा में सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, महिला सशक्तिकरण, किसानों और कामगारों के हक में कई प्रस्ताव पारित किए गए।

अधिवेशन में प्रमुख रूप से निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गए:

चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष करने का निर्णय

कृषि भूमि के विभाजन एवं पलायन रोकने के लिए युवाओं को गांव-कस्बे में रोजगार उपलब्ध कराना

उर्वरकों के अनियंत्रित उपयोग और जल दोहन पर नियंत्रण के लिए फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देना

किसानों को पर्यावरण अनुकूल खेती के लिए प्रोत्साहित करना

कौशल विकास के जरिए युवाओं को रोजगार से जोड़ना

आने वाले दिनों में एक हजार आईटीआई का अपग्रेडेशन

युवाओं, महिलाओं और समाज के विशेष लोगों को पार्टी में वरीयता

शमीम अहमद अल्वी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के सक्रिय सदस्य बनकर किसान मसीहा भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रद्धेय चौधरी अजित सिंह की नीतियों को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह की 125वीं जयंती देशभर में धूमधाम से मनाई जाएगी और इस अवसर पर सवा करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष किशोरीलाल मौर्य, अजब सिंह वर्मा, विनोद कुमार मौर्य, अफजल अव्वासी, समसुद्दीन अव्वासी, युवा जिलाध्यक्ष नरेश कुमार मौर्य, अरविंद शाक्य, फकरुद्दीन सैफी, डॉ0 के0 एम0 गजनी कुर्बानियां, डॉ0 राजकुमार वर्मा, शारिक अली, राम प्रकाश गुप्ता, रमनपाल दिवाकर, पप्पू प्रधान (धवा), इस्लाम अहमद, अजमेरी वारसी, पंडित मनोज दीक्षित, अंकुर कुमार, राजीव कुशवाह सहित अन्य कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पटियाली में कूटरचित दस्तावेज मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कासगंजः कासगंज पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में और अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार गंगा प्रसाद के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पटियाली पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। थाना पटियाली क्षेत्राधिकारी संदीप वर्मा के नेतृत्व में प्राप्त शिकायत के आधार पर, श्याम सिंह पुत्र गंगा सहाय, निवासी नगला पाती, थाना सिकंदरपुर द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया था कि उनकी जमीन के संबंध में धोखाधड़ी कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी बैनामा बनाया गया। इस मामले में थाना पटियाली पुलिस ने ग्रीश पुत्र सीताराम कश्यप, निवासी मोहल्ला चौक, कस्बा व थाना पटियाली को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तारी में पटियाली पुलिस टीम के प्रभारी निरीक्षक लोकेश भाटी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

थाना किठौर क्षेत्र में हुड़दंगः 15 गिरफ्तार, 8 गाड़ियां सीज

मेरठः थाना किठौर क्षेत्रान्तर्गत गाड़ियों और पटाखों से भय का माहौल उत्पन्न करने वाले 15 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने 8 गाड़ियों को सीज कर कार्रवाई की।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मेरठ ने बताया कि यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

आईएमएस नोएडा में बीबीए छात्रों के लिए इंडस्ट्री रेडी वर्कशॉप आयोजित

समाज जागरण

नोएडाः इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में बीबीए के छात्रों के लिए इंडस्ट्री रेडी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान टाइम्स एजुकेशन के सॉफ्ट स्किल ट्रेनर गगन विरमानी ने छात्रों को कैरियर निर्माण, रिज्यूमे तैयार करना, ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू की बारीकियों के बारे में मार्गदर्शन दिया।

आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी समय में छात्रों का इंडस्ट्री-रेडी होना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी संगठन में अवसर प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि आवश्यक कौशल, आत्मविश्वास और संचार क्षमता भी जरूरी है।

संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान का प्रयास है कि कॉरपोरेट वर्ल्ड की मांगों के अनुरूप सभी आवश्यक कौशल विकसित किए जाएं। इससे छात्रों को पेशेवर माहौल में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत होने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

बीबीए विभागाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया कि वर्कशॉप में छात्रों को रिज्यूमे प्रभावी बनाने, एप्लिकेंट ट्रैकिंग सिस्टम के अनुरूप तैयार करने और पेशेवर तरीके से प्रस्तुत करने की तकनीक सिखाई गई। गगन विरमानी ने विद्यार्थियों को ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंटरव्यू, सॉफ्ट स्किल्स और क्रिटिकल थिंकिंग पर विशेष प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में छात्रों के लिए मॉक इंटरव्यू का आयोजन भी किया गया। इस सफल वर्कशॉप का संचालन प्रो. यतिका रस्तोगी के नेतृत्व में किया गया।

बीएलओ ने चलाया SIR अभियानः घर-घर जाकर लोगों को दी जानकारी, छूटे नाम जोड़ने की अपील

समाज जागरण

सहावरः कस्बा के सोरों रोड स्थित समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व चेयरमेन जाहिदा सुल्तान के आवास पर बीएलओ शगुफ्ता द्वारा रक्क्र अभियान के तहत फार्म भरवाए गए। जाहिदा सुल्तान ने लोगों को रक्क्र पहल के महत्व और इसकी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से उन महिलाओं से अपील की जिनके नाम 2003 की विधानसभा सूची में दर्ज नहीं थे। उन्होंने इन महिलाओं से अपने मायके से 2003 की सूची की क्रम संख्या, भाग संख्या और अन्य आवश्यक विवरण उपलब्ध कराने को कहा।

जाहिदा सुल्तान ने यह भी बताया कि जिन लोगों ने अभी तक रक्क्र फॉर्म नहीं भरे हैं, वे रात में भी आवास पर पहुँचकर फॉर्म भरवा सकते हैं, ताकि किसी को असुविधा न हो। इस पहल की सराहना करते हुए नियाज मोहम्मद, ताज अंसारी, राजू, अमन, मुराद खान सहित कई स्थानीय निवासियों ने इसे एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कार्य बताया।

"ऑपरेशन कन्विक्शन" के तहत दो अभियुक्तों को 7 साल की सजा

समाज जागरण

कासगंजः पुलिस महानिदेशक द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के तहत पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन विभाग की न्यायालय में पैरवी के परिणामस्वरूप सोमवार को न्यायालय कासगंज ने 2 अभियुक्तों को दंडित किया। थाना सहावर, जनपद कासगंज पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 245/18, धारा 498अ/304B IPC एवं दहेज अधिनियम से संबंधित मामले में अभियुक्तः गवेन्द्र पुत्र करन सिंह, किरन देवी पत्नी करन सिंह, निवासी नगला सालिक, थाना सहावर, कासगंज को न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध करते हुए साधारण कारावास 7-7 वर्ष और 5,500-5,500 (कुल 11,000) अर्थदंड से दंडित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि अभियुक्त अर्थदंड अदा नहीं करते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त 10 दिन का कारावास भुगतना होगा।

कासगंज में मंदिर चोरी का शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, त्रिशूल व पीतल का घंटा बरामद

कासगंजः कासगंज पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अपर

पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार गंगा प्रसाद के पर्यवेक्षण में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कासगंज पुलिस ने जनता के सहयोग से एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया। थाना कासगंज क्षेत्राधिकारी नगर आँचल चौहान के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए, इसरार सैफी पुत्र मौ0 निसार, निवासी भुजपुरा ठाकुर वाली गली ऊपर कोट, थाना कोतवाली अलीगढ़ को सोमवार रात गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के समय पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी किया हुआ 1 त्रिशूल और 1 पीतल का घंटा, जिसका वजन लगभग 5 किलो है, बरामद किया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कासगंज पर मुकदमा पंजीकृत कर

स्वदेशी जागरण मंच की संकल्प रथ यात्रा तीसरे दिन बाजारों में भ्रमण, व्यापारियों और जनता का समर्थन

समाज जागरण

नागपुरः स्वदेशी अभियान के अंतर्गत स्वदेशी संकल्प यात्रा के तीसरे दिन का रथ यात्रा नागपुर शहर के दक्षिण-पश्चिमी बाजारों में आयोजित किया गया। इस दौरान यात्रा का नेतृत्व राजू जैन ने किया। अजनी चौक से प्रारंभ होकर रथ हिंगना व्यापारी संघ के अध्यक्ष रविंद्र जैन के नेतृत्व में व्यापारियों और महिलाओं की बड़ी संख्या द्वारा स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बालकृष्ण भरतिया के मार्गदर्शन में रथ बालाजी नगर में सभा के रूप में पहुंचा। सभा का संचालन नागपुर चिल्लर किराना व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभाकर देशमुख ने किया। अपने भाषण में प्रभाकर देशमुख ने स्वदेशी जागरण मंच और कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का आभार व्यक्त किया और सभी से आह्वान किया कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्वरोजगार बनाए रखने के लिए पूर्ण स्वदेशी अपनाना जरूरी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बालकृष्ण भरतिया ने उपस्थित सभी को जानकारी दी कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बाजार पर किस प्रकार कब्जा किया जा रहा है और इस स्थिति से निपटने के लिए स्वदेशी माल और सेवाओं का ही उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि विदेशी कंपनियों का माल खरीदने से देश का पैसा बाहर जाता है और आयातित उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

रथ यात्रा मैन बाजार एवं गली-मोहल्लों से होकर गुजरी और जनता के बीच स्वदेशी जागरुकता फैलाई गई। राजू जैन ने एलईडी स्क्रीन के माध्यम से स्वदेशी के बारे में जानकारी दी और लोगों को प्रोत्साहित किया। बी. सी. भरतिया ने सभी उपस्थित लोगों से स्वदेशी का संकल्प दिलवाया।

मिशन शक्ति 5.0: नाबालिग से दुष्कर्म व हत्या के मामले में अभियुक्त को मृत्युदंड

समाज जागरण

वाराणसीः पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी और अभियोजन विभाग के संयुक्त प्रयास से "मिशन शक्ति 5.0" अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग से दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। दिनांक 25.12.2024 को पंजीकृत इस मामले में पुलिस ने अभियुक्त को 26.12.2024 को गिरफ्तार किया और दिनांक 03.01.2025 को माननीय न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया। माननीय न्यायालय ने अभियुक्त को दोषसिद्ध करते हुए मृत्युदंड और 60,000/- अर्थदंड से दंडित किया। इस कार्रवाई को मिशन शक्ति 5.0 के तहत अपराधों के समाप्ति और सबूतों के आधार पर न्याय सुनिश्चित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

टीएमयू में सितार की धुनों और तबले की थाप की जुगलबंदी पर झूमा ऑडी

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में जाने-माने सितार वादक पंडित हरविन्दर शर्मा और युवा तबला वादक उजिथ उदय कुमार की अविस्मरणीय प्रस्तुति

समाज जागरण

मुरादाबादः तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद में जाने-माने सितार वादक पंडित डॉ. हरविन्दर शर्मा और युवा तबला वादक उजिथ उदय कुमार की जुगलबंदी- सितार रेसाटाइल पर संगीत प्रेमियों से खचाखच भरा ऑडिटोरियम बार-बार झूम उठा। सितार की धुनों और तबले की थाप की जुगलबंदी लंबे समय तक श्रोताओं के दिलो-दिमाग में झंकृत होती रही। इस यादगार सुरों की महफिल का आगाज मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन के संग हुआ। इस मौके पर मेहमान कलाकारों के अलावा एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, स्पिक मैके के रीजनल कॉर्डिनेटर डॉ. आरसी गुप्ता, स्पिक मैके के डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर डॉ. मुकुल किशोर, डीन स्टुडेंट वेलफेयर प्रो. एमपी सिंह आदि की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन का मानना है, यूनिवर्सिटी न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और प्रसार के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। ह्यसितार रेसा-इटलह्न जैसे आयोजनों से न केवल स्टुडेंट्स में भारतीय संगीत के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी, बल्कि उनके व्यक्तित्व, सृजनशीलता और सांस्कृतिक समझ में भी अभिवृद्धि होगी। श्री जैन कहते हैं, टीएमयू का उद्देश्य शिक्षा को जीवनोन्मुख अनुभव से जोड़ना है। उन्होंने उम्मीद जताई, विश्वविद्यालय में आगे भी ऐसे समृद्ध सांस्कृतिक आयोजन निरंतर जारी रहेंगे। संचालन डॉ. मनी सरस्वत ने किया। इससे पूर्व सितार रेसाटाइल की महफिल टिमिट के डीन प्रो. विपिन जैन के कॉर्डिनेशन में सजी।

सितार रेसाटाइल ने स्टुडेंट्स को न केवल सुरों की अद्भुत यात्रा से परिचित कराया, बल्कि संगीत की साधना और परंपरा के गहन अर्थों को भी समझने का अवसर दिया। मुख्य प्रस्तुति सुप्रसिद्ध सितारवादक पंडित (डॉ.) हरविंदर शर्मा ने दी। वह बीते छह दशक से निरंतर भारतीय शास्त्रीय संगीत की सेवा कर रहे हैं। पंडित (डॉ.) हरविंदर शर्मा का मुरादाबाद विशेषकर टीएमयू में पहली बार मंगल आगमन हुआ। पंडित शर्मा ने अपने सितार वादन से ऐसा सुरमय वातावरण बनाया कि यूनिवर्सिटी के लगभग 700 स्टुडेंट्स उनकी धुनों में डूब गए। उनका संगीत-सफर संगीत प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने अपनी कला को डिग्रियों, शोध कार्यों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुतियों से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। वह पारंपरिक और लाइट क्लासिकल संगीत के ख्यातिप्राप्त कलाकार हैं। आकाशवाणी एवम् दूरदर्शन के टॉप ग्रेड आर्टिस्ट हैं। 2023 में संगीत नाटक अकादमी अवार्ड समेत दर्जनों प्रतिष्ठित सम्मान उनकी झोली में हैं।

प्राचीन कला केंद्र, पंजाब यूनिवर्सिटी और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षित पंडित शर्मा की संगीत यात्रा में उनके पिता श्री मेघराज शर्मा उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा स्रोत रहे। उन्होंने भारत, कनाडा, यूएसएसआर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक के मंचों पर प्रदर्शन किया और जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र, मास्को में सांस्कृतिक दूत के रूप में भी सेवाएं दीं। सितारवादक पंडित हरविंदर शर्मा के संग तबला संगत श्री उजिथ उदय कुमार ने की, जिनकी लयकारी और ताल की निपुणता ने प्रस्तुति में जीवंतता और गति भर दी।

पिता श्री चेतन उदय कुमार की प्रेरणा से युवा तबला वादक उजित उदय कुमार की अंगुलियां तो महज तीन साल की उम्र में ही तबले पर थिरकने लगी थीं। तबला वादक उजित के उस्ताद रफीउद्दीन साबरी हैं। उन्हें भारत के उपराष्ट्रपति की ओर से भारत के ध्रुवतारा की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। इस आयोजन में टीएमयू और स्पिक मैके के संग-संग मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर की भी भागीदारी रही। केन्द्र के इन मंत्रालयों के साथ सूबे के संस्कृति विभाग और भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का भी अनमोल योगदान रहा। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी स्टुडेंट्स क्लब्स की भी सक्रिय भूमिका रही।